58,514 करोड़ रुपए से घटकर 54,928 करोड़ रुपए का बजट पेश

अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

हिमाचल बजट 2026-27

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | रविवार, 22 मार्च 2026 | 9 चैत्र, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 82, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

सुख के सपनों की उड़ान

भूरे रंग के ब्रीफकेस में बजट दस्तावेज लेकर सदन पहुंचे सीएम

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू चौथा बजट पेश करने के लिए सादगीपूर्ण अंदाज में भूरे रंग की अटैची में बजट दस्तावेज लेकर पहुंच थे। यह दृश्य न केवल उनकी कार्यशैली की सरलता को दर्शाता है, बल्कि पारंपरिक ब्रीफकेस बजट की उस पुरानी परंपरा की भी याद दिलाता है, जिसमें दिखावे के बजाय कार्य पर जोर होता है। विधानसभा परिसर में उनके पहुंचते ही राजनीतिक हलकों में बजट को लेकर उत्सुकता और हलचल तेज हो गई, वहीं प्रदेशवासियों की निगाहें भी इस बजट पर टिकी रहीं।

अन्नदाता के लिए किसान आयोग का होगा गठन

महिलाओं के लिए 'सीएम सुखी परिवार योजना'

चिट्टे की रोकथाम के लिए भर्ती होंगे 1000 कांस्टेबल

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शनिवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए कई अहम घोषणाएं कीं। अपने 4 घंटे और 16 मिनट के बजट भाषण में उन्होंने किसानों, दुग्ध उत्पादकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई फैसलों का ऐलान किया।

सीएम ने दिया 4 घंटे, 16 मिनट का बजट भाषण

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 54,928 करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जो पिछले साल के 58,514 करोड़ के बजट के मुकाबले 3,586 करोड़ रुपए कम है। मुख्यमंत्री ने बजट में किसानों के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री ने एक और चुनावी गारंटी पूरी करने का दावा करते हुए राज्य किसान आयोग के गठन की घोषणा की, जो किसानों की समस्याओं को सुनने और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए काम करेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री ने गाय और भैंस के दूध के क्रय मूल्य में क्रमश:10 व 9 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की घोषणा की। इसके तहत अब गाय के दूध का क्रय मूल्य 51 से बढ़ाकर 61 रुपए प्रति लीटर और भैंस के दूध का क्रय मूल्य 61 रुपए से बढ़ाकर 70 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दुग्ध उत्पादकों को सीधा लाभ मिले और बिचौलियों की भूमिका कम हो।

अति गरीब परिवार की महिलाओं को प्रत्येक माह 1500 रुपए, 300 यूनिट बिजली मुफ्त

सीएम सुक्खू ने सामाजिक सुरक्षा के मोर्चे पर बड़ा दांव खेलते हुए अति गरीब परिवारों के लिए राहत की झड़ी लगा दी है। सरकार ने 'मुख्यमंत्री सुखी परिवार योजना' के तहत एक लाख अत्यंत गरीब परिवारों की पहचान करने का फैसला किया है, जिनकी महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। यह फैसला सीधे तौर पर उन घरों की रीढ़ मजबूत करने की कोशिश है, जो अब तक आर्थिक तंगी से जूझते रहे हैं। इन परिवारों की महिलाओं को अब 1500-1500 रुपए मिलने से आर्थिक संबल मिलेगा। इसके साथ ही सरकार ने इन परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का ऐलान किया है, जिससे घरेलू खर्च में बड़ी कमी आने की उम्मीद है। यह कदम खास तौर पर ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के लिए राहत लेकर आएगा।

महिलाओं को स्टांप ड्यूटी में राहत

प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उनके नाम पर 80 लाख से 1 करोड़ रुपए तक की संपत्ति खरीदने पर स्टांप ड्यूटी को 8 से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया है। यह कदम महिलाओं को संपत्ति स्वामित्व के लिए प्रोत्साहित करेगा और समाज में उनकी आर्थिक भागीदारी को मजबूत करेगा। कुल मिलाकर यह बजट आधारभूत ढांचे और प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से विकास की मजबूत नींव रखने का प्रयास करता है।

◆ 1 करोड़ रुपए तक की संपत्ति खरीदने पर 8 से घटाकर 4 प्रतिशत की स्टांप ड्यूटी

बजट की प्रमुख घोषणाएं

- गाय और भैंस के खरीद मूल्य में क्रमश: 10 व 9 रुपए बढ़ोतरी
- प्राकृतिक विधि से तैयार गेंहू 80 व मक्का का मूल्य 50 रुपए
- हल्दी का न्यूनतम समर्थन मूल्य 90 से बढ़ाकर 150 रुपए किया
- अदरक के लिए पहली बार एमएसपी 30 रुपए निर्धारित
- महिलाओं के लिए एचपी टूरिज्म फंड बनाने का ऐलान
- प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में हेलिपोर्ट बनाने का ऐलान

1,000 अतिरिक्त पुलिस कांस्टेबल, 50 महिला उपनिरीक्षकों की होगी सीधी भर्ती

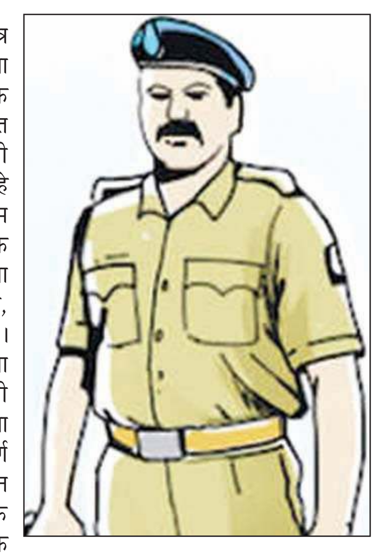

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए एक बड़ा ऐलान करते हुए 1,000 अतिरिक्त पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती की घोषणा की है। ये पुलिस कांस्टेबल प्रदेश में बढ़ रहे चिट्टे के नशे की रोकथाम के लिए काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत किए बिना समाज को सुरक्षित नहीं बनाया जा सकता, इसलिए पुलिस बल में बढ़ोतरी जरूरी है। इस घोषणा के साथ ही 50 महिला उपनिरीक्षकों की सीधी भर्ती का भी प्रावधान किया गया है, जो न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है बल्कि पुलिस व्यवस्था में संतुलन और संवेदनशीलता भी बढ़ाएगा। इसके अलावा सरकार ने यह भी संकेत दिए हैं कि अन्य रिक्त पदों को भी चरणबद्ध तरीके से भरा जाएगा, जिससे प्रशासनिक तंत्र को नई ऊर्जा मिलेगी। इस पूरी कवायद का उद्देश्य केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना भी है, ताकि वे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकें और समाज में स्थिरता बनी रहे।

फसलों का एमएसपी बढ़ाया

प्रदेश में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने कई उत्पादों के एम एमएसपी में वृद्धि की है। गेहूं का एमएसपी 60 से बढ़ाकर 80 रुपए, मक्की का 40 से बढ़ाकर 50 रुपए और हल्दी का एमएसपी 90 से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलोग्राम किया गया है। पांगी क्षेत्र के जौ का समर्थन मूल्य 60 रुपए से बढ़ाकर 80 रुपए प्रति किलो करने की घोषणा की। इसके अलावा पहली बार अदरक के लिए 30 रुपए प्रति किलो समर्थन मूल्य देने का भी ऐलान किया गया।

खर्च कम और आमदनी बढ़ाने के प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछले तीन वर्षों में नीतियों में बदलाव कर खर्च कम करने और आमदनी बढ़ाने के प्रयास किए हैं और सरकार अपनी 10 चुनावी गारंटियों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक चुनौतियों के बावजूद प्रदेश की विकास गति को धीमा नहीं होने दिया जाएगा और हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025-26 में प्रदेश की विकास दर 8.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि राज्य की अर्थव्यवस्था में 9.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सकल राज्य घरेलू उत्पाद लगभग 2.83 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

माननीयों-अफसरों के वेतन में भारी कटौती

सीएम 50%, मंत्री 30% और विधायक 6 महीने 20% कम सैलरी लेंगे

प्रदेश में सेवाएं दे रहे क्लास वन और टू के अधिकारियों का वेतन भी कटेगा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के बजट सत्र में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश की नाजुक आर्थिक स्थिति को देखते हुए एक बड़ा और साहसिक निर्णय लिया है। सरकार ने खुद पर सख्ती दिखाते हुए मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ अफसरों के वेतन में कटौती का ऐलान किया है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि सरकार वित्तीय अनुशासन को लेकर गंभीर है। मुख्यमंत्री ने अपने वेतन में पचास फीसदी कटौती की घोषणा की, जबकि उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों के वेतन में तीस फीसदी की कमी की जाएगी। वहीं, विधायकों को भी अपने वेतन का बीस फीसदी त्याग करना होगा।

यह कटौती केवल जनप्रतिनिधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि मुख्य सचिव से लेकर विभागाध्यक्षों और पुलिस विभाग के डीजीपी, आईजी और डीआईजी स्तर तक के अधिकारियों को भी इसमें शामिल किया गया है। सरकार ने यह फैसला फिलहाल छह महीने के लिए लागू करने की बात कही है, जिसे हालात के अनुसार आगे बढ़ाया जा सकता है। साथ ही यह भरोसा भी दिया गया है कि प्रदेश की माली हालत सुधरने पर कटे हुए वेतन की भरपाई कर दी जाएगी।

सरकार ने इस निर्णय में संवेदनशीलता भी दिखाई है। समूह 'सी' और 'डी' के कर्मचारियों को इस कटौती से पूरी तरह बाहर रखा गया है, जिससे उनके जीवन पर कोई अतिरिक्त बोझ न पड़े। पेंशनभोगियों को भी पूरा लाभ मिलता रहेगा। यह फैसला जहां एक ओर वित्तीय अनुशासन का संदेश देता है, वहीं दूसरी ओर यह राजनीतिक जवाबदेही की नई मिसाल भी पेश करता है।

बजट भाषण के बीच पहली बार 'टी ब्रेक'

134 पन्नों के भाषण के बीच एक घंटे का विराम, विस अध्यक्ष बोले- थक गए होंगे सीएम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में उस समय एक अलग ही नजारा देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री सुक्खू के लंबे बजट भाषण के दौरान स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने बीच में ही 'टी ब्रेक' का ऐलान कर दिया। करीब 134 पन्नों के इस विस्तृत बजट भाषण को पढ़ते-पढ़ते मुख्यमंत्री के थकने का हवाला देते हुए स्पीकर ने पहले 15 मिनट के ब्रेक की बात कही, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर लगभग एक घंटे कर दिया गया और सदन की कार्यवाही ढाई बजे तक स्थगित कर दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री भी बार-बार पानी पीते नजर आए।

बजट सत्र की शुरुआत हालांकि थोड़े तनावपूर्ण माहौल में हुई, जब मुख्यमंत्री के एक शब्द को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया और स्पीकर को उस टिप्पणी को कार्यवाही से हटाना पड़ा। इसके बाद जैसे-जैसे समय बीतता गया, माहौल में हल्कापन आता गया और सदन में कई रोचक क्षण भी सामने आए। स्पीकर पठानिया ने बजट भाषण के दौरान नादौन और देहरा के बार-बार जिक्र पर चुटकी लेते हुए भटियात का नाम जोड़ने की बात कही, जिस पर मुख्यमंत्री ने भी मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

इस तरह तीखी शुरुआत के बावजूद सत्र का वातावरण धीरे-धीरे सहज और संवादपूर्ण बन गया, जबकि बीच का यह चाय ब्रेक पूरे घटनाक्रम का सबसे चर्चित पल बन गया।

आमदनी 40,361, खर्च 46,938 करोड़ रुपए रहने का अनुमान

शिमला। वर्ष 2026-27 में राजस्व प्राप्तियां 40,361 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि राजस्व व्यय 46,938 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। इस प्रकार 6,577 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा सामने आ रहा है, वहीं राजकोषीय घाटा 9,698 करोड़ रुपए आंका गया है। प्रति 100 रुपए के खर्च में से 27 रुपए वेतन, 21 रुपये पेंशन, 13 रुपए ब्याज अदायगी और 9 रुपए ऋण चुकाने में खर्च होंगे, जिससे साफ है कि सरकार की आमदनी का बड़ा हिस्सा पहले से तय देनदारियों में ही खर्च हो रहा है। ऐसे में विकास कार्यों और पूंजीगत निवेश के लिए मात्र करीब 20 रुपए ही बचते हैं, जो यह दर्शाता है कि प्रदेश की वित्तीय हालत अभी भी दबाव में है। सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए खर्चों में संयम, वेतन आस्थगन जैसे कदम और योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की रणनीति अपनाई है। साथ ही सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन पर भी ध्यान देने का प्रयास किया गया है, ताकि आर्थिक संतुलन के साथ जनहित भी बना रहे।

सीएम सुक्खू के बजट में संकट को अवसर में बदलने की कोशिश

त्वरित टिप्पणी

समरजीत
(स्थानीय संपादक, अनंत ज्ञान)

हिमाचल प्रदेश की वर्तमान आर्थिक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सीमित संसाधनों, बढ़ते कर्ज और घटते राजस्व के बीच राज्य सरकार के सामने विकास की गति को बनाए रखना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। ऐसे कठिन समय में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की ओर से पेश किया गया वर्ष 2026-27 का बजट न केवल आर्थिक प्रबंधन का दस्तावेज है, बल्कि यह उनके साहस, संवेदनशीलता और दूरदर्शी नेतृत्व का परिचायक भी है। यह बजट उस सोच को दर्शाता है, जिसमें संकट को अवसर में बदलने की कोशिश की गई है।

हिमाचल पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज होना और केंद्र सरकार की ओर से राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद करना राज्य की वित्तीय स्थिति को और अधिक जटिल बना चुका है। यह स्थिति वास्तव में 'कंगाली में आटा गीला' करने जैसी है। ऐसे में बजट का आकार 58,514 करोड़ रुपए से घटाकर 54,928 करोड़ रुपए करना सरकार की मजबूरी को दर्शाता है, न कि कमजोरी को।

यह कटौती एक तरह से वित्तीय अनुशासन की ओर बढ़ाया गया कदम है। जब संसाधन सीमित हों, तब प्राथमिकताओं को तय करना ही समझदारी होती है। सुक्खू सरकार ने कम संसाधनों में अधिक प्रभाव डालने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि आर्थिक संकट के बावजूद विकास की गति नहीं रुकेगी। 'ग्रीन हिमाचल' जैसी पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगा, बल्कि पर्यटन और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से आय के नए स्रोत भी तैयार करेगा। आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का संदेश भी इस बजट में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। राज्य को बाहरी सहायता पर निर्भर रहने के बजाय अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग करना होगा। यह सोच दीर्घकालिक रूप से हिमाचल को मजबूत बनाएगी। बजट की खासियत यह है कि मुख्यमंत्री ने अपने चुनावी वादों से पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि सभी गारंटियों और घोषणाओं को पूरा किया जाएगा।

ओपीएस जारी रखने का फैसला राहतभरा

पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को जारी रखने का फैसला कर्मचारियों के लिए राहतभरा है। यह कदम न केवल आर्थिक सुरक्षा देता है, बल्कि कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ाता है। इसी तरह, पक्की नौकरी की उम्मीदों को जीवित रखना भी सरकार की सकारात्मक सोच को दर्शाता है।

वेतन कटौती साहसिक, लेकिन संतुलित निर्णय

गंभीर आर्थिक स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ने वेतन कटौती का निर्णय लेकर एक साहसिक कदम उठाया है। इसकी शुरुआत उन्होंने स्वयं से की। अपना वेतन आधा करने की घोषणा कर उन्होंने एक मजबूत संदेश दिया कि त्याग की शुरुआत शीर्ष स्तर से होनी चाहिए। विभिन्न स्तरों पर वेतन कटौती और स्थगन का निर्णय लिया गया है, जिसमें उच्च अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को शामिल किया गया है, लेकिन अहम बात यह है कि तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को इससे पूरी तरह बाहर रखा गया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने उन लोगों को ही इस प्रक्रिया में शामिल किया, जिनकी आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत है, जबकि छोटे कर्मचारियों को पूरी तरह सुरक्षित रखा।

खर्चों पर नियंत्रण

सरकार ने फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का भी स्पष्ट संकेत दिया है। यह कदम आने वाले समय में सकारात्मक परिणाम दे सकता है। जब आय के स्रोत सीमित हों, तब खर्चों को नियंत्रित करना ही सबसे प्रभावी उपाय होता है। हिमाचल की लोन लिमिट में 5500 करोड़ की कमी और 14 हजार करोड़ रुपए का लोन व ब्याज चुकाने की जिम्मेदारी सरकार के सामने बड़ी चुनौती है।

विपक्ष को नहीं भाया बजट

हर बजट की तरह इस बजट को भी विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। विपक्ष का आरोप है कि सुक्खू सरकार का यह बजट किसानों और बेरोजगार युवाओं के लिए पर्याप्त नहीं है और चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहा है।

पर्यटन को नई उड़ान

एरोसिटी, हेलिपोर्ट और फ्लाइट्स का बड़ा प्लान

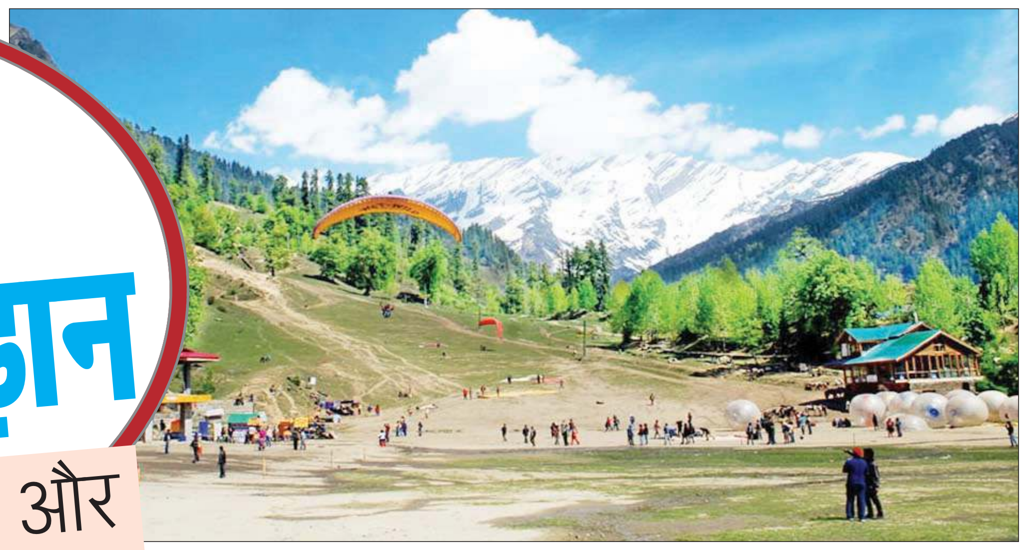

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश के बजट 2026 में पर्यटन क्षेत्र को नई रफ्तार देने के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। सरकार ने पीपीपी मॉडल पर पर्यटन पंजीकरण प्रणाली लागू करने और हिमाचल पर्यटन फंड बनाने का ऐलान किया है, जिससे इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की उम्मीद है।

पर्यटन को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने के लिए कांगड़ा एयरपोर्ट के पास एरोसिटी विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही दिल्ली–शिमला–धर्मशाला हवाई सेवा शुरू करने का ऐलान किया गया है, जिससे पर्यटकों की आवाजाही आसान होगी। सभी जिला मुख्यालयों को हेलिपोर्ट से जोड़ने की योजना भी पर्यटन को नई ऊंचाई देने की दिशा में अहम कदम है।

सरकार ने वीकेंड टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए मेले–उत्सव आयोजित करने और पर्यटन स्थलों पर रात तक गतिविधियां बढ़ाने का भी फैसला किया है। इसके अलावा माउंटेन बाइकिंग के लिए विशेष रूट तैयार किए जाएंगे, जो एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देंगे। वैसे, इन योजनाओं के साथ सरकार को बुनियादी ढांचे और सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देना होगा। पर्यटन के बढ़ने से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुल मिलाकर, यह बजट पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने की कोशिश करता नजर आता है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कई बड़े फैसले किए गए हैं। 40 गांवों को स्नो टूरिज्म स्पॉट के रूप में विकसित किया जाएगा, वहीं, होम स्टे मालिकों को पर्यावरण अनुकूल प्रमाण पत्र दिया जाएगा। वीकेंड टूरिज्म को बढ़ावा देने और नाइट पिकनिक जैसी नई अवधारणाएं शुरू करने की योजना भी सामने आई है। इसके अलावा कांगड़ा में एरोसिटी बसाने, दिल्ली–शिमला–धर्मशाला हवाई सेवाएं शुरू करने और सभी जिला मुख्यालयों को हेलीपोर्ट से जोड़ने की घोषणा पर्यटन ढांचे को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

पर्यटन क्षेत्र के लिए सीएम सुक्खू की घोषणाएं

- पीपीपी आधार पर पर्यटन पंजीकरण सिस्टम लागू होगा।
- कौशल प्रशिक्षण के लिए संस्थान बनेगा।
- 345 लाख से विकासात्मक कार्य होंगे।
- माउंटेन बाइकिंग रूट चयनित होंगे।
- कांगड़ा एयरपोर्ट के पास बसाई जाएगी एरोसिटी।
- अगले महीने से दिल्ली–शिमला–शिमला–धर्मशाला फ्लाइट शुरू होगी।
- सभी जिला मुख्यालय हेलीपोर्ट से जुड़ेंगे।

ई–टैक्सी खरीद पर 50% सब्सिडी देगी सरकार

बजट में मुख्यमंत्री सुक्खू ने युवाओं के रोजगार को गति देने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए ई–टैक्सी खरीद पर 50 प्रतिशत सब्सिडी देने की घोषणा की है। इस योजना के तहत प्रदेश के 500 युवाओं को आगामी वित्त वर्ष में लाभ दिया जाएगा, जिससे स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और हरित परिवहन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सरकार ने इस योजना के लिए 50 करोड़ रुपए का विशेष बजट प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बढ़ते प्रदूषण और पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना समय की मांग है। ई–टैक्सी योजना से युवाओं को स्थायी आय का साधन मिलेगा और पर्यटन क्षेत्र में भी आधुनिक परिवहन व्यवस्था विकसित होगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि योजना को पारदर्शी तरीके से लागू किया जाएगा और पात्र युवाओं का चयन निर्धारित मानकों के आधार पर किया जाएगा। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी।

◆ **500 युवाओं को मिलेगा लाभ**
50 करोड़ का बजट प्रावधान

सरकार का यह कदम एक ओर जहां पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर यह प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा प्रयास है। बजट में किए गए इस ऐलान को रोजगार और हरित विकास के संतुलन के रूप में देखा जा रहा है।

धार्मिक पर्यटन और वीकेंड टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

ज्वालाजी नयनादेवी का विकास 40 गांव बनेंगे ईको टूरिज्म स्पॉट

शिमला। प्रदेश सरकार ने बजट सत्र में पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री ने धार्मिक पर्यटन को सशक्त बनाने के साथ–साथ वीकेंड टूरिज्म को बढ़ावा देने का ऐलान किया। इसके तहत ज्वालाजी और नयना देवी जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों का व्यापक विकास किया जाएगा।

सरकार ने 40 गांवों को ईको टूरिज्म स्पॉट के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा होम–स्टे संचालकों को पर्यावरण अनुकूल प्रमाण पत्र देने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे प्रदेश में सतत पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रमुख पर्यटन स्थलों पर नाइट पिकनिक की सुविधा शुरू की जाएगी और फिल्म शूटिंग के लिए सरल नीति बनाई जाएगी। सोलन और मंडी में कारवां पार्क विकसित किए जाएंगे, जिससे पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। महिलाओं के लिए विशेष रूप से सी–ट्रैवल पोर्टल शुरू करने की भी घोषणा की गई है, जो पर्यटन क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने में सहायक होगा। इन योजनाओं से प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

सरकार का मानना है कि पर्यटन को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिल सकती है।

मछली पर रिकॉर्ड ₹100 प्रति किलो एमएसपी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल बजट 2026 में मुख्यमंत्री ने मत्स्य क्षेत्र को बड़ी राहत देते हुए जलाशयों में उत्पादित मछली के लिए रिकॉर्ड 100 रुपए प्रति किलो न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया है। इस अहम फैसले के साथ सरकार ने साफ संकेत दिया है कि अब मत्स्य पालकों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित किया जाएगा। अब तक बाजार में कीमतों के उतार–चढ़ाव के कारण मछली उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ता था, लेकिन इस घोषणा के बाद उन्हें आय की स्थिरता मिलने की उम्मीद जगी है।

◆ **जलाशयों की मछली के लिए पहली बार तय हुआ समर्थन मूल्य**

◆ **कम दाम पर बिक्री होने पर सीधे खाते में मिलेगा अनुदान**

सरकार ने इस योजना को और प्रभावी बनाते हुए यह भी प्रावधान किया है कि यदि मछली 100 रुपए प्रति किलो से कम दर पर बिकती है, तो उस स्थिति में अधिकतम 20 रुपए प्रति किलो तक का अंतर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के जरिए सीधे मत्स्य पालकों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। इस पारदर्शी व्यवस्था से बिचौलियों की भूमिका कम होगी और लाभ सीधे उत्पादकों तक पहुंचेगा। इससे छोटे और सीमांत मत्स्य पालकों को विशेष रूप से राहत मिलने की संभावना है। सरकार का मानना है कि इस फैसले से प्रदेश के जलाशयों में मत्स्य उत्पादन को नया प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही युवा वर्ग भी मत्स्य पालन की ओर आकर्षित होगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह कदम न केवल आय सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि प्रदेश में मत्स्य क्षेत्र को संगठित और सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस पहल के रूप में देखा जा रहा है।

हिमाचल में खरीदी जाएंगी 1,000 टाइप–2 इलेक्ट्रिक बसें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में सरकार ने एक महत्वाकांक्षी कदम उठाते हुए 1,000 टाइप–2 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अपने बजट भाषण में स्पष्ट किया कि हिमाचल जैसे संवेदनशील पर्वतीय प्रदेश में प्रदूषण को नियंत्रित करना समय की मांग है और इसके लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना अनिवार्य हो गया है। इसी उद्देश्य से न केवल सरकारी स्तर पर बसों की खरीद की जाएगी, बल्कि निजी क्षेत्र को भी इस मुहिम में भागीदार बनाया जाएगा।

◆ **हरित परिवहन को बढ़ावा, निजी क्षेत्र को 40 प्रतिशत अनुदान**

सरकार ने निजी ऑपरेटरों को बस खरीद पर 40 प्रतिशत तक अनुदान देने का प्रावधान रखा है, जिससे अधिक से अधिक लोग इस योजना से जुड़ सकें। साथ ही प्रदेश भर में चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाने की योजना भी बनाई गई है, ताकि इन बसों का संचालन सुचारु रूप से हो सके। यह पहल केवल परिवहन सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पर्यावरण संरक्षण, ईंधन पर निर्भरता में कमी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

दूरदराज के क्षेत्रों तक बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के साथ यह योजना प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी गति देगी और हिमाचल को हरित परिवहन की दिशा में अग्रणी राज्य बनाने में सहायक साबित हो सकती है।

प्रदेश में तीन बड़े रोपवे प्रोजेक्ट की घोषणा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के बजट में पर्यटन को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने तीन महत्वपूर्ण रोपवे परियोजनाओं की घोषणा की है। इन परियोजनाओं का निर्माण कार्य वित्त वर्ष 2026–27 में शुरू होगा और वर्ष 2028 तक इन्हें पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे न केवल पर्यटकों को सुविधाजनक आवागमन मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

पहली परियोजना बाबा बालकनाथ रोपवे की है, जो लगभग एक किलोमीटर लंबी होगी और 65 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की जाएगी। दूसरी परियोजना माता चिंतपूर्णी रोपवे की है, जिसकी लंबाई करीब 1.1 किलोमीटर होगी और इस पर 76 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। तीसरी परियोजना कुल्लू के ढालपुर से पीज तक रोपवे निर्माण की है, जिसकी लागत 80 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है।

◆ **पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा**

इन रोपवे परियोजनाओं से धार्मिक पर्यटन को विशेष बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, क्योंकि श्रद्धालुओं को दुर्गम मार्गों से गुजरने की कठिनाई से राहत मिलेगी। साथ ही, स्थानीय व्यापार और पर्यटन उद्योग को भी नई गति मिलेगी। सरकार का यह कदम प्रदेश को आधुनिक परिवहन सुविधाओं से जोड़ने और पर्यटन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

बद्दी, सिरमौर और कांगड़ा में बसेंगी तीन नई टाउनशिप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में शहरी विकास को नई दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री ने तीन आधुनिक टाउनशिप बसाने की घोषणा की है, जो हिमाचल के विकास के नक्शे को बदलने वाली साबित हो सकती हैं। बद्दी में 'हिम चंडीगढ़', सिरमौर में 'हिम पंचकूला' और कांगड़ा में 'वैली टाउनशिप' विकसित करने की योजना बनाई गई है। इन परियोजनाओं को केवल आवासीय विस्तार तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इन्हें आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने का खाका तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन टाउनशिप में हजारों करोड़ रुपये का निवेश संभावित है, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही इन क्षेत्रों में पर्यटन को भी विशेष रूप से बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इन योजनाओं के माध्यम से सरकार का उद्देश्य अनियोजित शहरीकरण को नियंत्रित करना और सुव्यवस्थित, आधुनिक तथा सुविधायुक्त शहरों का निर्माण करना है। यह पहल हिमाचल को एक संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की ओर ले जाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

बजट पर प्रतिक्रियाएं

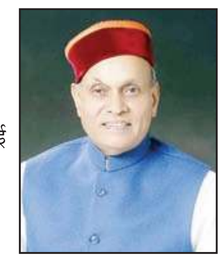

हिमाचल का बजट दूरदृष्टि विहीन बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बजट में 3,586 करोड़ रुपए की कमी से सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास पर असर पड़ेगा। कृषि, बागवानी और पशुपालन में नई पहल का अभाव है, जबकि रोजगार और महिला सहायता जैसी घोषणाएं अधूरी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं और संस्थानों को लेकर ठोस प्रावधान नहीं हैं, जिससे यह केवल आंकड़ों का संतुलन भर नजर आता है।

–प्रो. प्रेम कुमार धूमल, पूर्व मुख्यमंत्री

विधानसभा में प्रस्तुत बजट को नई राह और मील का पत्थर बताते हुए इसकी सराहना की। वित्तीय संकट के बावजूद मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया है। बजट ग्रामीण विकास, कृषि, बागवानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन पर ध्यान देता है। नई योजनाओं की शुरुआत ऐतिहासिक है और केंद्र की बेरुखी के बावजूद प्रदेश को आत्मनिर्भर और सुदृढ़ बनाने में यह बजट अहम साबित होगा।

–विनय कुमार, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य को कर्ज के दलदल में धकेल दिया है, जिसके कारण अब वेतन स्थगन जैसे कठोर कदम उठाने पड़ रहे हैं। उन्होंने बजट को बिना किसी ठोस आर्थिक रोडमैप का दस्तावेज बताते हुए कहा कि इसमें केवल घोषणाओं का सहारा लिया गया है। उनका कहना था कि सरकार जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है, जबकि वास्तविक विकास और आर्थिक स्थिरता के लिए स्पष्ट रणनीति का अभाव है। उन्होंने चेतावनी दी कि इसी तरह के कदम राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए जोखिमपूर्ण साबित हो सकते हैं।

–अनुराग ठाकुर, भाजपा सांसद

सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत बजट की सराहना करते हुए इसे संतुलित और समावेशी बताया। यह बजट में शिक्षा क्षेत्र को मजबूती देने के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के कल्याण पर विशेष ध्यान रखा गया है। रोहित ठाकुर ने यह भी कहा कि यह बजट केवल शैक्षणिक ढांचे को सुदृढ़ नहीं करेगा, बल्कि युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसे प्रदेश के समग्र विकास और मानव संसाधन सृजन की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

–रोहित ठाकुर, शिक्षा मंत्री

सुक्खू सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट दूरदर्शी, जनोन्मुखी और संतुलित है। यह केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रदेश के भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा है, जिसमें हर वर्ग के हितों का समुचित ध्यान रखा गया है। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल प्रबंधन और रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी है। जल शोधन संयंत्रों, सौर ऊर्जा परियोजनाओं और चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार जैसे कदम इसे ऐतिहासिक बनाते हैं और आधारभूत संरचना को मजबूत करेंगे।

–नरेश चौहान, मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार

हिमाचल प्रदेश का 2026-27 बजट निराशाजनक, जनविरोधी और दिशाहीन है। उन्होंने कहा कि विधायक निधि में कटौती और बढ़ता कर्ज सरकार की विफलता को दर्शाता है। बेरोजगारी 8-9% होने के बावजूद रोजगार का ठोस रोडमैप नहीं है। किसानों, पर्यटन, कर्मचारियों और पेंशनरों को राहत नहीं मिली। 2022 की गारंटियां, जैसे 1 लाख नौकरियां और महिलाओं को 1500 रुपए सहायता, अब तक अधूरी हैं। उन्होंने बजट को खोखले आंकड़ों का पुलिंदा बताया।

रणधीर शर्मा, विधायक, श्री नयना देवी

हिमाचल प्रदेश के 54,928 करोड़ रुपए के बजट को जनहित, विकास और सामाजिक सुरक्षा पर केंद्रित बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि बजट में गरीबों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और महिलाओं को 1500 रुपए मासिक सहायता जैसे फैसले बड़ी राहत देंगे। कृषि क्षेत्र के लिए समर्थन मूल्य, अनुदान और सिंचाई योजनाएं किसानों की आय बढ़ाएंगी। सीमित संसाधनों के बावजूद सरकार ने संतुलित और दूरदर्शी बजट पेश कर विकास को नई दिशा दी है।

–अनुराग शर्मा, राज्यसभा सांसद

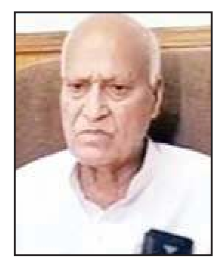

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत बजट की सराहना करते हुए इसे किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला दूरदर्शी बजट बताया। इस बजट में वित्तीय चुनौतियों के बावजूद कृषि, बागवानी और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रदेश की समृद्धि किसानों के सशक्तिकरण के बिना संभव नहीं। बजट में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, प्राकृतिक खेती, आधुनिक तकनीकों और किसानों की आय बढ़ाने के ठोस प्रावधान किए गए हैं, जो समावेशी और संतुलित विकास का रोडमैप पेश करते हैं।

–चौधरी प्रोफेसर चंद्र कुमार, कृषि मंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत बजट सराहनीय, संतुलित और समावेशी है। यह बजट न केवल वर्तमान आर्थिक चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं को भी गंभीरता से संबोधित करता है। सीमित संसाधनों के बावजूद सरकार ने विकास और जनकल्याण के बीच संतुलन स्थापित किया है। सरकार को पूरा विश्वास है कि यह बजट प्रदेश में सुधार और विकास की नई गति लाएगा।

– राजेश धर्माणी, तकनीकी शिक्षा मंत्री

हिमाचल बजट ऐतिहासिक है और संतुलित है। ऐसा बजट पेश करके मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने एक मिसाल पेश की है। किसानों बागबानों के अलावा आम लोगों के हित को ध्यान में रखा गया है। साबित किया है कि यह सरकार आम जनता से सरोकार रखती है। बेहतरीन बजट से विपक्ष भी पूरी तरह से बौखला गया है। हर वर्ग को इस बजट में राहत प्रदान की गई है और कृषि क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए विशेष प्रबंध किया गया है।

–विवेक शर्मा, विधायक, कुटलैहड़ (ऊना)

हिमाचल में सेमेस्टर सिस्टम से चलेंगे सभी यूजी कोर्स

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने बड़ा बदलाव करते हुए स्नातक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा छोटे कॉलेजों के छात्रों को जिला मुख्यालय में पढ़ाई के लिए हर महीने 5000 रुपए की सहायता देने की योजना बनाई गई है।

वैसे, इन सभी घोषणाओं के बीच यह सवाल भी उठता है कि सीमित संसाधनों के बीच इतनी बड़ी राशि जुटाना सरकार के लिए कितनी व्यावहारिक होंगी। राज्य पर बढ़ते कर्ज और कम आय के बीच इन योजनाओं को लागू करना आसान नहीं होगा। इसके बावजूद, यह बजट युवाओं को रोजगार देने और शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की दिशा में एक ठोस कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो आने वाले समय में प्रदेश के विकास की दिशा तय कर सकता है।

शिक्षा क्षेत्र के लिए 9,660 करोड़ रुपए का प्रावधान कर सरकार ने साफ कर दिया कि मानव संसाधन विकास उसकी प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। सभी स्नातक पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर प्रणाली से संचालित करने का निर्णय शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है।

इसके अलावा जिन कॉलेजों में छात्र संख्या 75 से कम है, वहां के छात्रों को जिला मुख्यालय के कॉलेजों में दाखिला लेने पर हर महीने 5000 रुपए की सहायता दी जाएगी। यह कदम दूरदराज के छात्रों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकता है। प्रदेश के विकास में आधारभूत ढांचे की अहमियत को समझते हुए सरकार ने सड़कों, पुलों और पुनर्निर्माण के लिए 1000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। यह निवेश खासकर आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत और पुनर्निर्माण के लिए अहम होगा। इसके साथ ही राजस्व रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की घोषणा प्रशासनिक सुधारों की दिशा में बड़ा कदम है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों बढ़ेंगी।

389 असिस्टेंट प्रोफेसर, 169 जेई और 645 पटवारी भर्ती का ऐलान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के बजट 2026 में रोजगार और प्रशासनिक ढांचे को मजबूती देने के लिए सरकार ने कई अहम भर्तियों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने बताया कि प्रदेश के कॉलेजों में 389 असिस्टेंट प्रोफेसरों के पद भरे जाएंगे, जिससे उच्च शिक्षा व्यवस्था को नई ताकत मिलेगी। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग में 169 जूनियर इंजीनियरों की भर्ती की जाएगी, जो विकास कार्यों को गति देने में मददगार साबित होगी।

राजस्व विभाग में645 पटवारियों के पद भरने का भी ऐलान किया गया है, जिससे जमीन से जुड़े कामों में तेजी आने की उम्मीद है। वहीं, पंचायत स्तर पर प्रशासन को मजबूत करने के लिए 150 पंचायत सचिवों की भर्ती भी की जाएगी। यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों में शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

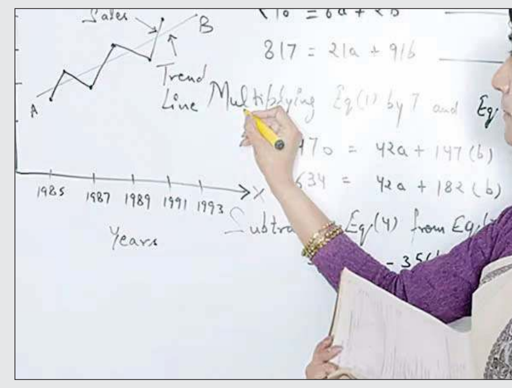

बजट में सरकारी नौकरियों को लेकर भी बड़ा संकेत दिया गया है। पटवारियों के 645 पद चरणबद्ध तरीके से भरे जाएंगे, जिससे राजस्व व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके अलावा पंचायत सचिवों के 150 पद और चौकीदारों की भर्ती की भी घोषणा की गई है। यह कदम लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरने और प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। राज्य चयन आयोग के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पारदर्शिता और गति दोनों की उम्मीद है।

सड़कों और पुलों के लिए 1,000 करोड़ का प्रावधान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार ने सड़कों, पुलों और पुनर्निर्माण कार्यों पर 1,000 करोड़

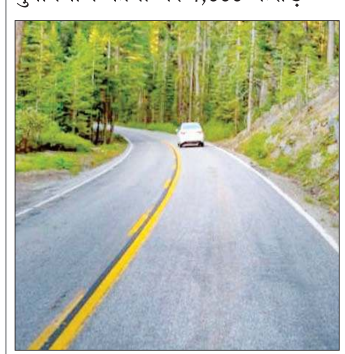

रुपए खर्च करने का प्रावधान किया है। यह निवेश न केवल यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाएगा बल्कि दूरदराज के क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में भी अहम भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 645 पटवारी पदों को चरणबद्ध तरीके से भरने की घोषणा की गई है। राजस्व रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण का निर्णय पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देगा, जिससे आम जनता को सरकारी सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

डॉक्टरों, नर्सों व आशा वर्कर्स की बल्ले-बल्ले, बढ़ी सैलरी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के बजट में इस बार स्वास्थ्य क्षेत्र को दो हजार अड़सठ करोड़ रुपए का बड़ा प्रावधान देकर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि आम लोगों की सेहत उसकी प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं, जिनका असर सीधे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में देखने को मिलेगा।

चमियाना स्थित एम्स में कैथ लैब की स्थापना का ऐलान किया गया है, जिससे हृदय रोगियों को अब राज्य के भीतर ही उन्नत उपचार मिल सकेगा।

सरकार ने स्वास्थ्य कर्मियों के वेतन और मानदेय में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। चिकित्सा अधिकारियों को अब चालीस हजार रुपए वेतन मिलेगा, जिसमें एकमुश्त लगभग सात हजार रुपए की बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के 823 कर्मचारियों के वेतन में 14 हजार रुपए की वृद्धि एक अप्रैल 2026 से लागू होगी। स्टाफ नर्सों का वेतन 13,925 रुपए से बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दिया गया है, जो इस वर्ग के लिए बड़ी राहत साबित होगा। जमीनी स्तर पर काम करने वाले कर्मियों को भी नजरअंदाज नहीं किया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाकर 11,500 रुपए, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का 8,300 रुपए और सहायकों का 6,800 रुपए कर दिया गया है। आशा वर्करों को भी 6,800 रुपए मानदेय मिलेगा। वहीं जल रक्षकों का मानदेय 6,100 रुपए, पंचायत चौकीदारों का 9,000 रुपए और राजस्व चौकीदारों का 5,000 रुपए कर दिया गया है। इन घोषणाओं से यह साफ झलकता है कि सरकार केवल ढांचागत विकास तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हर स्तर के कर्मचारी को मजबूत कर एक सशक्त व्यवस्था खड़ी करना चाहती है।

'मुख्यमंत्री खेती बाड़बंदी' योजना को 10 करोड़

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के बजट में इस बार कृषि क्षेत्र को मजबूती देने की दिशा में मुख्यमंत्री ने कई अहम फैसले लेते हुए किसानों के हित में बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ किसान हैं और उनकी मेहनत को सुरक्षित तथा लाभकारी बनाना सरकार की प्राथमिकता है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री खेती बाड़बंदी योजना के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिससे किसानों की फसलों को जंगली जानवरों और अन्य नुकसानों से बचाया जा सकेगा। यह योजना खास तौर पर उन क्षेत्रों के लिए राहत लेकर आएगी, जहां फसलें बार-बार नुकसान का सामना करती रही हैं।

सरकार ने किसानों की दीर्घकालिक उन्नति को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में किसानी-बागवानी आयोग के गठन की भी घोषणा की है। यह आयोग कृषि और बागवानी से जुड़ी नीतियों को मजबूत आधार देगा और किसानों को आधुनिक तकनीक, बाजार और उत्पादन से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 435 क्लस्टरों में 21,750 हेक्टेयर भूमि को शामिल करने का लक्ष्य तय किया है, जिससे खेती की लागत घटेगी और उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार आएगा। बजट में बागवानी क्षेत्र को भी नई ऊर्जा देने के संकेत दिए गए हैं। बेहतर गुणवत्ता के पौधों के उत्पादन के लिए 5000 पौधे तैयार किए जाएंगे और शिवा परियोजना के तहत 325 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कुल-मिलाकर यह बजट किसानों के लिए सुरक्षा, स्थिरता और तरक्की का संदेश लेकर आया है, जिससे प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिलने की उम्मीद है।

प्रदेश में बनेगा अर्द्धसैनिक कल्याण बोर्ड

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। राज्य के मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में पूर्व सैनिकों और अर्द्धसैनिक बलों से जुड़े कर्मियों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए अर्द्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन की बात कही है। इस बोर्ड के माध्यम से सेवानिवृत्त केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के पुनर्वास और सहायता के लिए योजनाएं तैयार की जाएंगी।

साथ ही, प्रदेश में 412 पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को इस वर्ष रोजगार प्रदान किया गया है और आगामी वर्ष में भी आरक्षित पदों को प्राथमिकता से भरने का आश्वासन दिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि परमवीर चक्र विजेता मानद कप्तान संजय कुमार को युवाओं को सेना में भर्ती के लिए प्रेरित करने की जिम्मेदारी दी जाएगी और उन्हें इसके लिए मासिक मानदेय भी प्रदान किया जाएगा। वे बिलासपुर सैनिक कल्याण कार्यालय से अपनी सेवाएं देंगे। इसके अलावा जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा और संस्कृति के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

जयराम बोले-हिमाचल में राजस्व घाटा बढ़ा, पूंजीगत निवेश घटा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने बजट अनुमान 2026-27 को प्रदेश के इतिहास का सबसे निराशाजनक और दिशाहीन बजट बताया। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार राजस्व घाटा बढ़ा रही है और पूंजीगत निवेश घटा रही है, जिससे विकास कार्य ठप पड़ गए हैं।

जयराम ने आंकड़ों के हवाले से कहा कि पिछले वर्षों में जहां घाटा बढ़कर हजारों करोड़ तक पहुंच गया है, वहीं पूंजीगत खर्च लगातार गिरा है। उन्होंने बजट आकार में कमी को भी चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 6 प्रतिशत कम है, जो प्रदेश को आगे बढ़ाने के बजाय पीछे ले जाने वाला कदम है।

उन्होंने सरकार के वित्तीय प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि घोषणाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं और जमीनी स्तर पर उनका असर नहीं दिखता। जयराम ठाकुर ने विभिन्न योजनाओं में कम खर्च का उदाहरण देते हुए कहा कि कई योजनाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाईं और लाभार्थियों तक पूरा लाभ नहीं पहुंच सका। उन्होंने कहा कि सरकार विज्ञापनों और दावों तक सीमित है, जबकि वास्तविकता में प्रदेश की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है।

6 महीने में लेंगे कड़े फैसले, हिमाचल को बनाएंगे आत्मनिर्भर : सीएम सुक्खू

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य सरकार अगले छह महीने के दौरान कई कड़े फैसले लेगी ताकि हिमाचल प्रदेश को फिर से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि ये फैसले राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था, खासकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से लिए जा रहे हैं। विधानसभा में वर्ष 2026-27 का बजट पेश करने के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वर्तमान आर्थिक चुनौतियों का सामना 'युद्ध स्तर' पर कर रही है और आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

उन्होंने कहा कि वेतन का कुछ हिस्सा छह महीने के लिए स्थगित करने जैसे फैसले भी प्रदेश हित में लिए गए अस्थायी कदम हैं और आर्थिक स्थिति सुधरने पर इन्हें वापस किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र से मिलने वाली राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद होने से हिमाचल प्रदेश को हर साल करीब 10 हजार करोड़ रुपए का नुकसान होगा। उन्होंने बताया कि इस अनुदान को बहाल कराने के लिए राज्य सरकार ने लगातार प्रयास किए और इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी से भी सहयोग मांगा, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी पर प्रदेश के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आपदा के समय भी विपक्ष प्रदेश के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा नहीं हुआ और आरडीजी के मुद्दे पर भी सरकार का साथ नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि इस कारण राज्य को आर्थिक रूप से अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि पहली बार प्रदेश के इतिहास में सरकार ने आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन का हिस्सा अस्थायी रूप से स्थगित करने जैसा कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह निर्णय इसलिए लिया, ताकि जरूरी विकास कार्य और आम लोगों को मिलने वाली सेवाएं प्रभावित न हों। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक निर्माण और जल शक्ति जैसे महत्वपूर्ण विभागों के बजट में कोई कटौती नहीं की गई है। सरकार का फोकस इन क्षेत्रों को मजबूत करने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है और अगले एक साल में प्रदेश की आर्थिक स्थिति में और सुधार देखने को मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस चुनौतीपूर्ण समय में सभी जनप्रतिनिधि, कर्मचारी और समाज के अन्य वर्ग प्रदेशहित में सहयोग करेंगे।

दैनिक वेतनभोगियों को राहत, दिहाड़ी में 25 रुपए की बढ़ोतरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। सुक्खू सरकार ने बजट में श्रमिक वर्ग को राहत देते हुए दैनिक वेतनभोगियों की दिहाड़ी में 25 रुपए की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब महंगाई का दबाव लगातार बढ़ रहा है और निम्न आय वर्ग को अपने दैनिक खर्चों को संतुलित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार का मानना है कि इस बढ़ोतरी से हजारों श्रमिक परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति को कुछ हद तक मजबूती मिलेगी।

सरकार का मानना है कि दैनिक वेतनभोगी राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो निर्माण कार्यों से लेकर विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तक अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनकी आय में यह वृद्धि उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है। सरकार ने संकेत दिया है कि भविष्य में भी श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि आर्थिक संतुलन के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

प्रतिक्रिया: बजट में छोटे स्टार्टअप को मिला बढ़ावा, बड़े औद्योगिक मुद्दों की हुई अनदेखी

बजट से उद्योगों को बड़ी उम्मीदें, पूरी न होने पर औद्योगिक संघ निराश

अनंत ज्ञान

राजेश शर्मा, ऊना। सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत हिमाचल प्रदेश के बजट से प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों को कई महत्वपूर्ण उम्मीदें थीं, लेकिन बजट में इन मांगों के अनुरूप ठोस प्रावधान न होने से उद्योग जगत में निराशा का माहौल बन गया है।

औद्योगिक प्रतिनिधियों का मानना है कि उद्योगों के विकास और संचालन से जुड़े कई अहम मुद्दों को बजट में पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दी गई। उद्योग जगत को उम्मीद थी कि औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए आवश्यक फंड जारी किया जाएगा, लेकिन इस दिशा में कोई स्पष्ट घोषणा नहीं हुई।

संघों के अनुसार, प्रदेश के कई औद्योगिक क्षेत्रों में फंड की कमी के कारण विकास कार्य लंबे समय से ठप पड़े हैं। ऐसे में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए विशेष बजट प्रावधान की आवश्यकता थी।

इसके अलावा मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना को पुनः शुरू करने की मांग भी प्रमुख रही। उद्योगपतियों का तर्क है कि यह योजना युवाओं और नए उद्यमियों के लिए काफी लाभकारी साबित हुई थी और इसे दोबारा लागू कर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा सकता था।

हालांकि, बजट में 25 लाख रुपए तक के छोटे स्टार्टअप के लिए कुछ राहत देने की घोषणा की गई है, लेकिन उद्योग जगत का मानना है कि हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर ऐसे स्टार्टअप कम हैं, जिससे इसका व्यापक लाभ सीमित रहेगा। फिर भी विशेषज्ञों का कहना है कि इससे युवाओं का झुकाव छोटे स्टार्टअप की ओर बढ़ सकता है। सूबे के उद्योगों ने बिजली दरों में कटौती की भी अपेक्षा की थी। औद्योगिक इकाइयों ने कम से कम 1 रुपए प्रति यूनिट की कमी की मांग रखी थी, ताकि पावर इंसेंटिव के तहत राहत मिल सके और उत्पादन लागत कम हो, लेकिन बजट में इस संबंध में कोई घोषणा नहीं की गई।

एमएसएमई इकाइयों के लिए श्रम नियमों में छूट की मांग भी अधूरी रह गई। औद्योगिक संघों ने सुझाव दिया था कि 15 तक कर्मचारियों वाली इकाइयों को लेबर विभाग में पंजीकरण से छूट दी जाए। साथ ही मजदूरी में वृद्धि प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय करने की मांग की गई थी, न कि सरकार द्वारा मनमाने तरीके से, लेकिन इस विषय पर भी बजट मौन रहा।

औद्योगिक क्षेत्रों को शहरी दायरे से बाहर रखने की मांग भी लंबे समय से उठती रही है। उद्योगपतियों का कहना है कि सरकार द्वारा घोषित औद्योगिक क्षेत्रों का रखरखाव इंडस्ट्री विभाग के माध्यम से ही किया जाना चाहिए, जैसा कि पिछले 35 वर्षों से आईएडीए द्वारा किया जा रहा है, जिससे सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ भी नहीं पड़ता। इस दिशा में भी कोई राहत नहीं मिली।

उद्यमियों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा बजट

उद्यमियों ने शहरी क्षेत्रों में उद्योगों के लिए भूमि प्रावधान की मांग की थी, जिसमें 500 वर्ग मीटर तक भूमि को रिहायशी या गेस्ट हाउस के लिए बिना धारा 118 की अनुमति उपलब्ध कराने की सुविधा शामिल थी, लेकिन बजट में इस पर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं किया गया। औद्योगिक संघों ने उम्मीद जताई कि सरकार इस मामले पर पुनर्विचार करेगी और भविष्य में उद्योगों को राहत देने के ठोस कदम उठाएगी। चमन सिंह कपूर ने कहा कि बजट ने उद्यमियों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा।

'मुख्यमंत्री शुभ विवाह' योजना का ऐलान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के बजट में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सामाजिक सरोकारों को केंद्र में रखते हुए महिलाओं और जरूरतमंद वर्ग के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री ने शुभ विवाह योजना की शुरुआत का ऐलान करते हुए संकेत दिया कि सरकार अब बेटियों के सम्मान और उनके सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। इस योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जिससे बेटियों के विवाह से जुड़ी चिंताओं को कम किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी की भी घोषणा की, जिससे बुजुर्गों, विधवाओं और अन्य जरूरतमंद वर्ग को अतिरिक्त सहारा मिलेगा। इसके साथ ही प्रदेश में एक लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाली महिलाओं को महिला विकास निगम के माध्यम से तीन लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिस पर चार प्रतिशत ब्याज का वहन राज्य सरकार करेगी। इस पहल से महिलाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

- सामाजिक सुरक्षा पेंशन में होगी बढ़ोतरी
- इंदिरा गांधी सुख आश्रय योजना का विस्तार

सरकार ने इंदिरा गांधी सुख आश्रय योजना का भी विस्तार करने का निर्णय लिया है, जिससे अनाथ और जरूरतमंद बच्चों को बेहतर संरक्षण मिल सके। वहीं, प्रदेश से बाहर आईआईएम और आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम, मेस और हॉस्टल का पूरा खर्च सरकार उठाएगी। महिला एवं बाल विकास कल्याण विभाग के लिए 1544 करोड़ रुपए का प्रावधान कर सरकार ने साफ कर दिया है कि सामाजिक न्याय और समावेशी विकास उसकी प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। यह बजट समाज के कमजोर वर्गों को संबल देने और उन्हें मुख्यधारा में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

खस्ताहाल शाहपुर–लपियाना मार्ग को लेकर ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

सिद्धपुर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज को सौंपा समस्याओं का पुलिंदा

अनंत ज्ञान

सांसद को समस्याओं को लेकर पत्र सौंपा। अनंत ज्ञान

कोहली, शाहपुर। विधानसभा क्षेत्र शाहपुर के अंतर्गत शाहपुर–हरनेरा–लपियाना मार्ग की बदहाली को लेकर अब स्थानीय जनता का सब्र जवाब देने लगा है। करीब 20 किलोमीटर लंबे इस मुख्य मार्ग की हालत पिछले कई वर्षों से अत्यंत दयनीय बनी हुई है, लेकिन प्रशासन और विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सड़क की इसी दुर्दशा को लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल शाहपुर के सिद्धपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कांगड़ा–चंबा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज से मिला और उन्हें अपनी समस्याओं का पुलिंदा सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को अवगत कराया कि शाहपुर से लपियाना तक की यह सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है और पिछले चार सालों से इस पर टारिंग का एक पैच तक नहीं लगाया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हरनेरा गांव के पास तो स्थिति इतनी भयावह है कि यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क। जगह–जगह गहरे गड्ढे होने के कारण दोपहिया वाहन चालक आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं, वहीं बड़ी गाड़ियों के कलपुर्जे भी इस मार्ग पर दम तोड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि चुनाव के समय बड़े–बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। बारिश के दिनों में इन गड्ढों में पानी भर जाने से पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। स्थानीय लोगों ने सांसद से दोटूक शब्दों में कहा कि यदि इस मार्ग की टारिंग का काम जल्द शुरू नहीं किया गया, तो क्षेत्र की जनता उग्र आंदोलन के लिए विवश होगी। ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने उन्हें आश्वस्त किया कि यह मामला उनके संज्ञान में आ गया है और वे जल्द ही लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारियों से इस बारे में बात करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़क की टारिंग के लिए बजट और अन्य तकनीकी औपचारिकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाया जाएगा, ताकि जनता को निजात मिल सके।

शाहपुर के रेहलू रोड पर अंडर पास बनाने को लेकर सांसद से मिले ग्रामीण

अनंत ज्ञान

सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज से मिलते लोग। अनंत ज्ञान

शाहपुर। शाहपुर के ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे पर गाड़ियों की बढ़ती आवागमन से राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को हो रही समस्याओं को लेकर सांसद राजीव भारद्वाज से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता संजय शर्मा ने की।

ग्रामीणों ने सांसद को रेहलू रोड पर अंडरपास न होने की वजह से स्कूली बच्चों, दुकानदारों और धारकंडी–भनाला, रेहलू की ओर आने–जाने वाले अन्य लोगों को हो रही कठिनाइयों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अंडरपास का निर्माण स्थानीय लोगों की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए अत्यंत आवश्यक है। सांसद राजीव भारद्वाज ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वह शीघ्र ही एनएचएआई अधिकारियों से इस मसले पर चर्चा करेंगे और अंडरपास के निर्माण के लिए आवश्यक निर्देश देंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोपरि है और उनके द्वारा उठाई गई समस्या का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। मुलाकात के दौरान शाहपुर भाजपा मंडलाध्यक्ष रविदत्त शर्मा, अशोक वशिष्ठ, योगराज चड्ढा, कमल शर्मा, मंजीत कुमार और राकेश चौहान भी उपस्थित रहे। उन्होंने सांसद से आग्रह किया कि अंडरपास का निर्माण जल्द से जल्द किया जाए ताकि राहगीरों और स्थानीय लोगों को नेशनल हाईवे पार करते समय किसी भी प्रकार की दुर्घटना या असुविधा का सामना न करना पड़े।

प्रतिनिधिमंडल और सांसद के बीच हुई चर्चा में यह तय हुआ कि जल्द ही एनएचएआई के माध्यम से अंडरपास निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ होगी, जिससे शाहपुर और आसपास के क्षेत्र में आने–जाने वाले लोगों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित हो सकेगी।

एसपी नूरपुर ने पुलिस थाना रैहन के लिए भूमि का किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान, जवाली। नूरपुर पुलिस जिला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने पुलिस थाना रैहन प्रस्तावित भवन के लिए चयनित भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर भूमि का जायजा लिया और आधुनिक पुलिस ढांचे के अनुरूप इसकी संभावनाओं का मूल्यांकन किया।

निरीक्षण के दौरान यह भी सुनिश्चित किया गया कि प्रस्तावित स्थान आम जनता के लिए सुगम और सुलभ हो, ताकि क्षेत्र के लोगों को पुलिस सेवाओं का बेहतर लाभ मिल सके। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल रैहन क्षेत्र में एक स्थायी और आधुनिक सुविधाओं से युक्त पुलिस स्टेशन के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस विभाग क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को मजबूत करने और जनसुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए वे पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

इतिहास को रखें याद और भविष्य की करें बात

भारत में खोये हिस्सों पर आयोजित संगोष्ठी पर बोले आशुतोष भटनागर

केंद्रीय विश्वविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। भारत का मूल स्वभाव संघर्ष का नहीं है, लेकिन जब आवश्यक हो तो उसे करना पड़ता है। यह विचार जम्मू–कश्मीर अध्ययन केंद्र के निदेशक आशुतोष भटनागर ने केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश में आयोजित संगोष्ठी में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि भारत विभाजन के कारण छिने हुए जम्मू–कश्मीर के हिस्सों को वापस पाने के लिए भूगोल और वहां के लोगों से संबंध को समझना अनिवार्य है। भटनागर ने स्पष्ट किया कि हिंदुकुश और शिवालिक पर्वतों से हमारा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध है, और कब्जे वाले क्षेत्रों के लोग भी हमारे राष्ट्र से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत विभाजन नहीं हुआ होता तो ये क्षेत्र स्वाभाविक रूप से भारत के साथ होते। इसी कारण अखंड भारत की अवधारणा केवल भूभाग पर आधारित नहीं, बल्कि वहां के लोगों के साथ जुड़ाव पर भी आधारित है। भटनागर ने कहा कि भारत केवल पाकिस्तान और बांग्लादेश तक ही सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सांस्कृतिक क्षेत्र का हिस्सा है। समाज और संस्कृति हर क्षेत्र में समान नहीं है, खासकर कश्मीर में। इसलिए, क्षेत्रीय विविधता को समझकर ही जम्मू–कश्मीर के मुद्दों की सही समझ विकसित की जा सकती है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि इतिहास को समझना महत्वपूर्ण है, लेकिन इसमें जीकर नहीं, बल्कि उससे सीख लेकर भविष्य की दिशा तय करनी चाहिए। इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने उन क्षेत्रों की जटिलताओं पर प्रकाश डाला, जो अब पाकिस्तान या चीन के नियंत्रण में हैं। उन्होंने कहा कि यदि हम गिलगित–बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद या अन्य क्षेत्रों को वापस पाना चाहते हैं, तो वहां के निवासियों की स्थिति और उनकी भावनाओं को समझना जरूरी है। दिल्ली स्थित जम्मू–कश्मीर अध्ययन केंद्र के सचिव रंजन चौहान ने कहा कि भारत के पास सैन्य शक्ति के साथ–साथ सॉफ्ट पावर भी है, जो इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभा सकती है। भटनागर और अन्य वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि भूगोल, संस्कृति और लोगों के संबंध को समझे बिना किसी भी क्षेत्र को वापस पाना संभव नहीं है।

रफी ने जग्गा को हराकर जीती निक्कू बाबा दंगल की बड़ी माली

अनंत ज्ञान

जवाली। उपमंडल फतेहपुर के अंतर्गत बनाल में निक्कू बाबा की जयंती के अवसर पर आयोजित दंगल में रफी पहलवान (होशियारपुर) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जग्गा पहलवान (अजनाला) को हराकर बड़ी माली अपने नाम की।

इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए कमेटी के सदस्य मेशी शर्मा, तिलक राज शर्मा, काला शर्मा, देसराज, सतीश शर्मा, विशाल कुमार, मोनू, अनिल पराशर सहित अन्य ने बताया कि यह दंगल हर वर्ष निक्कू बाबा की जयंती के उपलक्ष्य में क्षेत्र के लोगों के सहयोग से आयोजित किया जाता है। इस बार दंगल में हिमाचल प्रदेश के साथ–साथ पंजाब, हरियाणा और अन्य राज्यों के कई पहलवानों ने भाग लिया और अपनी कुश्ती के जौहर दिखाए। प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊंचा रहा और दर्शक उत्साह और रोमांच से भरपूर माहौल का आनंद लेते रहे। इस आयोजन में स्थानीय युवाओं और खेल प्रेमियों की बड़ी संख्या ने भाग लिया। कमेटी ने कहा कि दंगल का उद्देश्य न केवल खेल और पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा देना है, बल्कि युवाओं में शारीरिक क्षमता, साहस और अनुशासन को विकसित करना भी है। विजेता पहलवानों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

न्याय और सत्य के देवता हैं बाबा सिद्ध चानो : पराशर

रिड़ी कुठेड़ा के चौकी दी बड़ मंदिर में श्रद्धालुओं ने झंडा चढ़ाने की अदा की रस्म

सिद्ध चानों मंदिर में श्रद्धा और उत्साह के साथ झंडा चढ़ाने की पारंपरिक रस्म अदा की गई। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। रिड़ी कुठेड़ा पंचायत के चौकी दी बड़ स्थित सिद्ध चानों मंदिर में शनिवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ झंडा चढ़ाने की पारंपरिक रस्म अदा की गई। इस अवसर पर क्षेत्र भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए और मंदिर परिसर भक्ति एवं आस्था के वातावरण से सराबोर रहा।

कार्यक्रम के दौरान भजन–कीर्तन, पूजा–अर्चना और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों के साथ–साथ दूर–दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के तौर पर पधारे कैप्टन संजय पराशर ने समूह संगत को सम्बोधित करते हुए कहा कि बाबा सिद्ध चानों महाराज सच और न्याय के देवता हैं, जिनकी महिमा अपरंपार है। उन्होंने कहा कि बाबा के दरबार में आने वाला हर व्यक्ति सच्चे मन से प्रार्थना करता है और उसे न्याय तथा आशीर्वाद अवश्य प्राप्त होता है। कहा कि बाबा सिद्ध चानों महाराज के प्रति लोगों की आस्था सदियों से अटूट बनी हुई है और यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती जा रही है। झंडा चढ़ाने की रस्म के दौरान श्रद्धालुओं ने पारंपरिक विधि–विधान के अनुसार पूजा संपन्न की। इस दौरान पूरा वातावरण जय बाबा सिद्ध चानों के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष बड़े श्रद्धाभाव के साथ किया जाता है और इसमें क्षेत्र के लोग बढ़–चढ़कर भाग लेते हैं। इस अवसर पर रतन चंद, रछपाल सिंह, मालकियत सिंह, वीरेंद्र कुमार, सतपाल सिंह, प्रकाश चंद, कांता देवी, सुषमा और आशा देवी सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हिंदी माध्यम में भी मिलें सामाजिक अध्ययन की पुस्तकें

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। छठी कक्षा की एकीकृत सामाजिक अध्ययन विषय की किताब हिंदी माध्यम में भी शीघ्र उपलब्ध करवाई जाए। इस विषय की इस सत्र से एक ही किताब समाज का अध्ययन: भारत और इसके आगे पढ़ाई जाएगी, जिसे अधिकांश स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम में दिया गया है, जबकि इस विषय में हिंदी माध्यम का विकल्प देना आवश्यक है। 12 सितंबर 2025 को शिक्षा विभाग की बैठक में सामाजिक अध्ययन में हिंदी माध्यम विकल्प देने का निर्णय हुआ था और इसके निर्देश शिक्षा बोर्ड को दिए गए थे। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 350(ए) में यह स्पष्ट प्रावधान किया गया है कि प्रत्येक राज्य सरकार का यह दायित्व है कि वह विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करे। प्रदेश में अध्ययनरत इच्छुक विद्यार्थियों को हिंदी माध्यम में सामाजिक अध्ययन पुस्तकें प्रदान की जाएं। ऐसे में स्कूलों की हिंदी और अंग्रेजी माध्यम विकल्प की मांग को चैक करने के बाद उनको सामाजिक अध्ययन की पुस्तकें दी जाएं। यह मांग टीजीटी कला संघ ने प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड और स्कूल शिक्षा निदेशक से की है। संघ के प्रदेश महासचिव

◆ टीजीटी कला संघ ने स्कूल शिक्षा बोर्ड व शिक्षा निदेशक से की मांग

विजय हीर ने कहा कि सरकार कर ओर से सत्र 2026–27 से कक्षा छठी में अंग्रेजी माध्यम प्रारंभ करने का निर्णय स्वागत योग्य है, लेकिन नई शिक्षा नीति के अनुसार, इसे पढ़ाई का एकमात्र माध्यम बनाना उचित नहीं है। अधिकांश सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम में ही सामाजिक अध्ययन की किताबें कक्षा 6 के लिए आ रही हैं, जबकि अधिकतम विद्यार्थी इसे हिंदी माध्यम में पढ़ना चाहते हैं। कुछ विषयों की पाठ्यपुस्तकों की सप्लाई अब तक पूरी नहीं पहुंची है, जिसमें छठी कक्षा की योग एवं हिमाचल की संस्कृति, सातवीं कक्षा में नागरिक शास्त्र और भूगोल, आठवीं कक्षा के गणित, विज्ञान और अंग्रेजी, नौवीं कक्षा के गणित और विज्ञान की करीब 10 प्रतिशत किताबें कम पहुंची हैं। यह सप्लाई भी शीघ्र दी जाए क्योंकि शीतकालीन स्कूलों में सत्र फरवरी माह से शुरू हो चुका है। पाठ्यपुस्तकों की आवंटन प्रक्रिया भी समय पर पूर्ण की जाए और सीबीएसई स्कूलों में भी 31 मार्च 2026 तक पाठ्यपुस्तकों की खेप पहुंचाना सुनिश्चित की जाए।

चंबी मैदान को आधुनिक सुविधाओं से विकसित करने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अरविंद सिंह चौधरी ने शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चंबी खेल मैदान को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सिंथेटिक ट्रैक सहित विकसित करने की मांग को लेकर एक जनहित मुहिम शुरू की है। अरविंद सिंह चौधरी ने कहा कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र का चंबी खेल मैदान लंबे समय से क्षेत्र के युवाओं की खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में युवा यहां दौड़ और शारीरिक अभ्यास करते हैं तथा भारतीय सेना, पुलिस, अर्धसैनिक बलों और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटे रहते हैं, लेकिन मैदान में आधुनिक खेल सुविधाओं और सिंथेटिक ट्रैक के अभाव के कारण युवाओं को कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि चंबी खेल मैदान को सिंथेटिक ट्रैक सहित विकसित किया जाता है तो इससे क्षेत्र के हजारों युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा और वे अपनी प्रतिभा को निखारकर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकेंगे। साथ ही युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहन

मिलेगा और वे सकारात्मक गतिविधियों की ओर अग्रसर होंगे। अरविंद सिंह चौधरी ने कहा कि खेल सुविधाओं का विकास युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। खेल मैदान केवल अभ्यास का स्थान नहीं होता, बल्कि यह अनुशासन, स्वास्थ्य और राष्ट्र निर्माण की भावना को भी मजबूत करता है। उन्होंने प्रदेश सरकार और संबंधित विभागों से आग्रह किया है कि चंबी खेल मैदान को प्राथमिकता के आधार पर सिंथेटिक ट्रैक और अन्य आधुनिक खेल सुविधाओं से विकसित किया जाए,। अरविंद ने कहा कि इस जनहित के मुद्दे को लेकर वे लगातार प्रयास करते रहेंगे और युवाओं के हित में हरसंभव कदम उठाएंगे। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं, खेल प्रेमियों और समाज के सभी वर्गों से भी इस मुहिम में सहयोग देने की अपील की है।

लॉरेट फार्मेसी संस्थान में 'फार्मा अन्वेषण 2026' का राष्ट्रीय समागम 25 को

अनंत ज्ञान

फार्मेसी शिक्षा,अनुसंधान और नीतिगत ढांचे पर पर चर्चा की जाएगी। अनंत ज्ञान

ज्वालामुखी। लॉरेट फार्मेसी संस्थान में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 25 मार्च को 'फार्मा अन्वेषण 2026' का भव्य राष्ट्रीय समागम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाएगा, जो भारत में फार्मेसी शिक्षा के जनक प्रो. महादेव लाल श्रॉफ की जयंती को समर्पित है।

कार्यक्रम के संयोजक लॉरेट फार्मेसी संस्थान के निदेशक–सह–प्राचार्य प्रो. डॉ. महेंद्र सिंह आशावत एवं सहसंयोजक उप–प्राचार्य एवं फार्मास्यूटिक्स विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. विनय पंडित ने बताया की इस राष्ट्रीय समागम में हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, जम्मू–कश्मीर एवं लद्दाख क्षेत्रों के फार्मेसी विशेषज्ञ, शिक्षाविद, उद्योगपति और नियामक संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीसीआई अध्यक्ष डॉ. मोंटू एम् पटेल होंगे, जबकि सम्मानित अतिथियों में पीसीआई उपाध्यक्ष जेएच चौधरी, लॉरेट संस्थान के प्रबंध निदेशक डॉ रण सिंह एवं लॉरेट एजुकेशन सोसाइटी सचिव डॉ मीरा सिंह , पीसीआई कार्यकारी सदस्य एवं पीएसपीसी अध्यक्ष एवं जोनल कोऑर्डिनेटर सुशील कुमार बंसल, एचपीएसपीसी अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा सहित अन्य गणमान्य शामिल होंगे। कार्य्रम के मुख्य वक्ता शोभित विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रंजीत सिंह, आईकेजीपीटीयू की डीन डॉ. परवीन बंसल तथा आईएसएफ फार्मेसी संस्थान के निर्देशक डॉ. जीडी गुप्ता रहेंगे। कार्यक्रम का केंद्रीय विषय भविष्य का फार्मा इकोसिस्टम: अकादमिया, उद्योग, अनुसंधान, नियामक एवं प्रैक्टिस के बीच सहयोग को बढ़ावा देना रखा गया है। इस अवसर पर फार्मेसी शिक्षा, व्यावसायिक अभ्यास, अनुसंधान और नीतिगत ढांचे पर समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, औषधि नवाचार, दवा वितरण प्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण एवं स्वास्थ्य प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श होगा।

अर्द्धसैनिक कल्याण बोर्ड की घोषणा करने पर मुख्यमंत्री सुक्खू का जताया आभार

अनंत ज्ञान, शाहपुर। बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा किए जाने पर पूर्व अर्धसैनिक बल कल्याण संगठन, जिला कांगड़ा के अध्यक्ष एमएल ठाकुर और जिला कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने मुख्यमंत्री का हार्दिक आभार प्रकट किया। उन्होंने इस पहल के पीछे शाहपुर के विधायक एवं मुख्य उप सचेतक केवल सिंह पठानिया के महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की। एमएल ठाकुर ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इस बोर्ड की नोटिफिकेशन शीघ्र जारी की जाए, ताकि इसके कार्यकारी कार्यों को प्रारंभ किया जा सके। संगठन के जिला कांगड़ा उपाध्यक्ष बलदेव सिंह राणा ने कहा कि पूर्व अर्धसैनिक बल के सभी सेवानिवृत्त सदस्य इस पहल को सफल बनाने में सदैव शाहपुर विधायक केवल सिंह पठानिया के ऋणी रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए कल्याण बोर्ड के गठन से पूर्व अर्धसैनिक बल के सेवानिवृत्त सदस्य अपने कल्याण से जुड़े मामलों में बेहतर सुविधाओं और मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त करेंगे। यह कदम क्षेत्र के पूर्व जवानों के लिए प्रेरणास्रोत और कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

प्रतिक्रिया 24 घंटे व्यापारिक प्रतिष्ठान खुले रखना स्वागत योग्य, कांगड़ा एयरपोर्ट के साथ एयरो सिटी निर्माण से बढ़ेगा पर्यटन

कांग्रेस ने सराहा, भाजपा ने उठाए बजट योजनाओं पर सवाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश सरकार के शनिवार को प्रस्तुत चौथे बजट को लेकर लोगों ने मिली–जुली प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस ने जहां बजट को सराहनीय करार दिया है। वहीं, भाजपा ने बजट में शामिल योजनाओं पर सवाल उठाए हैं। बजट में केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला कैंपस के लिए कोई प्रावधान न होने पर धर्मशाला की जनता में मायूसी है। हालांकि सरकार द्वारा व्यापारिक प्रतिष्ठानों को 24 घंटे खुला रखने का कारोबारियों ने स्वागत किया है, क्योंकि इससे जहां पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। वहीं, कारोबारियों को भी लाभ होगा। इसके अलावा पर्यटन विकास के लिए नई ट्रैकिंग साइट विकसित करने के साथ एयरपोर्ट के साथ एयरो सिटी निर्माण से भी पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलेगा। मछुआरों को जाल व नाव के लिए सब्सिडी प्रावधान के साथ, आफ सीजन में आर्थिक सहयोग उपलब्ध करवाने की बात सरकार ने कही है।

● पहली बार अदरक पर एमएसपी तय, मछुआरों को जाल व नाव पर मिलेगी सब्सिडी

बजट में कुछ अच्छी और कुछ निराशाजनक बातें : प्रणव

धर्मशाला के दुकानदार प्रणव सचदेवा ने प्रदेश सरकार के बजट पर मिली-जुली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बजट में कुछ अच्छी और कुछ निराशाजनक बातें हैं। किसान आयोग गठन और अदरक सहित कुछ फसलों का एमएसपी बढ़ाना सराहनीय है। हालांकि, सेंट्रल यूनिवर्सिटी धर्मशाला कैंपस के लिए कोई प्रावधान न होना निराशाजनक है। कारोबारियों के लिए भी खास राहत नहीं मिली। वहीं टूरिज्म विकास, नए ट्रैक और महिलाओं व बेरोजगारों के लिए योजनाओं का उन्होंने स्वागत किया।

देखना होगा योजनाओं का कितनों को मिलेगा लाभ : मनीष

धर्मशाला के कारोबारी मनीष लुथरा ने कहा कि बजट में किसानों और बागवानों के लिए कई घोषणाएं की गई हैं, लेकिन उनका वास्तविक लाभ धरातल पर लागू होने के बाद ही पता चलेगा। उन्होंने बताया कि इस बार बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये कम है, जबकि इसमें बढ़ोतरी होनी चाहिए थी। व्यापारियों के लिए कोई विशेष घोषणा नहीं की गई। हालांकि, व्यापारिक प्रतिष्ठानों को 24 घंटे खुला रखने के फैसले का उन्होंने स्वागत किया।

प्रदेश का बजट 'स्वप्न समान' : राकेश शर्मा

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राकेश शर्मा ने राज्य सरकार के बजट को 'स्वप्न समान' बताते हुए आलोचना की। उन्होंने कहा कि बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब 4 हजार करोड़ रुपये कम है, जिससे योजनाओं की वास्तविकता पर सवाल उठते हैं। कई घोषणाएं केंद्र प्रायोजित बताईं गई हैं। महिलाओं को 1500 रुपये देने की योजना पर भी उन्होंने सवाल उठाए। शर्मा ने कहा कि सरकार अपने वादों पर खरी नहीं उतरी और आगामी चुनाव में जनता जवाब मांगेगी।

बजट से ग्रामीण आर्थिकी होगी मजबूत : देवेंद्र जग्गी

धर्मशाला से कांग्रेस नेता देवेंद्र जग्गी ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के बजट की सराहना की। उन्होंने कहा कि बजट में ग्रामीण आर्थिकी को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। गेहूं, मक्की, हल्दी और पहली बार अदरक का एमएसपी बढ़ाया गया है, साथ ही दूध के दाम भी बढ़ाए गए हैं। कांगड़ा को पर्यटन राजधानी घोषित करना और नए ट्रैकिंग साइट्स विकसित करना सराहनीय है। एयरपोर्ट विस्तार व एयरो सिटी की घोषणा भी महत्वपूर्ण कदम हैं।

गरीब, महिला, युवा और किसान केंद्रित विकास का विजन है बजट : पुनीत मल्ली

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। कांग्रेस नेता एवं राज्य खाद्य आपूर्ति निगम के निदेशक पुनीत मल्ली ने हिमाचल सरकार के बजट 2026–27 को जनहित, विकास और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत खाका बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में 54,928 करोड़ रुपए का यह बजट हर वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। मल्ली ने कहा कि करीब एक लाख गरीब परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा आम जनता को बड़ी राहत देगी। पात्र महिलाओं को 1500 मासिक सहायता का प्रावधान आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में अहम कदम है।

युवाओं के लिए रोजगार सृजन, हजारों सरकारी रिक्त पदों को भरने और कौशल विकास योजनाओं के विस्तार से नए अवसर पैदा होंगे। सबसे बड़े कांगड़ा जिले में पर्यटन विकास, एरो सिटी निर्माण, धौलाधार टाउनशिप बनाने के ऐलान से रोजगार बढेगा। ज्वालाजी मंदिर के विकास की योजना से धार्मिक पर्यटन बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि किसानों व बागवानों के लिए दूध के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी, कृषि उपकरणों पर अनुदान, सिंचाई योजनाओं का विस्तार और बागवानी को बढ़ावा देने के प्रावधान आय बढ़ाने में सहायक होंगे। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों के लिए राहत और फसल सुरक्षा योजनाएं भी शामिल की गई हैं। मल्ली ने कहा कि बजट में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल जैसी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे दूरदराज क्षेत्रों को विकास से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बजट को प्रदेश के समग्र विकास का रोडमैप बताते हुए कहा कि इससे हर वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा।

चैत्र नवरात्र

चतुर्थ स्वरूप मां कूष्मांडा

माना जाता है कि जब सृष्टि का अस्तित्व ही नहीं था, तब इन्हीं देवी ने ब्रह्मांड की रचना की थी। अतः ये ही सृष्टि की आदि-स्वरूपा यानी आदिशक्ति हैं। इनका निवास सूर्यमंडल के भीतर के लोक में है। वहां निवास करने की क्षमता और शक्ति केवल इन्हीं में है। इनके शरीर की कांति और प्रभामंडल भी सूर्य के सभान ही दैदीप्यमान है। इनके तेज और प्रकाश से दसों दिशाएं प्रकाशित होती हैं। ब्रह्मांड की सभी वस्तुओं और प्राणियों में अवस्थित तेज इन्हीं की छाया है। मां की आठ भुजाएं हैं। अतः ये अष्टभुजा देवी के नाम से भी जानी जाती हैं। इनके हाथों में क्रमशः कमंडल, धनुष-बाण, कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं, जबकि आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जपमाला है। मान्यता है कि मां कूष्मांडा की पूजा से अनाहत चक्र जाग्रत होता है। शास्त्रानुसार इनकी पूजा देर रात में करनी चाहिए। इनके पूजन से सारे शोक खत्म हो जाते हैं। इस दिन बच्चों की नजर उतारने की परंपरा है।

मंत्र : या देवी सर्वभूतेषु मां कूष्मांडा रुपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

धूप खिलने के साथ श्रद्धालुओं की भीड़ में इजाफा

तीसरा नवरात्र: श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम, श्री बज्रेश्वरी मंदिर और श्री ज्वालामुखी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने किए मां के दर्शन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन धूप खिलते ही शक्तिपीठों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ में भी इजाफा हुआ। पहले नवरात्र पर खराब मौसम और दूसरे नवरात्र पर बारिश के चलते श्रद्धालु, देवी दर्शनों को नहीं पहुंच पाए थे, जबकि शनिवार को तीसरे नवरात्र पर सुबह खिली धूप ने श्रद्धालुओं के कदम शक्तिपीठों की ओर अग्रसर किए।

जिले के श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम, श्री बज्रेश्वरी मंदिर और श्री ज्वालामुखी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने माता के जयकारे लगाते हुए देवी दर्शन किए। चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन सुबह से ही शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की कतारें लगना शुरू हो गई तथा सायंकालीन आरती तक ये क्रम जारी रहा। मंदिरों में इस दौरान धामिक यज्ञ तथा अनुष्ठान जारी रहे।

श्री चामुंडा, बज्रेश्वरी मंदिर कांगड़ा तथा ज्वालाजी मंदिरों में चैत्र नवरात्र पर काफी तादाद में भक्त मां के दर्शनों को पहुंचे। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश के बाद खुले मौसम में मंदिरों में काफी भीड़ नजर आई। कांगड़ा जिले के शक्तिपीठ ज्वालाजी के कपाट सुबह चार बजे खुल गए तथा इसके बाद भक्तों का कतारों में लग कर दर्शन करने का सिलसिला शुरू हो गया, जो सांय कालीन आरती तक जारी रहा।

श्री चामुंडा मंदिर

बज्रेश्वरी मंदिर में सुबह पांच बजे पहुंच गए थे भक्त

श्री बज्रेश्वरी में सुबह पांच बजे से भक्तों का मंदिर में पहुंचने का क्रम शुरू हो गया तथा हिमाचल तथा पंजाब के अलावा दूसरे राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मां के दर्शन कर मंगल की कामना की। मंदिर में इस दौरान यज्ञ आदि धार्मिक अनुष्ठान जारी रहे। मंदिरों में में जारी रहे धार्मिक अनुष्ठानों के चलते माहौल पूरी तरह से भक्तिमय नजर आया। पुलिस प्रभारी भागमल ने बताया कि दो दिनों तक बारिश रहने के बाद शनिवार को सुबह खिली धूप के कारण काफी तादाद में भक्त मंदिरों में पहुंचे। उन्होंने बताया कि शनिवार को करीब 7500 भक्तों ने मां के दर्शन कर आर्शिचाद प्राप्त किया।

ज्वालामुखी मंदिर में मां के दर्शनों को जाते श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

स्पीड/प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 1.96 रुपए प्रति लीटर वृद्धि

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। जिला मुख्यालय धर्मशाला स्थित पेट्रोल पंप में स्पीड/प्रीमियम पेट्रोल के ही दाम में वृद्धि हुई है, जबकि नॉर्मल ऑयल में ऐसा कुछ नहीं है। धर्मशाला स्थिम मान फिलिंग स्टेशन के मालिक देविंद्र पठानिया ने बताया कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण असर तो पड़ा है, लेकिन अभी ज्यादा असर नहीं पड़ा है। उन्होंने बताया कि धर्मशाला में स्पीड/प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 1.96 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई है, जबकि अलग-अलग जगह के दाम में वृद्धि भी अलग होगी। उन्होंने कहा कि बंदरगाह पर गाड़ियां रुकी पड़ी हैं। भारत पेट्रोलियम की ओर से जो जानकारी दी गई है, उसके अनुसार भारत में अभी पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। देश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल व डीजल उपलब्ध है, रसिया से भी सप्लाई आ रही है। लोग परेशान न हों और न ही डंप करके रखें। भगवान से यही प्रार्थना है कि पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष जल्द खत्म हो तथा तेल व गैस आपूर्ति पहले ही सुचारु हो सके।

31 तक करवाएं परिवार रजिस्टर का ऑनलाइन पंजीकरण

ऊषा जरियाल, अनंत ज्ञान, जवाली। नगर परिषद जवाली में परिवार रजिस्टर को ऑनलाइन करने का कार्य तेजी से जारी है। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी गणेश शर्मा ने बताया कि सभी वार्डों में जिन परिवारों का अब तक पंजीकरण नहीं हुआ है या जिनके विवरण में किसी प्रकार का संशोधन आवश्यक है, वे 31 मार्च तक इसे ऑनलाइन माध्यम से अपडेट करवा लें। उन्होंने कहा कि पंजीकरण के लिए इच्छुक परिवार लोकमित्र केंद्र या नगर परिषद कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

इस दौरान अपने साथ आवश्यक दस्तावेज जैसे पहचान पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड और परिवार के सभी सदस्यों का विवरण अवश्य लेकर आएं, ताकि ऑनलाइन एंट्री शीघ्रता से पूरी की जा सके। कार्यकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि समय पर पंजीकरण कराने से भविष्य में सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए जल्द से जल्द अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें।

प्रदेश में 1427 शिक्षकों की भर्ती का परिणाम घोषित

शिक्षा बोर्ड ने 1 महीने के भीतर जारी किया रिजल्ट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए लिमिटेड डायरेक्ट रिक्रूटमेंट टेस्ट 2025-26 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने धर्मशाला में एक प्रेस वक्तव्य जारी कर बताया कि प्रदेश सरकार के कड़े निर्देशों के अनुपालन में बोर्ड ने इस पूरी चयन प्रक्रिया को अत्यंत अल्प समय में और पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न किया है। यह परीक्षा बीते 22 फरवरी 2026 को आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम अब बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिया गया है। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा विभाग में टीजीटी (आर्ट्स, नॉन-मेडिकल, मेडिकल, संस्कृत, हिंदी), जेबीटी एवं ड्राइंग मास्टर के कुल 1427 रिक्त पदों को भरा जा रहा है। विशेष बात यह है कि इस भर्ती में एसएमसी नीति के तहत प्रदेश के विभिन्न स्कूलों में अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों ने भाग लिया। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि निदेशालय उच्च शिक्षा से प्राप्त मांग पत्र के आधार पर ही इन पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था, ताकि अनुभवी शिक्षकों को उचित अवसर मिल सके और स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हो। भर्ती के आंकड़ों पर जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि इन पदों के लिए कुल 1437 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिन्हें जांच के उपरांत अस्थायी रूप से पात्र घोषित किया गया था। आयोजित स्क्रीनिंग टेस्ट में कुल 1433 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि मात्र 4 अभ्यर्थी ही परीक्षा से अनुपस्थित रहे। बोर्ड द्वारा निर्धारित कड़े मानकों और पारदर्शी चयन प्रक्रिया के आधार पर मेरिट तैयार की गई है। संबंधित अभ्यर्थी अब अपना व्यक्तिगत परिणाम बोर्ड की वेबसाइट पर लॉगिन कर देख सकते हैं। डॉ. राजेश शर्मा ने सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड भविष्य में भी सभी भर्ती परीक्षाओं को निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

न्यूज ब्रीफ

तरुणा कमल ने संभाला एसएचओ का कार्यभार

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। तरुणा कमल ने नगरोटा बगवां पुलिस थाना में बतौर एसएचओ तीन महीने की ट्रेनिंग के बाद कार्यभार संभाला है। साधारण परिवार से आने वाली तरुणा के माता-पिता खेती-बाड़ी करते हैं और वह अपनी सफलता का श्रेय परिवार के सहयोग और अपनी मेहनत को देती हैं। अपने प्राथमिक कार्यों के बारे में उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। इसके साथ ही उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने और नंबर प्लेट लगवाने की अपील की। चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट पहनने और रात में डिपर का सही उपयोग करने की सलाह दी है।

धर्मशाला में धूमधाम से मनाई ईद-उल-फितर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। जिला मुख्यालय धर्मशाला में रमजान के पवित्र महीने के समापन पर शनिवार को धर्मशाला और आसपास के क्षेत्रों में ईद-उल- फितर मनाई गई। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोगों में खासा उत्साह दिखा तथा नए कपड़ों में बच्चे और बड़े सुबह नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों की ओर रवाना हुए। धर्मशाला शहर की प्रमुख मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस अवसर पर मुहम्मद कामिल जामी सहित समुदाय के वरिष्ठ लोगों ने ईद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया।

लक्ष्मण और माता सीता की मूर्तियों का अनावरण

अनंत ज्ञान, शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिद्धूपुर में नवनिर्मित भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता की मूर्तियों का भव्य अनावरण समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर मूर्तियों का अनावरण किया। स्थानीय पंचायत प्रधान मधु और ग्रामीणों ने सांसद का गर्मजोशी से स्वागत किया। सभा में डॉ. भारद्वाज ने श्रीराम के आदर्शों का गुणगान किया और समाज सेवा का संदेश दिया। सांसद ने गांव में चारदीवारी और रास्तों के निर्माण का आश्वासन भी ग्रामीणों को दिया।

जवाली और चलवाड़ा में आज बंद रहेगी बिजली

अनंत ज्ञान, जवाली। 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र जवाली में आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते रविवार को बिजली की आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत उपमंडल ज्वाली के सहायक अभियंता कपिल देव ने बताया कि सुबह 9 बजे से कार्य समाप्ति तक प्रभावित होने वाले क्षेत्र जवाली, चलवाड़ा , गुगलाड़ा , ढन, करडीयाल, खरोटा बनाड़ा, जैसर, भलू , मतलाहड़ , हरिया, सिद्धाथा, लाहड़ू, हार, नाना, ध्येवा, हरसर, पनालथ और हवाल में बिजली की आपूर्ति बाधित रहेगी। उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

रोजमेरी स्कूल में आपदा प्रबंधन पर सीबीपी का आयोजन

शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान, देहरा। रोजमेरी पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए आपदा प्रबंधन विषय पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को भूकंप, आग, बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित करना था। कांगड़ा से आए संसाधन व्यक्ति जगदीप सर ने आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। मॉक ड्रिल, सुरक्षित निकासी, प्राथमिक उपचार और आपातकालीन प्रतिक्रिया के तरीकों का प्रदर्शन किया गया। शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शंकाओं का समाधान किया। विद्यालय प्रबंधन ने इसे ज्ञानवर्धक बताते हुए भविष्य में ऐसे प्रशिक्षण जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

वरिष्ठ नागरिक संगठन नगरोटा ने की मासिक बैठक

कपिल वासुदेवा, अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। वरिष्ठ नागरिक संगठन खंड नगरोटा बगवां की मासिक बैठक 86 वर्ष के सदस्य सुरेंद्र चौधरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सभी सदस्यों ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नव वर्ष और नवरात्रि की बधाई दी। सुभाष पठानिया ने संगठन के कोष की जानकारी दी और भवन में आवश्यक मरम्मत के लिए सहमति बनी। पुस्तकालय की चर्चा में बताया गया कि यह वाई-फाई और अन्य आधुनिक सुविधाओं से युक्त है, जहां 16-17 शिक्षार्थी अध्ययनरत हैं। सभी सुझावों के बाद संगठन का वार्षिक सम्मेलन अप्रैल में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 12 सदस्यीय दल जिलाधीश से सम्मेलन तिथि तय करने धर्मशाला जाएगा। बैठक में ब्रह्मानंद, सुभाष पठानिया, किशोरी लाल, सुधीर पठानिया, समिंद्र डोगरा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शिकंजा: बिना नंबर प्लेट 34 वाहनों के किए चालान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए कांगड़ा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में एमवी एक्ट के तहत व्यापक कार्रवाई की गई। इस दौरान बिना नंबर प्लेट, बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट और फर्जी नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ चालान किए गए। बिना नंबर प्लेट के 34 वाहनों के चालान किए गए, जिनमें धर्मशाला में सबसे अधिक 12 चालान दर्ज हुए। कांगड़ा में आठ, भवारना में पांच, मकलोडगंज में तीन, पालमपुर में दो तथा गगल और शाहपुर में दो-दो चालान किए गए। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगाने पर 28 चालान हुए, जिसमें मकलोडगंज में सबसे अधिक 10 चालान दर्ज हुए। फर्जी नंबर प्लेट वाले मामलों में शाहपुर में चार चालान किए गए। एएसपी बीर बहादुर सिंह ने बताया कि अभियान जारी रहेगा और लोगों से अपील की गई है कि वे अपने वाहनों पर वैध नंबर प्लेट लगाएं और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पूजा मिस और अमन को चुना मिस्टर फेयरवेल

रिड़कमार कॉलेज में विदाई समारोह का आयोजन। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

कोहली, शाहपुर। डिग्री कॉलेज रिड़कमार में बीए तृतीय वर्ष (बैच 2023-2026) के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच संचालन सुहानी, रेखा एवं अवंतिका ने कुशलतापूर्वक किया, जबकि स्वागत भाषण सलमा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि महाविद्यालय केवल शिक्षा का कंद्र नहीं, बल्कि एक ऐसा परिवार है जो विद्यार्थियों को जीवन के मूल्यों, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की सीख देता है। इस दौरान विद्यार्थियों ने संगीत, नृत्य एवं अभिनय की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। अनु एवं शिल्पा द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं आरती, महक, सकीना एवं आरती चौहान ने अपने अनुभव साझा कर समारोह को भावुक बना दिया। समारोह के दौरान विभिन्न उपाधियों से भी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, मिस फेयरवेल का खिताब पूजा को, मिस्टर फेयरवेल अमन कुमार को, मिस चार्मिंग रीना को तथा मिस पर्सनेलिटी मीनाक्षी को प्रदान किया गया।

कांगड़ा-चंबा की जनता से फिर हुआ भेदभाव: डॉ. भारद्वाज

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट की तीखी आलोचना करते हुए इसे जनविरोधी और विकास में बाधक बताया। उन्होंने कहा कि बजट ने प्रदेश के युवाओं, किसानों, बागवानों और कर्मचारियों को निराश किया है। डॉ. भारद्वाज ने केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी 250 करोड़ रुपये का मुद्दा उठाया और बताया कि प्रदेश सरकार अपने हिस्से के केवल 27 करोड़ रुपये जमा नहीं करवा रही। उन्होंने यूनिटी मॉल, कन्वेंशन सेंटर और अन्य परियोजनाओं के ठप होने पर भी सवाल उठाए। सांसद ने कहा कि भूमि, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं न मिलने से विकास की रफ्तार रुक गई है। डॉ. भारद्वाज ने चेताया कि युवाओं, महिलाओं और किसानों सहित प्रदेश का हर वर्ग अब खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है, जबकि पुरानी परियोजनाओं के लिए बजट का अभाव नई विकास राहों को बंद कर रहा है।

प्रदेश के बजट से करुणामूलक आश्रित मायूस

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने 2026-27 का बजट पेश किया, लेकिन करूणामूलक परिवारों के लिए कोई घोषणा नहीं की। संघ का कहना है कि कई बार मुख्यमंत्री से मिलने के बावजूद केवल आश्वासन दिए गए, वास्तविक समाधान नहीं हुआ। प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र अत्री ने आरोप लगाया कि चुनावी वादों के बावजूद इन परिवारों को नौकरी नहीं मिली। संघ ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कोई ठोस प्रावधान नहीं लाया गया, तो करुणामूलक परिवार विधानसभा घेराव करेंगे।

संजय शर्मा ने बजट को जनविरोधी और विकास बाधक करार दिया

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत 2026-27 के बजट को निराशाजनक बताया। प्रवक्ता संजय शर्मा ने कहा कि बजट में लगभग 4,000 करोड़ की कटौती सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन को दर्शाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र पर दोषारोपण करके मुख्यमंत्री विकास की राह छिपा रहे हैं। 'अपना सुखी परिवार' जैसी योजनाओं के बावजूद 10 चुनावी गारंटियां और 1,500 रुपये की सम्मान निधि अभी तक ज़मीनी स्तर पर लागू नहीं हुई हैं। भाजपा ने चेताया कि जनता इस दिशाहीन बजट को स्वीकार नहीं करेगी।

पर्यटन राजधानी कांगड़ा को सरकार की सौगात

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश सरकार के वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कांगड़ा एयरपोर्ट के समीप एयरो सिटी बनाने की घोषणा की है। कांगड़ा जिला पर्यटन राजधानी घोषित होने के बाद यह परियोजना घाटी में पर्यटन को नई दिशा और गति देगी। पर्यटन विभाग ने एयरपोर्ट टर्मिनल के आसपास जमीन का निरीक्षण किया है और सरकार के साथ प्रारंभिक योजना व पत्राचार किया गया है। शाहपुर प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर एयरो सिटी के लिए अध्ययन किया जा रहा है। इस मॉडल के तहत एयरपोर्ट के आसपास पर्यटन, आतिथ्य, व्यापार और अन्य सेवाओं का विकास किया जाएगा। साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे, जिससे क्षेत्र की समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

आनंद पर्यटक बोले, बारिश से मौसम सुहाना; भगवान ने ट्रिप किया सफल, धर्मशाला बहुत प्यारा है

पंजाब की गर्मी से धर्मशाला में मिली निजात

◆ पर्यटकों ने धर्मशाला स्टेडियम को निहारा

अनंत ज्ञान

राजेश कुमार, धर्मशाला। भले ही मार्च का महीना आधा बीत चुका है। इसके बावजूद धर्मशाला में जनवरी जैसा एहसास हो रहा है। धर्मशाला घूमने पहुंच रहे पर्यटक भी कुछ ऐसे ही शब्द बयां करते नजर आ रहे हैं।

धर्मशाला स्टेडियम घूमने पहुंचे पर्यटकों से जब यहां के मौसम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने धर्मशाला की तारीफों के पुल बांध दिए। धर्मशाला, मैक्लोडगंज भ्रमण पर आए पंजाब के पर्यटकों का कहना है कि पंजाब की गर्मी से धर्मशाला आकर निजात मिली है। पर्यटकों के अनुसार, धर्मशाला बहुत प्यारा है और यहां पर पहाड़ियों पर बर्फ का अद्भुत नजारा है। पर्यटकों का कहना है कि पंजाब से निकले तो गर्मी पड़ रही थी, लेकिन धर्मशाला पहुंचने पर बारिश से मौसम सुहाना मिला, यूं लगा कि भगवान ने हमारा ट्रिप सफल कर दिया हो।

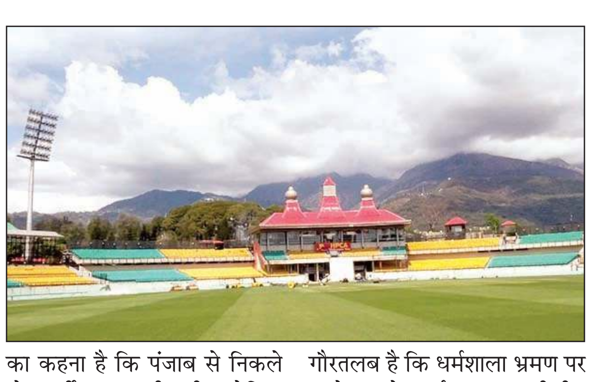

वहीं, जम्मू से आए पर्यटक युवकों का कहना था कि नवरात्र में देवी दर्शनों के साथ धर्मशाला घूमने का भी प्लान तैयार किया था। धर्मशाला में आकर लगा कि वाकई में धर्मशाला प्यारा और न्यारा है। गौरतलब है कि धर्मशाला भ्रमण पर आने वाले पर्यटक, एचपीसीए स्टेडियम का दीदार करना नहीं भूलते। पर्यटक स्टेडियम से धौलाधार पहाड़ियों को निहारते हैं साथ ही परिवार सदस्यों के साथ फोटो भी खिंचवाते हैं। यही नहीं ट्रैकिंग के शौकीन पर्यटक त्रियुंड जाना नहीं भूलते। ट्रैकिंग में रुचि रखने वाले पर्यटक ट्रैकिंग करने का मन बनाकर ही अपना टूर प्लान करते हैं।

मार्च में बर्फ का दीदार अद्भुत नजारा: मीनाक्षी

पटियाला से आई मीनाक्षी जैन ने कहा कि हम तीन दिन के टूयर पर आए हैं। घर से निकलते समय विचार आया था कि धर्मशाला में गर्मी होगी, लेकिन यहां आकर देखा तो मौसम बेहद सुहावना था। मार्च माह में पहाड़ियों पर बर्फ देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। धर्मशाला स्टेडियम से पहाड़ियों पर बर्फ का दीदार होना अद्भुत अनुभव है। यहां गर्मी होने की बात सोचकर आए थे, लेकिन यहां के मौसम को देखकर लग रहा है कि भगवान ने हमारा टूयर मौसम सुहावना बनाकर सफल कर दिया है।

धर्मशाला का वातावरण व प्रकृति बहुत प्यारे: हिमांशु

जम्मू से आए हिमांशु शर्मा ने कहा कि हम नवरात्र के चलते देवी दर्शनों को आए हैं। दोस्तों के साथ नवरात्र में मंदिरों में दर्शनों के लिए निकले थे तो सोचा मैक्लोडगंज भी घूम लें। धर्मशाला का वातावरण व प्रकृति बहुत प्यारे हैं। पहली बार धर्मशाला आए हिमांशु ने कहा कि स्टेडियम से पहाडियों का नजारा अदभुत है। पहाडियों पर बर्फ के साथ बादल देखने में बहुत अच्छे लग रहे हैं।

मार्च में बर्फ, अमेजिंग : सुनील

पंजाब के पटियाला से आए सुनील जैन ने कहा कि घर से निकलते समय सुना था कि बारिश का मौसम बन रहा है, लेकिन जब धर्मशाला पहुंचे तो बारिश हो रही थी, जिसका हमारे पूरे परिवार ने खूब आनंद लिया। मैक्लोडगंज में चुगलाखंग बौद्ध मठ का भी भ्रमण किया है। धर्मशाला का मौसम मार्च में अमेजिंग है और बर्फ को देखकर हम खुद को बेहद खुशनसीब समझ रहे हैं।

कांग्रेस नेता सुरिंदर ने सराहा बजट

पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रदेश के विकास, जनकल्याण और आधुनिकीकरण का दूरदर्शी दस्तावेज है। कांग्रेस नेता सुरिंदर मनकोटिया ने इसे हिमाचल का बेहतरीन बजट बताया। इसमें तीन नए आधुनिक शहर हिम चंडीगढ़ टाउनशिप, हिम पंचकूला और कांगड़ा के धौलाधार क्षेत्र स्थापित करने की योजना शामिल है, जो रोजगार सृजन और संतुलित क्षेत्रीय विकास में मदद करेंगे। तकनीकी क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर, साइबर मित्र पद और स्कूलों में साइबर सुरक्षा पाठ्यक्रम युवाओं को डिजिटल युग में सक्षम बनाएंगे। हिम स्टार्टअप स्कीम से 10 हजार युवाओं को प्रशिक्षण मिलेगा और नई औद्योगिक नीति निवेश को बढ़ावा देगी। पर्यटन में रोपवे परियोजनाएं श्रद्धालुओं और यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ाएंगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए हिम सिल्क योजना से रेशम उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे किसानों की आय और पारंपरिक कृषि मजबूत होगी।

न्यूज ब्रीफ

केमिस्ट, माइक्रो बायोलॉजिस्ट के साक्षात्कार कल

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। नालागढ़ की आरके लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड में ट्रेनी केमिस्ट, ट्रेनी माइक्रोबायोलॉजिस्ट के 4-4 और ट्रेनी ऑपरेटर के 6 पद भरे जाएंगे। साक्षात्कार 23 मार्च को जिला रोजगार कार्यालय हमीरपुर में होंगे। ट्रेनी केमिस्ट के लिए बीएससी/एमएससी केमिस्ट्री, डी/बी/एम फार्मा योग्यताएं जरूरी हैं, वेतन 15-25 हजार रुपए। माइक्रोबायोलॉजिस्ट के लिए एमएससी माइक्रोबायोलॉजी या बीएससी/बीटेक बायोटेक्नोलॉजी, वेतन 16-30 हजार रुपए। ट्रेनी ऑपरेटर हेतु डिप्लोमा (मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स) आवश्यक, वेतन 13-22 हजार रुपए। आयु सीमा 18-30 वर्ष है।

नादौन में मनाई ईद-उल-फितर, गले लगकर दी बधाई

अनंत ज्ञान, नादौन। मुस्लिम समुदाय ने इस वर्ष भी ईद-उल-फितर का पर्व नादौन क्षेत्र में उत्साहपूर्वक मनाया। साईं फाजिल शाह की दरगाह तकिया भरमोटी सहित विभिन्न मस्जिदों और मजारों में लोगों ने एकत्र होकर नमाज अदा की और देश-समाज की सुख-शांति की कामना की। दरगाह में मुरादाबाद से आए इमाम रकात मोहम्मद ने नमाज पढ़वाई। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी।

मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण शुरू

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। एसडीएम सुजानपुर एवं मतदाता पंजीकरण अधिकारी विकास शुक्ला ने नगर परिषद सुजानपुर की मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण हेतु अधिकारियों की नियुक्ति की है। तहसीलदार परवीन कुमार को पुनरीक्षण अधिकारी बनाया गया है। इस प्रक्रिया के लिए 1 अप्रैल अर्हक तिथि तय की गई है, जिसके अनुसार 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवा भी नाम दर्ज करा सकते हैं। मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के दावे व आपत्तियां 28 मार्च तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। इनका निपटारा 2 अप्रैल तक होगा।

धनेटा में 160 लोगों का जांचा स्वास्थ्य

अनंत ज्ञान, धनेटा। अपराध नियंत्रण एवं समाज सुधार संगठन हमीरपुर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनेटा में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया। शिविर बीएमओ नादौन राजेश भारद्वाज की देखरेख में हुआ, जिसमें मेडिकल कॉलेज हमीरपुर के विशेषज्ञों ने लगभग 160 मरीजों की जांच की और दवाइयां वितरित कीं। संगठन के सदस्यों ने अल्ट्रासाउंड मशीन लगाने के लिए 70 हजार रुपए एकत्र किए। इससे दूर-दराज जाकर महंगे टेस्ट करवाने की आवश्यकता समाप्त होगी और स्थानीय लोगों को निशुल्क जांच सुविधा मिलेगी।

रंगस में कल लगेगा रक्तदान शिविर

अनंत ज्ञान, नादौन। इंक़लाब संस्था रंगस द्वारा 23 मार्च को रंगस में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। हर साल की भांति इस साल भी शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में संस्था द्वारा इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष पुनीत उप्पल ने बताया कि इस दिन इंक़लाब संस्था का स्थापना दिवस भी है जिसे रक्तदान शिविर लगाकर और शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित कर मनाया जाएगा।

बच्चों की सोच विकसित करने के बताए तरीके

अनंत ज्ञान, नादौन। डीएवी पब्लिक स्कूल भड़ोली में दो दिवसीय सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य अध्यापकों को एनसीएफ 2023 के 'थ्योरी ऑफ नॉलेज' विषय पर जानकारी देना था। विकास शर्मा और प्रियंका महाजन ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में शिक्षकों को ज्ञान की अवधारणा, बच्चों की सोच विकसित करने के तरीके और शिक्षण को रोचक बनाने के उपाय समझाए। उन्होंने गतिविधियों और उदाहरणों के माध्यम से अनुभवात्मक सीखने और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने पर जोर दिया। अध्यापकों ने नई शिक्षण विधियों और अनुभव साझा किए।

मोक्षधाम गिराने की घटना चिंताजनक: अनिल

अनंत ज्ञान, भोरंज/जाहू। भोरंज के सम्मू-ताल में मोक्षधाम को रात में गिराए जाने पर पूर्व विधायक अनिल धीमान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया और कहा कि यह स्थानीय समाज के मूल्यों को ठेस पहुंचाता है। धीमान ने प्रशासन से दोषियों को कड़ी सजा देने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनता से चर्चा किए बिना रात में श्मशान घाट गिराना अनुचित है और भाजपा जनता के साथ मिलकर आंदोलन करेगी।

लंबलू क्षेत्र में तीन हफ्तों से गैस सप्लाई ठप

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हमीरपुर के लंबलू क्षेत्र में पिछले तीन हफ्तों से गैस सप्लाई ठप होने से ग्रामीणों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। चमनेड और पंदहेड़ पंचायत के कई गांवों में गैस न मिलने के कारण लोग मजबूरी में लकड़ी के चूल्हों पर खाना बना रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि गैस एजेंसियों और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से संपर्क के बावजूद कोई समाधान नहीं मिला। महिलाएं और बुजुर्ग खासकर धुएं में खाना बनाने को मजबूर हैं। ग्रामीण प्रशासन से तुरंत गैस आपूर्ति बहाल करने की मांग कर रहे हैं।

दशमल नई पंचायत गठन समारोह आज

अनंत ज्ञान, जाहू। भोरंज ब्लॉक में कड़ोहता व भौखर पंचायतों को विभाजित कर ग्रामीणों की मांग पर दशमल को नई पंचायत का दर्जा दिया गया है। इस खुशी में ग्रामीणों द्वारा रविवार को सुबह 11 बजे पंचायत गठन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। भोरंज ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय बन्याल ने बताया कि इस समारोह में भोरंज के विधायक सुरेश कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। विधायक स्थानीय लोगों की समस्याएं भी सुनेंगे।

7 खिलाड़ी राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में दिखाएंगे दम

अनंत ज्ञान, जाहू। हिमाचल प्रदेश वुशू खेल संघ के महासचिव पीएन आजाद ने बताया कि प्रथम बीच राष्ट्रीय सीनियर व जूनियर वुशू प्रतियोगिता चेन्नई में 23 मार्च तक चलेगी। आठ सदस्यीय हिमाचल दल में सात खिलाड़ी और एक कोच शामिल हैं। महिला वर्ग में कशिश और आर्य, पुरुष वर्ग में आदित्य, कार्तिक्य, शौर्य और अभिषेक ताइजीक्वान व ताइजिशान स्पर्धाओं में भाग लेंगे। दिनेश कुमार टीम के कोच व मैनेजर हैं। मंडी के वुशू एक्सीलेंस सेंटर में प्रशिक्षित खिलाड़ियों से पदक जीत की उम्मीद है।

19 वार्डों का परिसीमन अंतिम रूप से प्रकाशित

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला परिषद हमीरपुर के कुल 19 वार्डों के परिसीमन को अंतिम रूप से प्रकाशित कर दिया गया है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि कुछ पंचायतों के पुनर्गठन के कारण वार्ड परिसीमन में बदलाव किए गए थे। संशोधित प्रारूप पर प्राप्त आपत्तियों और सुझावों का निपटारा करने के बाद इसे अंतिम रूप दिया गया। अब जिला की 243 ग्राम पंचायतों को 19 वार्डों में बांटा गया है। वार्डों के नाम हैं: बीड़ बगेहड़ा, पनोह, दरोगण पत्ती कोट, उहल, जंगल रोपा, ताल, चमनेड, बधानी, धमरोल, जाहू, महल, करेर, बिझड़ी, झंझयाणी, दांदड़ू, लहड़ा, मालग, अमलैहड़ और सपड़ोह।

पटनौण चौक बराड़ा में एनएच की कटिंग से मकानों पर मंडराया खतरा

लोगों ने नियमों की अनदेखी का लगाया आरोप, निरीक्षण करने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान

संजीव चौहान, टौणी देवी। हमीरपुर–आवाहदेवी नेशनल हाईवे 3 पर पटनौण चौक बराड़ा में सड़क निर्माण कार्य के दौरान की जा रही खुदाई के कारण आसपास स्थित मकानों पर खतरा मंडराने लगा है।

जानकारी के अनुसार, गोपाल दास और प्रीतम चंद के मकानों के पास, नक्शे के मुताबिक 10.8 मीटर तक ही कटिंग प्रस्तावित थी, लेकिन मौके पर लगभग 12 मीटर तक सड़क की कटिंग कर दी गई है। इससे मकानों को खतरा उत्पन्न हो गया है। पीड़ित परिवारों का आरोप है कि डीपीआर को दरकिनार कर मनमाने तरीके से कार्य किया जा रहा है। उनका कहना है कि रिहायशी मकानों को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि उन्हें अब तक किसी प्रकार का मुआवजा भी नहीं दिया गया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि कुछ स्थानों पर भूमि अधिग्रहण और मुआवजा दिए जाने के बावजूद प्रभावशाली लोगों के मकानों को बचाया जा रहा है, जिससे भेदभाव की स्थिति पैदा हो रही है। पीड़ित परिवारों ने भू-अधिग्रहण अधिकारी एसडीएम भोरंज, उपायुक्त हमीरपुर और मिनिस्ट्री ऑफ रोड एवं हाइवे के अधिकारियों से मांग की है कि मौके का निरीक्षण किया जाए और मकानों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाए जाएं। परिवारों का कहना है कि यदि जल्द सुरक्षा डंगे (रिटेनिंग वॉल) नहीं लगाए गए तो लगातार बारिश के चलते मकानों के ढहने का खतरा और अधिक बढ़ सकता है।

पटनौण चौक बराड़ा में कटिंग से घर को बना खतरा। अनंत ज्ञान

गांधी चौक पर 52 वर्षीय व्यक्ति का संदिग्ध अवस्था में मिला शव

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हमीरपुर के गांधी चौक के पास शनिवार सुबह लोगों में हड़कंप मच गया, जब एक गली में 52 वर्षीय मोहिंदर सिंह, निवासी सासन, का शव संदिग्ध हालत में पड़ा मिला। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान और आसपास खून बहा हुआ था। मोहिंदर पेशे से मिस्त्री थे और शुक्रवार सुबह काम के लिए घर से निकले थे, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटे। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर खून के नमूने व अन्य साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक अनुमान है कि गली में गिरने से गंभीर चोटें आईं और अधिक रक्तस्राव के कारण मृत्यु हुई। मोहिंदर अपनी पत्नी और दो बेटों को पीछे छोड़ गए। एसपी बलवीर सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि होगी। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है, और इलाके में चर्चा का विषय बनी इस घटना पर सतर्कता बरती जा रही है।

दीनदयाल उपाध्याय बीएड कॉलेज में रक्तदान शिविर में दिखा उत्साह

मैहरे कॉलेज में रक्तदान शिविर आयोजित किया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

एसके ठाकुर, बड़सर। बड़सर विधानसभा क्षेत्र के दीनदयाल उपाध्याय बीएड कॉलेज, मैहरे में सेवा, समर्पण और मानवता के प्रतीक के रूप में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

इस दौरान लगभग 50 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदान साबित होगा। मुख्य अतिथि डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि जीवन देने का महान माध्यम है। विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। शिविर एम्स बिलासपुर की टीम द्वारा आधुनिक मानकों के अनुरूप संचालित किया गया। कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. सीमा शर्मा ने बताया कि यह वार्षिक आयोजन छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता बढ़ाता है। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और युवाओं ने सहयोग और जागरूकता का संदेश फैलाया। आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित और अनुशासित रहा, जिससे प्रतिभागियों में गर्व और संतोष की भावना दिखाई दी।

हिम अमादमी स्कूल में ओमेगा प्रकाशन का वर्क बुक्स व फॉनिक्स ऐप लांच

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल, विकासनगर में 21 मार्च को ओमेगा प्रकाशन के सहयोग से प्रारंभिक साक्षरता एवं संख्यात्मकता विषय पर एक राज्यस्तरीय शैक्षणिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न जिलों से आए विद्यालय प्रमुख, समन्वयक और लगभग 100 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य अतिथि ओमेगा प्रकाशन के चीफ एडिटर टीआर शर्मा ने प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कार्यक्रम में विद्यालय चेयरमैन आरसी लखनपाल, वाइस चेयरपर्सन चंद्र प्रभा लखनपाल, अकादमिक प्रधानाचार्य डॉ. हिमांशु शर्मा, प्रधानाचार्य इंजीनियर नैना लखनपाल, डायरेक्टर पंकज लखनपाल और उप प्रधानाचार्य अश्विनी शर्मा उपस्थित रहे। डॉ. हिमांशु शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति और प्रारंभिक स्तर के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे (एनसीएफ) के अनुरूप दक्षता आधारित अधिगम पर चर्चा की। कार्यक्रम में ध्वन्यात्मक जागरूकता, पठन-तत्परता और आनंदपूर्ण अधिगम वातावरण के लिए व्यावहारिक कक्षा-आधारित रणनीतियों का प्रदर्शन किया गया। ओमेगा प्रकाशन ने संरचित वर्कबुक श्रृंखला और रेडी टू रीड फॉनिक्स ऐप का शुभारंभ किया। प्रतिभागियों ने लर्निंग रिसोर्स गैलरी का अवलोकन किया और इसे प्रारंभिक शिक्षा के लिए लाभकारी बताया।

सृष्टि कटोच ने आईआईटी गेट की परीक्षा में किया ऑल इंडिया 198 रैंक प्राप्त

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हमीरपुर की निवासी सृष्टि कटोच ने समाजशास्त्र में आईआईटी गेट की परीक्षा उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ उत्तीर्ण की। उन्होंने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 198 हासिल की और 496 का शानदार स्कोर प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ वे किसी भी आईआईटी से पीएचडी कर सकती हैं और उन्हें स्कॉलरशिप भी प्राप्त होगी। उनकी इस सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। इससे पहले भी उन्होंने यूजीसी नेट की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। उनकी इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने पिता पूरन चंद कटोच और माता पूनम कुमारी कटोच को दिया, जिनके सहयोग और आशीर्वाद से यह मुकाम हासिल हुआ। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, मित्रों और क्षेत्रवासियों में गर्व का माहौल है।

रेलवे लाइन परियोजना में बाधाएं दूर करें, देरी बर्दाश्त नहीं: अनुराग

◆ हिमाचल व पंजाब सरकार के निठल्लेपन से नई ब्रॉडगेज रेल लाइन परियोजना में विलंब

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर ने नंगल-उना-तलवाड़ा-मुकेरियां नई ब्रॉडगेज रेल लाइन परियोजना में लंबित कार्यों और राज्य सरकारों के अपर्याप्त सहयोग पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

लोकसभा में उनके प्रश्न के उत्तर में रेल मंत्रालय ने बताया कि भूमि अधिग्रहण की कमी, लंबित वैधानिक स्वीकृतियां और भूमि हस्तांतरण में देरी के कारण परियोजना की प्रगति धीमी हो रही है। नंगल डैम, ऊना और अंदौरा तक 60 किमी का खंड सफलतापूर्वक संचालित हो चुका है, जबकि दौलतपुर चौक से तलवाड़ा तक 52 किमी का खंड अपेक्षित गति से धीमा है। कुल 278 हेक्टेयर भूमि में से अब तक केवल 189 हेक्टेयर अधिग्रहित हुई है। तलवाड़ा-मुकेरियां खंड में प्रमुख पुलों में 70% प्रगति के बावजूद वन भूमि स्वीकृतियों में देरी कार्य को प्रभावित कर रही है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह परियोजना केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय महत्व का रणनीतिक वैकल्पिक कॉरिडोर है, जो पठानकोट-जम्मू मार्ग का विकल्प और पंजाब-कांडी तथा हिमाचल के ऊना, हमीरपुर क्षेत्रों को आधुनिक रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। केंद्र ने बजट आवंटन बढ़ाया है, लेकिन राज्य सरकारों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा। उन्होंने दोनों राज्य सरकारों से भूमि हस्तांतरण, वन स्वीकृतियों और मुआवजा वितरण में शीघ्रता लाने का आग्रह किया और हर पखवाड़े प्रगति समीक्षा के लिए संयुक्त निगरानी तंत्र की मांग की। ठाकुर ने कहा कि हमीरपुर, ऊना और हिमालयी क्षेत्र के लोगों के लिए बेहतर रेल संपर्क उनकी प्राथमिकता है।

सुजानपुर में होने वाले एयर शो का बनें सब हिस्सा : नरेंद्र ठाकुर

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सुजानपुर में 25 और 26 मार्च को सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों के लिए भव्य एयर शो आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम उत्साहवर्धक और प्रेरणादायक रहेगा। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा पूर्व में देशभर के सैनिक स्कूलों में ऐसे शो आयोजित किए जाते रहे हैं, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय सेना के प्रति आकर्षण, देशभक्ति और भागीदारी की भावना बढ़ाना है। सुजानपुर चौगान में आयोजित इस शो में 9 हॉक एमके-132 विमान अद्भुत करतब दिखाएंगे। सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम लूप, बैरल रोल, उल्टा उड़ान और डीएनए पैंतरेबाजी का प्रदर्शन करेगी। इस आयोजन से स्कूली बच्चों में उत्साह, देशसेवा की भावना और वायु सेना में करियर के प्रति प्रेरणा बढ़ेगी। भारतीय जनता पार्टी, सुजानपुर ने सैनिक स्कूल प्रबंधन और रक्षा मंत्रालय का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया है और युवाओं से एयर शो में भाग लेने का आग्रह किया है।

बजट में ऐलान से विकास की उम्मीदें

जिले को मिलीं सौगातें, इंटीग्रेटेड पार्क, साइंस कॉलेज और हमीर होटल का होगा कायाकल्प

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। बजट में इस बार हमीरपुर जिले के लिए करीब आधा दर्जन ऐसे ऐलान हुए हैं जिनकी चर्चा तो बहुत पहले से हो रही थी, लेकिन अब बुनियादी तौर पर इनके हकीकत में बदलने की उम्मीद जग गई है।

मुख्यमंत्री ने अपने गृह विधानसभा क्षेत्र नादौन में इंटीग्रेटेड पार्क का भी निर्माण करवाने का ऐलान बजट में किया है। इसके अलावा बड़ा में कृषि विज्ञान केंद्र के पास स्पाइस उद्योग के रूप में 4 करोड़ की लागत से नया सिस्टम तैयार होगा। इसकी चर्चा पहले कई बार हुई है, लेकिन अब क्योंकि बजट में इसे बुनियाद दे दी गई है, इसलिए लोगों को उम्मीद है कि यह उद्योग हकीकत में बदल जाएगा।

इसके अलावा हमीरपुर में स्थित हमीर होटल में सुविधाएं बढ़ाने के लिए इसकी काया पलटने का भी ऐलान किया गया है। हिमाचल प्रदेश में शिमला स्थित टूरिज्म के होटल ट्रिपल-एच, देहरा और हमीरपुर में हमीर होटल पर तकरीबन 129 करोड़ रुपए खर्च जाएंगे। इनके बजट का आवंटन कैसे होगा? यह विषय बाद का है, लेकिन ऐलान जरूर हो गया है। इसके अलावा हमीरपुर में साइंस कॉलेज का ऐलान भी अब बजट में कर दिया गया है। इसकी भी चर्चा तो पहले से हो रही थी, लेकिन अब उम्मीद यही है कि यह हकीकत में बदल जाएगा? चालू शिक्षा सत्र में होगा या फिर अभी इसके लिए वक्त लगेगा? यह स्थिति अभी इंतजार में जरूर रहेगी। नादौन के इंटीग्रेटेड पार्क को मछली पार्क के रूप में भी विकसित करने की बात कही जा रही थी, अभी यह स्थिति क्लियर नहीं हुई है। लेकिन इस पर भी काम तो होगा ही, यह अब तय हो गया है। काबिले गौर यह है कि हमीरपुर जिला में टू-लेन टाइप सड़कों का निर्माण काफी जगह पर हो रहा है और यह अंतिम चरण में है। बस स्टैंड का निर्माण पहले ही यहां पर अच्छी खासी गति ले चुका है, यह मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है। दियोटसिद्ध में एशियन डेवलपमेंट बैंक से करीब 65 करोड़ रुपए से बड़े प्रोजेक्ट यानी परिसर को सुंदर बनाने का काम जारी हो चुका है। हमीरपुर को नगर निगम और दूसरे कस्बों को नगर परिषद और नगर पंचायतों का दर्जा देकर पहले ही कई सौगातें मिल चुकी हैं।

पुनर्गठित 34 ग्राम पंचायतों की मतदाता सूचियों के प्रारूपों के लिए होंगी ग्राम सभा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि विभाजन और पुनर्गठन से प्रभावित जिला की 34 ग्राम पंचायतों के मतदाता सूचियों के लिए 1 अप्रैल 2026 को अर्हक तिथि निर्धारित की गई है। इस तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी नाम दर्ज करा सकते हैं। परिसीमन के अंतिम प्रकाशन के तीन दिन भीतर वेरिफिकेशन और शिफ्टिंग होगी, इसके बाद प्रिव्यू कॉपी प्रकाशित की जाएगी। ग्राम सभा की बैठक के बाद मतदाता सूचियों पर कार्य शुरू होगा।

मुख्यमंत्री सुक्खू के जन्मदिन पर हमीरपुर में लगेगा रोजगार मेला

गांधी चौक पर लगेगा भंडारा, ब्लॉक स्तर पर होंगे कार्यक्रम: सुमन भारती

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, हमीरपुर। हमीरपुर में 26 मार्च को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के जन्मदिन पर विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला कांग्रेस के सौजन्य से आयोजित होने वाला यह मेला बचत भवन में लगेगा, जिसमें तकरीबन 21 बड़ी कंपनियों के हिस्सा लेने की बात कही गई है। इसमें आईटीआई, डिप्लोमा होल्डर और डिग्री होल्डर सभी तरह के लोग आवेदन कर सकते हैं। इसमें आवेदन के बाद इंटरव्यू भी होगा और उम्मीद यही है कि ज्यादातर बच्चों की सिलेक्शन भी उसी दिन हो जाएगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सुमन भारती ने बताया कि जन्मदिन पर फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशंस का गांधी चौक पर विशेष योगदान रहेगा, भंडारे भी लगेगा। ब्लॉक स्तर पर जिले में ब्लड डोनेशन कैंप लगेंगे। उनका कहना था कि मेडिकल कॉलेज के परिसर में कैंसर हॉस्पिटल के साथ-साथ अन्य सुविधाओं पर हजार करोड़ जो खर्चा जा रहा है, उससे यह साबित हो गया है कि सीएम स्वास्थ्य और शिक्षा का हब बनाने के लिए हमीरपुर को आगे ले जा रहे हैं।

प्रेसवार्ता करते जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सुमन भारती। अनंत ज्ञान

'चोर आप खुद हैं, आरोप पुलिस और सरकार पर'

सुमन भारती ने क्रेशर मामले से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा कि संबंधित परिवार की जमानत रद्द होने में सरकार का कोई दबाव नहीं है। यदि ऐसा होता, तो आरोपी पहले ही जेल में होते। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस अपना काम कर रही है और कोर्ट अपना काम करेगा। उन्होंने आरोपियों पर भी टिप्पणी की कि वे छुपकर अपनी जान बचा रहे हैं। सरकार मामले में निष्पक्ष रूप से कार्रवाई कर रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजू चौधरी, अनिल चौधरी और शहरी इकाई के पूर्व अध्यक्ष देवीदास शहंशाह सहित अन्य मौजूद थे।

राणा ने बजट को जनविरोधी और दिशाहीन एवं खोखले वादों का पुलिंदा दिया करार

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने मुख्यमंत्री के चौथे बजट पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने इसे जनविरोधी, दिशाहीन और खोखले वादों का पुलिंदा बताया। राणा ने कहा कि महिलाओं को 1500 रुपए देने, बेरोजगार युवाओं और किसानों के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। उन्होंने बजट को केवल राजनीतिक बयानबाजी का दस्तावेज करार दिया और बताया कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, उद्योग और रोजगार सृजन पर ध्यान नहीं दिया गया। राणा ने कहा कि बजट आम आदमी की जेब पर बोझ डालने वाला है और प्रदेश की जनता अब सरकार की कथनी और करनी के अंतर को भली-भांति समझ चुकी है।

सीएम ने प्रत्येक वर्ग का रखा विशेष ध्यान: पुष्पेंद्र

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के इस बजट में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रत्येक वर्ग का विशेष ध्यान रखा है। बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों का द्वार खोला गया है। साथ ही किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधारों के लिए बड़े बजट की घोषणा की गई है। कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र वर्मा ने कहा कि यह बजट प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, गांव और शहर दोनों के संतुलित विकास को बढ़ावा देने तथा रोजगार सृजन को केंद्र में रखकर तैयार किया गया एक दूरदर्शी और जनकल्याणकारी बजट है।

राकेश ठाकुर ने बजट को निराशाजनक बताया

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा प्रस्तुत हिमाचल बजट को जनभावनाओं के विपरीत और निराशाजनक करार दिया। उन्होंने कहा कि 3,586 करोड़ की कटौती से सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास कार्य प्रभावित होंगे। रोजगार, महिलाओं को आर्थिक सहायता और किसानों के वादे अधूरे हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी नौकरियां, महिलाओं को 1500 और दूध खरीद मूल्य से जुड़े वादे अब तक पूरे नहीं हुए।

विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने सराहा बजट

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सुजानपुर के विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने हिमाचल प्रदेश के वर्ष 2026-27 के बजट को जनकल्याण, सामाजिक सुरक्षा और संतुलित विकास की दिशा में ऐतिहासिक और प्रभावशाली बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और पशुपालन में किए गए प्रोत्साहन ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों के लिए वरदान हैं। 'मुख्यमंत्री अपना सुखी परिवार योजना' जैसी योजनाएं समाज के कमजोर वर्गों तक राहत पहुंचाएंगी। पर्यटन और हरित ऊर्जा में प्रस्तावित योजनाओं से रोजगार सृजन और प्रदेश की आय बढ़ेगी।

सीएम ने पेश किया ऐतिहासिक बजट : अजय

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) हमीरपुर के अध्यक्ष अजय शर्मा ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट 2026 का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक और बेहतरीन बताया। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए गेहूं, मक्की, हल्दी और अदरक के समर्थन मूल्य बढ़ाना तथा गाय और भैंस के दूध के भाव बढ़ाना बड़ी राहत है। इसके अलावा एक लाख महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह, 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली और युवाओं के लिए रोजगार सृजन जैसी घोषणाएं प्रदेश के चहुमुखी विकास और समाज के सभी वर्गों के उत्थान में मील का पत्थर साबित होंगी। अजय शर्मा ने सरकार के साहसिक निर्णयों की भी सराहना की।

प्रदेश की प्रगति में बाधक और दिशाहीन बजट: डॉ. अनिल

अनंत ज्ञान, भोरंज। भोरंज के पूर्व विधायक डॉ. अनिल धीमान ने हिमाचल प्रदेश बजट 2026 को विकास के दृष्टिकोण से निराशाजनक और दूरदृष्टिहीन बताया। उन्होंने कहा कि बजट न आम जनता की उम्मीदों पर खरा उतरता है और न ही प्रदेश को प्रगति की स्पष्ट दिशा देता है। डॉ. धीमान ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 3,586 करोड़ रुपये की कमी विकास कार्यों को प्रभावित करेगी, विशेषकर सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई और ग्रामीण विकास में। उन्होंने आरोप लगाया कि कृषि, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों में कोई ठोस नई योजना नहीं है। उन्होंने 2022 की कांग्रेस गारंटियों पर सवाल उठाया, जिसमें एक लाख सरकारी नौकरियों और 28 लाख महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह देने की योजनाएं अधूरी हैं, जबकि 5 लाख रोजगार सृजन का दावा केवल कागज तक सीमित है।

चुनाव 'भवें' ताने हैं दोनों खेमे, आम सहमति या होगा वोटिंग से चुनाव? संशय बरकरार

सीनियर सिटीजन काउंसिल हमीरपुर के चुनाव आज

◆ पहली बार 328 आजीवन सदस्य करेंगे मतदान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, हमीरपुर। सीनियर सिटीजन काउंसिल हमीरपुर के चुनाव को लेकर यहां माहौल खूब गर्माया हुआ है। रविवार को टाउन हॉल में हो रही चुनावी बैठक के लिए इस बार पहली मर्तबा 328 आजीवन सदस्य हिस्सा लेंगे। इसमें 11:55 बजे तक ही चुनाव सभा के भीतर इन सदस्यों की एंट्री हो सकेगी। चुनाव सेवानिवृत प्रिंसिपल पुरुषोत्तम कालिया की देखरेख में होंगे। इस चुनाव के लिए दोनों खेमे 'भौहें' ताने हुए हैं, दोनों में आम सहमति से यह चुनाव होगा या फिर वोटिंग की नौबत आने वाली है? इस पर संशय बरकरार है।

गौरतलब है कि इससे पहले इस संस्था के केवल 14, 15 सदस्य ही हुआ करते थे। जो पिछले दो ढाई दशकों से जिम्मेवारी संभाले हुए थे। लेकिन पिछले कुछ समय से संस्था की गतिविधियों पर सवाल उठे थे और इसी वजह से जिला प्रशासन ने इसके चुनाव के लिए और सदस्य बनाने की हिदायत दी थी। 5 मार्च तक सदस्यता अभियान चला और उसकी सारी रिपोर्ट एसडीएम हमीरपुर के पास जमा करवाई गई। अब 22 मार्च को चुनाव सभा हो रही है। इसीलिए इस चुनाव को लेकर माहौल खूब गर्माया हुआ है। अध्यक्ष कौन बनेगा? यह यक्ष प्रश्न खूब चर्चा का विषय बना हुआ है। मौजूदा सभा के अध्यक्ष विजय कुमार पुरी लगातार दो बार अध्यक्ष चले आ रहे हैं। इसलिए लगातार तीसरी मर्तबा वे अध्यक्ष नहीं बन सकते। इनका खेमा चाहता है कि पुराने लोगों में से ही कोई फिर से काउंसिल की बागडोर संभाले। जबकि जिन्होंने इस बार बड़े स्तर पर मेंबरशिप करवाने का दम भरा और जिला प्रशासन ने भी इसमें अपनी रुचि दिखाई, वह खेमा चाहता है कि परंपरा को तोड़कर बागडोर नए सदस्यों के हवाले किया जाए, यही इस चुनाव सभा का मुख्य हिस्सा रहने वाला है। नए खेमे का नेतृत्व व्यावहारिक रूप में तेजनाथ कर रहे हैं।

इस चुनाव सभा के लिए चुनाव अधिकारी के रूप में रिटायर्ड प्रिंसिपल पुरुषोत्तम कालिया की तनाती की गई है। काउंसिल के वर्तमान अध्यक्ष विजय कुमार पुरी का कहना है कि पुरुषोत्तम कालिया को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि आब्जर्वर के रूप में स्थानीय तहसीलदार भी चुनाव सभा में मौजूद रहेंगे। सभा में सबसे पहले 7 सदस्य चुने जाएंगे।

किस मकसद से संस्था का हुआ था गठन

करीब ढाई दशक पहले इस संस्था का गठन इस उद्देश्य से हुआ था कि हमीरपुर जिला मुख्यालय के अस्पताल में रोगियों को सुबह, दोपहर और शाम का भोजन उपलब्ध कराया जाए और उनके साथ आने वाले तीमारदारों को भी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा सकें। शुरूआत में यह कार्य आसान नहीं था, लेकिन जैसे-जैसे संस्था का विस्तार हुआ, दानी सज्जनों का सहयोग लगातार बढ़ता गया। आज यह करोड़ों की संपत्ति वाली संस्था गरीबों, जरूरतमंदों और बच्चों की आर्थिक सहायता, मकान गिरने पर पुनर्वास और गौशालाओं को अनुदान जैसी कई सेवाएं प्रदान कर रही है। संस्था का मेडिकल कॉलेज परिसर में भवन है, जिसमें खाना बनाने की सुविधा, सभा कक्ष और उपरी मंजिल पर जरूरतमंदों के लिए निशुल्क ठहरने के कमरे भी उपलब्ध हैं।

खाई में गिरी पर्यटकों की कार, 3 की मौत

डलहौजी-करेलनू मार्ग पर पेश आया हादसा, कार में सवार थे 6 पर्यटक, पंजाब से डलहौजी आए थे घूमने

अनंत ज्ञान

अजीत सिंह, डलहौजी। डलहौजी-करेलनू सड़क मार्ग पर शनिवार सुबह करीब 3:45 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा पेश आया, जिसमें पर्यटकों से भरी एक कार अनियंत्रित होकर करीब डेढ़ किलोमीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसा इतना भयावह था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, सिमरन प्रीत कौर (18) निवासी कपूरथला और सुरेन्द्र (25) निवासी जालंधर को मौके पर मृत घोषित किया गया। वहीं सोफिया (लगभग 19 वर्ष) ने गंभीर हालत में पठानकोट ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

घायलों में प्रिंस (21) निवासी अमृतसर, सुमन प्रीत (19) निवासी फिरोजपुर और बलबीर सिंह (20) निवासी बरनाला शामिल हैं। इनमें

पुलिस जवान मामले की छानबीन करते हुए। अनंत ज्ञान

सुमन प्रीत और बलबीर सिंह का उपचार सिविल अस्पताल डलहौजी में चल रहा है, जबकि प्रिंस को गंभीर हालत में पठानकोट रेफर किया गया है।

बताया जा रहा है कि हादसे के समय कार में कुल 6 पर्यटक सवार थे, जो पंजाब से डलहौजी घूमने आए थे। हादसा गांधी चौक के करेलनू रोड पर हुआ, जहां वाहन फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और स्थानीय राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र और अंधेरे के कारण राहत कार्य में काफी मुश्किलें आईं। घायल प्रिंस के बयान के आधार पर पुलिस ने धारा 173 ब्नहस्स के तहत बयान दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच और एमएलसी रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। यह मुकदमा आरोपी चालक सुरिन्द्र उर्फ सोनू उर्फ इन्द्र के खिलाफ दर्ज किया गया है। एफआईआर सुबह 10:59 बजे दर्ज की गई। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती तौर पर फिसलन, तेज रफ्तार या वाहन पर नियंत्रण खोना हादसे की संभावित वजह मानी जा रही है।

करंट लगने से पशु की मौत, लोगों में दहशत

अनंत ज्ञान, देशराज कश्यप, धरवाला। विकासखंड मैहला की ग्राम पंचायत बलोठ के गांव खलोती में बिजली के करंट की चपेट में आने से एक पशु की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शुक्रवार तकरीबन 2बजे नखरो देवी गांव खलोती ग्राम पंचायत बलोठ जब अपने मवेशियों को चारा खिलाने साथ लगते खेत में थी तभी एक भेड़ को खेत में लगे खंभे में अचानक आए करंट लगने से वहीं मौके पर मौत हो गई। नखरो देवी सहित स्थानीय लोगों शिव कुमार, कल्याण सिंह, चैन सिंह, प्यार सिंह, पवन कुमार, केवल, राजू, ओम शरण, जय करण, रोशन लाल, बालकृष्ण, विपिन इत्यादि गांव वासियों का कहना है कि बिजली का खंभा जो खलोती गांव के चौराहे पर रास्ते के बिल्कुल करीब है जहां से समस्त गांववासी वह स्कूल जाने वाले बच्चे उसी रास्ते से होकर गुजरते हैं। लोगों का कहना है कि बिजली के खंभे में अचानक मौसम खराब होने से बिजली का करंट जमीन पर आ रहा है जिससे स्थानीय लोगों वह स्कूल जाने वाले बच्चों को लेकर अभिभावकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग अतिशीघ्र खंभे से जमीन पर आ रहे करंट को दुरुस्त करे ताकि लोगों की आवाजाही सहज हो सके।

26 घंटे बाद बहाल हुआ खड़ामुख-होली मार्ग

एडीएम भरमौर खुद मौके पर डटे, लगातार लैंडस्लाइड से यात्री परेशान

अनंत ज्ञान

भरमौर/चंबा। खड़ामुख-होली मार्ग शुक्रवार दोपहर बाद हुए भारी लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया था, जिसे करीब 26 घंटे बाद बहाल किया जा सका। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों सहित स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, लगातार हो रहे भूस्खलन के चलते मौके पर तैनात जेसीबी ऑपरेटर भी काम करने से कतराते रहे, जिससे सड़क बहाली का कार्य प्रभावित हुआ। हालात की गंभीरता को देखते हुए एडीएम भरमौर खुद मौके पर पहुंचे और राहत व बहाली कार्य की निगरानी की। उनके साथ लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता भरमौर भी मौजूद रहे।

हालांकि, सड़क को बहाल किए जाने के कुछ समय बाद लगातार गिरते मलबे और पत्थरों के कारण मार्ग फिर से प्रभावित होता रहा। बताया जा रहा है कि पहाड़ी का

26 घंटे बाद बहाल हुआ खड़ामुख-होली मार्ग। अनंत ज्ञान

◆ जान जोखिम में डालकर सड़क पार करते रहे लोग

करीब 20 से 25 मीटर हिस्सा लगातार धंस रहा है, जिससे मार्ग बार-बार बंद होने की स्थिति बन रही है। इस दौरान सड़क के दोनों ओर फंसे यात्री जान जोखिम में डालकर एक ओर से दूसरी ओर पैदल पार करते नजर आए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन को स्थिति की गंभीरता से अवगत कराया, जिसके बाद अधिकारियों ने मौके पर डटकर सड़क बहाली सुनिश्चित की।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि मौसम सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा से बचें और पहाड़ी मार्गों पर विशेष सावधानी बरतें।

न्यूज ब्रीफ

526 ग्राम चरस के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, चंबा। चंबा से स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट (एसआईयू) ने नशा तस्करों के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता हासिल की। शनिवार को नंदगांव, सिल्लाघराट के पास 41 वर्षीय गुलाम मोहम्मद को 526 ग्राम चरस/कैनाबिस के साथ गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई इंस्पेक्टर गगन की अध्यक्षता में हुई। एसआईयू ने दो दिनों में यह दूसरी बड़ी गिरफ्तारी की है, जिससे क्षेत्र में तस्करों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोग टीम की सराहना कर रहे हैं और उम्मीद जताई है कि नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई इसी तरह जारी रहेगी।

पल्लवी को मिस व तुषार बने मिस्टर फेयरवेल

अनंत ज्ञान, चंबा। चंबा से राजकीय महाविद्यालय के विज्ञान संकाय (जीव विज्ञान) में बीएससी मेडिकल प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए भव्य 'आरोहन' विदाई समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में डॉ. मनेश वर्मा, डॉ. पूनम, प्रोफेसर सुमित, प्रोफेसर अविनाश सहित अन्य प्रोफेसर अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य, कविता, शायरी और रैंप वॉक जैसी प्रस्तुतियों से रंगत बढ़ाई। पल्लवी को 'मिस फेयरवेल', तुषार को 'मिस्टर फेयरवेल', पलक को 'मिस चार्मिंग' और विनय को 'मिस्टर हैंडसम' चुना गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी प्राध्यापक और छात्र शामिल हुए।

हॉकी चैंपियनशिप के लिए टीम घोषित

अनंत ज्ञान, चंबा। चंबा से जिला हॉकी संघ ने हरीपुर ग्राउंड में ट्रायल्स के बाद सीनियर स्टेट हॉकी चैंपियनशिप 2026 के लिए 18 सदस्यीय टीम घोषित की। चयनित खिलाड़ी जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए और अपनी तकनीकी दक्षता, फिटनेस व खेल समझ का शानदार प्रदर्शन किया। चयन समिति ने अनुभव और युवा ऊर्जा का संतुलित मिश्रण रखने वाली टीम बनाई। संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी और विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर प्रदर्शन को और बेहतर बनाने का आश्वासन दिया। चैंपियनशिप ऊना जिले में होगी और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

जामा मस्जिद में अदा की गई मुख्य नमाज

अनंत ज्ञान, आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर। रामपुर में शनिवार को इद-उल-फितर (ईद) का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया गया। ईद की मुख्य नमाज रामपुर की डाडे शाह नूर इलाही जामा मस्जिद रामपुर में अदा की गई। इस मौके वर्ग विशेष समुदाय के लोगों ने नमाज के बाद एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और मिठाइयां बांटी। मस्जिद के मौलवी मोहम्मद आलमगीर ने अपने संदेश में क्षेत्र की खुशहाली की कामना की और सभी से आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। नमाज अदा करने के लिए रामपुर के अलावा अन्य स्थानों से भी लोग यहां पहुंचे थे।

चंबा में ईद-उल-फितर धूमधाम से मनाई

अनंत ज्ञान, चंबा। आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक ईद-उल-फितर का पावन पर्व चंबा जिले में पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चंबा के चौगान नंबर-5 में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सामूहिक रूप से ईद की

नमाज अदा की और एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी। त्योहार की खास बात यह रही कि हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मिलकर इस पर्व को मनाया और आपसी एकता की अनूठी मिसाल पेश की। नमाज अदा करने से पहले जामा मस्जिद चंबा के इमाम मोहम्मद यासीन रजा ने उपस्थित लोगों को ईद-उल-फितर के महत्व के बारे में बताया और सभी को भाईचारे, प्रेम और शांति के साथ जीवन जीने का संदेश दिया। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चे भी आकर्षक परिधानों में सजे-धजे नमाज अदा करने पहुंचे, जिससे पूरे माहौल में खुशी और उल्लास का रंग और गहरा हो गया। नमाज के बाद लोगों ने देश में सुख-शांति और समृद्धि के लिए दुआएं मांगीं। इमाम मोहम्मद यासीन रजा ने कहा कि ईद-उल-फितर रमजान के पूरे महीने के रोजों के समापन के बाद मनाया जाता है और यह पर्व इंसानियत, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि चंबा में सभी धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं।

तारामाता मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन शिमला के बीसीएस स्थित तारामाता मंदिर में आस्था का अद्भुत नज़ारा देखने को मिला। मौसम साफ होते ही सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर की ओर उमड़ पड़ी और दर्शन के लिए लंबी कतारें लग गईं। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा, जहां हर कोई माता के दरबार में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त करने को आतुर दिखा। माता चंद्रघंटा की आराधना के इस विशेष दिन पर सैकड़ों ही नहीं बल्कि हजारों की तादाद में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में जगह-जगह भक्त कतारों में खड़े नजर आए और 'जय माता दी' के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर माता से सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर में भंडारे का भी विशेष आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिसकी छटा देखते ही बन रही थी। पूरे दिन मंदिर परिसर में रौनक बनी रही और श्रद्धालुओं का आना-जाना लगातार जारी रहा।

राज्य स्तरीय रैंकिंग में चायल-कोटी कॉलेज ने हासिल किया तीसरा स्थान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और उत्कृष्टता की मिसाल पेश करते हुए राजकीय महाविद्यालय चायल-कोटी ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 की राज्य स्तरीय रैंकिंग में तृतीय श्रेणी के अंतर्गत तीसरा स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश भर के 141 महाविद्यालयों के बीच हुए इस मूल्यांकन में संस्थान ने समग्र रूप से 45वां स्थान हासिल कर अपनी सुदृढ़ शैक्षणिक पहचान स्थापित की है। यह उपलब्धि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रदर्शन के आधार पर मिली है, जिसमें संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता, आधारभूत सुविधाएं, विद्यार्थियों के परिणाम और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को प्रमुखता से परखा जाता है।

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा लागू स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट प्रणाली के तहत महाविद्यालयों का मूल्यांकन सात प्रमुख मानदंडों पर

चायल-कोटी कॉलेज की टीम को बधाई देते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर। अनंत ज्ञान

◆ 141 महाविद्यालयों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन

◆ गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरने का मिला प्रतिफल

किया जाता है, जिनमें अध्ययन-अध्यापन की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की भागीदारी, खेल व सांस्कृतिक गतिविधियां और संस्थागत संसाधनों का समुचित उपयोग शामिल है। दूरस्थ क्षेत्र कोटी में स्थित इस महाविद्यालय के लिए यह सम्मान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। प्राचार्या डॉ. दीपशिखा भारद्वाज ने इस सफलता का श्रेय आईक्यूएसी समिति के अध्यक्ष डॉ. अजय कायथ और उनकी समर्पित टीम को देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता ही इस उपलब्धि का आधार रही है।

चंबा में गूंजा एमटीबी 2026 का आगाज

अनंत ज्ञान, चंबा। चंबा से इस सप्ताहांत हिमाचल में एडवेंचर और खेल का उत्साह चरम पर है। एमटीबी चंबा 2026 के लिए पंजीकरण शनिवार को संपन्न हुआ और माउंटेन बाइकिंग इवेंट की आधिकारिक शुरुआत हुई। यह आयोजन हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम और चलो चंबा अभियान द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया। देश के 10 राज्यों और 20 से अधिक शहरों से करीब 70-80 राइडर्स ने भाग लिया। प्रतिभागी पांच श्रेणियों में मुकाबला करेंगे, कुल 2.25 लाख के नकद पुरस्कार के लिए। पंजीकरण के बाद चौगान मैदान में उपायुक्त ने ध्वजारोहण किया। इसके साथ ही 8 किलोमीटर लंबी 'हेरिटेज राइड' का आयोजन हुआ, जिसमें राइडर्स ने चंबा के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। मुख्य प्रतियोगिता रविवार को ट्रैक पर आयोजित होगी। आयोजन चंबा साइक्लिंग एसोसिएशन और सहयोगी संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है।

3,000 करोड़ के पैकेज का मनीष सरीन ने किया स्वागत

अनंत ज्ञान

डलहौजी/चंबा। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा घोषित 3000 करोड़ के पर्यटन निवेश पैकेज का सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मनीष सरीन ने स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह पहल राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के साथ पर्यटन क्षेत्र को भी मजबूती प्रदान करेगी।

सरीन ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुखू के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और भौगोलिक विविधता के कारण देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आर.एस. बाली की सक्रिय भूमिका की भी प्रशंसा की। हालांकि, सरीन ने कहा कि चंबा जिले को इस योजना में विशेष प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने इसे 'आकांक्षी जिला' बताते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के बावजूद यहां बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पर्यटन का पूर्ण विकास नहीं हो पाया है। उन्होंने सरकार से चंबा में एयरस्ट्रिप निर्माण, वॉटर एयरोड्रोम और सीप्लेन सेवाएं शुरू करने की मांग की। इसके अलावा रोपवे, वॉटर स्पोर्ट्स, ईको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। सरीन ने कहा कि सड़कों, आवास और अन्य सुविधाओं का विस्तार कर चंबा को प्रमुख पर्यटन केंद्र बनाया जा सकता है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार संतुलित विकास को ध्यान में रखते हुए चंबा को पर्यटन रणनीति में उचित स्थान देगी।

'बैक गियर बजट' से हिमाचल जाएगा पीछे: डॉ. राजीव बिंदल

अनंत ज्ञान

◆ कहा-4000 करोड़ कटौती से विकास पर पड़ेगा असर

◆ कांग्रेस की गारंटियों को बताया सबसे बड़ा धोखा

ब्यूरो, शिमला। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने वर्ष 2026 के प्रदेश बजट को हिमाचल को पीछे ले जाने वाला 'बैक गियर बजट' करार देते हुए कहा कि इसमें करीब 4000 करोड़ की कटौती कर विकास योजनाओं पर सीधा प्रहार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे क्षेत्रों में केवल केंद्र प्रायोजित योजनाओं को जोड़कर बजट को बड़ा दिखाने का प्रयास किया है, जबकि राज्य स्तर पर कोई ठोस नई पहल नजर नहीं आती। बिंदल ने कहा कि प्रदेश का अधिकांश विकास केंद्र सरकार के सहयोग से हो रहा है, बावजूद इसके राज्य सरकार लगातार केंद्र पर आरोप मढ़ती रही है।

उन्होंने कांग्रेस की 2022 की गारंटियों को 'सबसे बड़ा झूठ' बताते हुए कहा कि एक लाख सरकारी नौकरियों, 28 लाख महिलाओं को ₹1500 मासिक

सहायता और ₹100 प्रति लीटर दूध खरीद जैसे वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि पांच लाख रोजगार सृजन का दावा भी केवल कागजों तक सीमित है, जबकि बजट में कानून व्यवस्था, अस्पतालों में दवाइयों की कमी और बंद संस्थानों को खोलने जैसे मुद्दों पर कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया। बिंदल ने आरोप लगाया कि यह बजट खोखले आंकड़ों का पुलिंदा है, जिसमें न विकास की स्पष्ट दिशा है और न ही जनता को राहत देने की कोई ठोस योजना।

प्रदेश को अमीर राज्य बनाने का सपना, क्या केंद्र सरकार पर आधारित था: जनकराज

अनंत ज्ञान, धरवाला। पांगी भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने विधानसभा सत्र के दौरान वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा की प्रदेश सरकार का प्रत्येक बजट में कहना है कि हिमाचल प्रदेश को 2027 में आत्मनिर्भर राज्य बना देंगे। वह 2032 में हिमाचल प्रदेश को सबसे अमीर राज्य बना देंगे वहीं हिमाचल प्रदेश सरकार अब यह रोना रो रही है कि केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली आरडीजी बंद कर दी गई है। पांगी भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने तंज कसते हुए कहा कि वर्तमान सरकार का जो एजेंडा हिमाचल को आत्मनिर्भर वह सबसे अमीर राज्य बनाने का जो सपना था क्या वह केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली आरडीजी पर आधारित था। वहीं उन्होंने कहा 3 दिन की चर्चा वर्तमान सरकार द्वारा बचत सत्र के पहले दिन एक विशेष मुद्दे पर रखी गई थी जिसमें वर्तमान सरकार द्वारा कहा गया कि केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव प्रेषित किया जाएगा। जिसमें विपक्ष में बैठी सरकार भारतीय जनता पार्टी ने भी चर्चा में भाग लिया वह एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार आपके द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर कोई भी अमल नहीं करेगी तब समस्या का निवारण क्या रहेगा इस विषय पर पहले कोई चर्चा नहीं हुई। वहीं पांगी भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने कहा कि हम हिमाचल के साथ खड़े हैं ना की कांग्रेस के साथ।

डीम गांव में अग्निकांड पीड़ितों के बीच पहुंचे चेतन बरागटा, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

प्रभावित परिवार से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाते चेतन बरागटा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। जुब्बल उपमंडल की पराली पंचायत के डीम गांव में हाल ही में हुई आगजनी की दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को गहरे सदमे में डाल दिया है। इस हादसे के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेता चेतन बरागटा स्वयं प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे और उनके दु:ख-दर्द को साझा किया। उन्होंने देविन्दर बंटा तथा मोहिंदर बंटा के घर जाकर हालात का जायजा लिया और परिवारजनों को इस कठिन घड़ी में हिम्मत बनाए रखने का संदेश दिया। बरागटा ने कहा कि ऐसी विपदाएं न केवल परिवार बल्कि पूरे समाज को झकझोर देती हैं, ऐसे में हर व्यक्ति का कर्तव्य बनता है कि वह पीड़ितों के साथ खड़ा हो।

इस दौरान चेतन बरागटा ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए प्रशासन से भी तत्काल राहत उपलब्ध करवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आगजनी जैसी घटनाओं में नुकसान की भरपाई आसान नहीं होती, इसलिए सरकार और प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ त्वरित कदम उठाने चाहिए। वहीं स्थानीय लोगों ने भी इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए एकजुट होकर पीड़ित परिवारों की सहायता करने का संकल्प लिया, जिससे क्षेत्र में मानवीय संवेदना और सहयोग की मिसाल देखने को मिली।

प्रतिक्रिया | प्रदेश सरकार के बजट पर बागवानों की अनदेखी पर हरीश चौहान का हमला

कृषि क्षेत्र को मिला सहारा, बागवानी फिर भी उपेक्षित

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत बजट पर फल, सब्जी एवं फूल उत्पादक संघ के अध्यक्ष हरीश चौहान ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे मिश्रित संकेतों वाला बजट करार दिया है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर कृषि क्षेत्र के लिए कुछ सराहनीय फैसले लिए गए हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की लगभग 5000 करोड़ रुपये की आर्थिकी से जुड़े सेब बागवानों की प्रमुख मांगों को नजरअंदाज किया गया है, जो गंभीर चिंता का विषय है। कृषि आयोग के गठन की घोषणा को सकारात्मक बताते हुए चौहान ने यह भी कहा कि यदि इसके स्थान पर कृषि आय आयोग बनाया जाता तो किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में अधिक प्रभावी कदम साबित हो सकता था।

संघ अध्यक्ष ने प्राकृतिक खेती और पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का स्वागत किया। उन्होंने दूध के दामों में बढ़ोतरी, ऑर्गेनिक गेहूं, मक्का, जौ, हल्दी और अदरक के समर्थन मूल्य में इजाफा तथा मछुआरों के लिए पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किए जाने को ऐतिहासिक बताया। साथ ही पारंपरिक बीज संरक्षण के लिए प्रोत्साहन, स्वयं सहायता समूहों को सहायता, बाड़बंदी योजना और भेड़ पालकों के लिए बीमा योजना को भी सराहनीय कदम बताया। इसके बावजूद उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदेश की पहचान माने जाने वाले फलों, विशेषकर सेब के लिए किसी भी प्रकार का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय नहीं किया गया, जो बागवानों के हितों की अनदेखी है।

सेब बागवानों के लिए बजट में नहीं कोई ठोस घोषणा: चौहान

हरीश चौहान ने गहरी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि सेब बागवानों के लिए बजट में कोई ठोस घोषणा नहीं की गई है।

सीमित संख्या में पौध तैयार करने की योजना बागवानों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती। उन्होंने कहा कि जहां एवोकाडो, ड्रैगन फ्रूट और ब्लूबेरी जैसे फलों को बढ़ावा देने की बात की गई है, वहीं नाशपाती, प्लम, आड़ू, खुरमानी और चेरी जैसे पारंपरिक फलों के लिए कोई विशेष योजना नहीं लाई गई। इसके अलावा एमआईएस योजना के तहत करीब 120 करोड़ रुपये का बकाया होने के बावजूद बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया। वर्ष 2023 से लंबित कृषि उपकरणों की सब्सिडी, जो 100 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है, उस पर भी सरकार की चुप्पी चिंता बढ़ा रही है।

शिक्षा की अनदेखी: अनिल ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के आम बजट को लेकर एसएफआई के राज्य अध्यक्ष अनिल ठाकुर ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रस्तुत बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए कोई बड़ा और ठोस निवेश या व्यापक योजना नजर नहीं आती, जबकि प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी, शिक्षकों के खाली पद और लगातार बढ़ती फीस जैसे गंभीर मुद्दे लंबे समय से बने हुए हैं।

अनिल ठाकुर ने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े इन महत्वपूर्ण सवालों को पूरी तरह नजरअंदाज किया है, जिससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि शिक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए पर्याप्त बजट प्रावधान और ठोस नीतिगत फैसले किए जाएं, ताकि छात्रों को बेहतर सुविधाएं और समान अवसर सुनिश्चित हो सकें।

'आप' का आरोप—जनप्रतिनिधि निष्क्रिय और सरकार भेदभावपूर्ण

अनंत ज्ञान

◆ बस सेवाओं से मेडिकल कॉलेज तक मुद्दों पर बवाल

◆ डलहौजी के विधायक पर जनता के मुद्दों पर चुप्पी का लगाया आरोप

चंबा। जिले के जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। आम आदमी पार्टी ने बस सेवाओं में कटौती, लंगेरा-टांडा रूट और मेडिकल कॉलेज जैसे विषयों पर राज्य सरकार व स्थानीय जनप्रतिनिधियों को घेरा है। पार्टी के जिला संयोजक अजय अटवाल ने विधानसभा में हुई चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चंबा के जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाए हैं। उन्होंने डलहौज़ी से विधायक डी.एस. ठाकुर की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रभावी ढंग से नहीं उठा सके। अटवाल ने कहा कि लंगेरा से टांडा तक बस सेवा जैसे बुनियादी विषय पर सरकार को मजबूती से घेरने की जरूरत थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा में उनकी प्रस्तुति स्वतंत्र न होकर पूर्व निर्धारित लग रही थी। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री पर निशाना साधते हुए

अटवाल ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार परिवहन सेवाओं के मामले में चंबा, विशेषकर डलहौज़ी क्षेत्र के साथ भेदभाव कर रही है। घाटे का हवाला देकर बस सेवाओं में कटौती की जा रही है, जिससे दूरदराज क्षेत्रों के लोग प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों के विधायकों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। साथ ही चंबा मेडिकल कॉलेज के सरोल स्थित नए भवन में देरी को राजनीतिक कारणों से जोड़ते हुए जल्द समाधान की मांग की।

जो व्यक्ति इंसान की बनाई मूर्ति की पूजा करता है, लेकिन भगवान की बनाई मूर्ति (इंसान) से नफरत करता है, वह भगवान को कभी प्रिय नहीं हो सकता। -स्वामी ज्योतिनंद

संपादकीय

गैस संकट और संयम

आधुनिक समय में रसोई गैस केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जीवन की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है। जिस तरह बिजली के बिना दैनिक जीवन ठहर जाता है, उसी प्रकार एलपीजी के अभाव में घर-परिवार की दिनचर्या प्रभावित हो जाती है। रसोई से लेकर छोटे-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक, हर जगह गैस की भूमिका केंद्रीय हो गई है। ऐसे में जब वैश्विक परिस्थितियों के कारण गैस आपूर्ति प्रभावित होती है, तो इसका असर सीधे आमजन के जीवन पर पड़ता है। वर्तमान परिदृश्य में अंतरराष्ट्रीय तनाव-विशेष रूप से अमेरिका, इसराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष ने ऊर्जा आपूर्ति शृंखला पर गंभीर दबाव डाला है। वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ी है और इसका प्रभाव भारत जैसे देशों पर भी दिखने लगा है। यह स्थिति कितने समय तक बनी रहेगी, यह कहना मुश्किल है, लेकिन इतना तय है कि जब तक हालात सामान्य नहीं होते, तब तक गैस को लेकर अनिश्चितता बनी रह सकती है।

एक समय था जब लोग लकड़ी, उपले या कोयले के सहारे खाना बनाते थे। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कहीं-कहीं यह परंपरा जीवित है। लेकिन शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली के विस्तार ने एलपीजी को लगभग अपरिहार्य बना दिया है। स्वच्छता, सुविधा और समय की बचत के कारण लोगों ने पारंपरिक चूल्हों से दूरी बना ली है।

यही कारण है कि जैसे ही गैस की आपूर्ति में कमी या संकट की खबर आती है, लोगों में चिंता बढ़ जाती है। यह चिंता स्वाभाविक है, लेकिन घबराहट में बदल जाना स्थिति को और जटिल बना सकता है। आधुनिकता ने जहां जीवन को आसान बनाया है, वहीं हमें कुछ हद तक निर्भर भी बना दिया है। ऐसे संवेदनशील समय में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदम सराहनीय हैं। राज्यों को एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश देना एक त्वरित और आवश्यक निर्णय है। 23 मार्च से 20 प्रतिशत अधिक गैस आपूर्ति का फैसला इस बात का संकेत है कि सरकार स्थिति की गंभीरता को समझ रही है और उसे नियंत्रित करने के लिए सक्रिय है।

हालांकि यह भी स्पष्ट है कि यह आपूर्ति अभी प्री-क्राइसिस स्तर के लगभग 50 प्रतिशत तक ही पहुंच पाएगी, लेकिन फिर भी यह कदम राहत देने वाला है। संकट के समय में छोटे-छोटे सुधार भी बड़े प्रभाव डालते हैं। विशेष रूप से सामुदायिक रसोई, रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और औद्योगिक कैंटीन को प्राथमिकता देना एक व्यावहारिक निर्णय है। ये स्थान न केवल बड़ी संख्या में लोगों को भोजन उपलब्ध कराते हैं, बल्कि रोजगार का भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इनके संचालन में बाधा आने से व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर पड़ सकता है।

सरकार द्वारा प्रवासी मजदूरों को प्राथमिकता के आधार पर 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने का निर्णय मानवीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह वर्ग अक्सर सबसे अधिक प्रभावित होता है, क्योंकि इनके पास सीमित संसाधन होते हैं और विकल्प भी कम होते हैं। यह कदम न केवल उनके जीवन को आसान बनाएगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि संकट के समय में समाज का कोई वर्ग पूरी तरह उपेक्षित न रह जाए। किसी भी संकट के समय एक बड़ी चुनौती कालाबाजारी और जमाखोरी की होती है। गैस जैसी जरूरी वस्तु में यदि गलत तरीके से मुनाफाखोरी शुरू हो जाए, तो आम जनता की परेशानियां कई गुना बढ़ जाती हैं।

सरकार द्वारा इस पर रोक लगाने के निर्देश देना अत्यंत आवश्यक कदम है, लेकिन केवल निर्देश पर्याप्त नहीं होते-इसके लिए सख्त निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि आपूर्ति शृंखला में कहीं भी गड़बड़ी न हो और जरूरतमंदों तक गैस उचित मूल्य पर पहुंचे। संकट केवल सरकार के प्रयासों से नहीं टलते, बल्कि उसमें जनता की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इस समय सबसे जरूरी है कि लोग घबराहट में आकर जरूरत से ज्यादा गैस जमा करने की कोशिश न करें। पैनिक बढ़ाने से स्थिति और बिगड़ती है। इससे वास्तविक जरूरतमंदों तक गैस पहुंचने में बाधा आती है। इसलिए जरूरी है कि लोग संयम बरतें और केवल आवश्यकता के अनुसार ही गैस का उपयोग करें। साथ ही, कालाबाजारी से बचना और ऐसी गतिविधियों की सूचना प्रशासन को देना भी नागरिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। संकट के समय सामाजिक सहयोग ही सबसे बड़ी ताकत बनता है। यह गैस संकट एक संकेत भी है कि हमें ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर गंभीरता से विचार करना होगा। सौर ऊर्जा, बायोगैस और अन्य नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देकर हम भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से निपट सकते हैं। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र | आज की प्रमुख हस्ती

ऑटोमोबाइल क्षेत्र के अग्रणी उद्यमी

टीवी सुन्दरम अयंगर भारत के प्रमुख उद्योगपतियों में से एक थे, जिन्होंने देश में ऑटोमोबाइल और सड़क परिवहन उद्योग की मजबूत नींव रखी। उनका जन्म 22 मार्च 1877 को तमिलनाडु के थिरुनेलवेली जिले में हुआ था। प्रारंभ में उन्होंने अपने पिता की इच्छा के अनुसार वकालत का पेशा अपनाया, लेकिन बाद में रेलवे और बैंक की नौकरी करने के बाद उन्होंने व्यवसाय की ओर कदम बढ़ाया।

टीवी सुन्दरम अयंगर
जन्म : 22 मार्च, 1877
मृत्यु : 28 अप्रैल, 1955

वर्ष 1911 में उन्होंने 'टी वी सुन्दरम अयंगर एंड संस' की स्थापना की और मदुरै में पहली बस सेवा शुरू की। उस समय मोटर वाहन आम लोगों के लिए दुर्लभ थे, लेकिन उन्होंने इसे जनसेवा का माध्यम बनाया। यही पहल आगे चलकर टीवीएस ग्रुप के रूप में विकसित हुई, जो आज भारत के प्रमुख औद्योगिक घरानों में गिना जाता है।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पेट्रोल की कमी होने पर उन्होंने वैकल्पिक समाधान के रूप में टीवीएस गैस प्लांट शुरू किया। इसके अलावा 'मद्रास ऑटो सर्विस लिमिटेड' और 'सुंदरम मोटर्स' जैसी कंपनियों की स्थापना कर उन्होंने ऑटोमोबाइल क्षेत्र को नई दिशा दी। वे केवल उद्योगपति ही नहीं, बल्कि एक विचारक और गांधीवादी भी थे। उन्होंने सामाजिक सुधारों का समर्थन किया और अपने जीवन में सादगी व नैतिक मूल्यों को महत्व दिया।

28 अप्रैल 1955 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित टीवीएस समूह आज भी हजारों लोगों को रोजगार देकर उनकी दूरदृष्टि और नेतृत्व का प्रमाण प्रस्तुत करता है। ■

कविता

नारी

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

वीरेन्द्र शर्मा वात्स्यायन, ऊना (हिमाचल प्रदेश) मो. 9417280333

नारी तुम सृष्टि सृजना हो, तुझी से है वजूद जगत का
तुम नहीं तो संसार है शून्य, जीवन की छाया हो तुम
मोहमय माया भी हो तुम, समस्त रिश्तों की शान तुम
माता-पिता का सम्मान तुम, सिर्फ तेरे लिए एक दिन समर्पित
यह कैसा तेरा सम्मान जग में, हर रोज महिला दिवस मनाओ
दो घरों को तुम हो जोड़ती, अनेक रिश्ते हैं तेरे नाम
अफसोस! नारी ही है नारी की दुश्मन, यह धारणा है बेहद घातक
नारी नहीं चाहती कन्या जातक पुरुष!
क्यों करते हो अभिमान?, नारी ही है जगत जननी
नारी का तुम करो सम्मान, क्यों बनाते हो उसे गुलाम?
नारी का पाकर तुम प्रेम, संसार से तुम तर जाओगे
नारी ही तो है अनमोल उपहार, करो नारी को तुम बेहद प्यार

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

'जल है तो कल है, और वन हैं तो जल है'

डॉ. तारा देवी सेन
वल्लभ महाविद्यालय, मंडी, विभागाध्यक्ष, वनस्पति शास्त्र

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

यदि हिमालय को भारत का 'जल टावर' कहा जाता है, तो फिर हमारे देश के अनेक गांव आज भी जल संकट का सामना क्यों कर रहे हैं? यह प्रश्न केवल एक भौगोलिक विरोधाभास नहीं, बल्कि हमारी विकास नीतियों, सामाजिक प्राथमिकताओं और प्रकृति से दूर होती जीवनशैली का दर्पण है।

हिमालय विश्व की सबसे युवा पर्वत शृंखला होने के साथ-साथ दक्षिण एशिया की जलधारा का मुख्य स्रोत है। यहां से निकलने वाली महान नदियां-गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम करोड़ों लोगों की जीवनरेखा हैं।

हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय राज्य में ये नदियां केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति, आस्था और अर्थव्यवस्था का आधार हैं। फिर भी विडंबना यह है कि अनेक पहाड़ी गांवों में झरने सूख रहे हैं, नौले खाली हो रहे हैं और लोगों को पेयजल के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ रहा है।

परंपरा में समाधान : भारत में जल संरक्षण केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दायित्व रहा है। हिमाचल में कूहलें और नौला-धारा जैसी पारंपरिक जल व्यवस्थाएं गुरुत्वाकर्षण और सामुदायिक सहयोग पर आधारित थीं। घरों की ढलानदार छतों से वर्षाजल भूमिगत टैंकों में संचित किया जाता था। देववन और पवित्र उपवन वृक्षों और जल स्रोतों को संरक्षित रखते थे। हमारे पूर्वज भली-भांति समझते थे कि प्रकृति का संतुलन ही जीवन का आधार है।

वर्तमान चुनौतियां और प्रदूषण : आज तीव्र आधुनिकीकरण, अनियंत्रित शहरीकरण और संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने इस संतुलन को प्रभावित किया है। वनों की कटाई, अवैज्ञानिक निर्माण, औद्योगिक अपशिष्ट और अनुपचारित सीवेज ने नदियों की स्वच्छता को चुनौती दी है। हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्टों में कई नदी खंड राष्ट्रीय मानकों से नीचे दर्ज किए गए हैं।

ब्यास के ऊपरी क्षेत्र अपेक्षाकृत स्वच्छ हैं, परंतु कुल्लू और मंडी जैसे शहरी क्षेत्रों के निकट कोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया है। सिरसा नदी औद्योगिक क्षेत्रों के कारण अधिक प्रदूषित मानी जाती है, जहां जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग उच्च स्तर पर दर्ज की गई है। छोटे स्रोत जैसे अश्वनी खड्ड और गिरी नदी भी शहरी अपशिष्ट से प्रभावित हो रहे हैं। विडंबना यह है कि जो जल कभी नि:शुल्क और शुद्ध था, आज वह बोतलों में बिक रहा है। स्वच्छ वायु भी प्रदूषण की मार झेल रही है। यदि यही स्थिति रही तो भविष्य में ऑक्सीजन भी बाजार की वस्तु बन सकती है।

वृक्षारोपण : वैज्ञानिक समाधान : वृक्ष जल संरक्षण में मदद करते हैं, भूजल पुनर्भरण बढ़ाते हैं और मृदा अपरदन रोकते हैं। हिमालयी वान, देवदार और उतिस जैसी प्रजातियां सतही बहाव कम कर मिट्टी को स्थिर रखती हैं। पारंपरिक पीपल, बरगद और गूलर भी भूजल और मृदा संरक्षण में सहायक हैं।

जल शुद्धिकरण में पौधों की भूमिका : फाइटो-रिमेडिएशन में पौधे जल और मिट्टी से प्रदूषक अवशोषित करते हैं। सहेजन के बीज गंदे जल को साफ करते हैं, नागफनी तलछट हटाती है और टायफा, पतेरा तथा खस की जड़ आर्द्रभूमि में भारी धातु और पोषक तत्व अवशोषित करती है।

जलवायु परिवर्तन और हिमालय : पहले हिमपात धीरे पिघलता और वर्षा संतुलित होती थी, लेकिन अब वर्षा अनियमित, बादल फटने की घटनाएं बढ़ी और हिमनद सिकुड़ रहे हैं। झरने सूख रहे हैं, भूजल घट रहा है और ऋतु चक्र बदल रहा है। वन घटे तो जल स्रोत कम होंगे, जिससे गांवों का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा।

इस वर्ष की थीम : जल और जेंडर : अंतरराष्ट्रीय जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। 2026 की थीम 'जल और जेंडर' है। ग्रामीण भारत में जल संग्रह की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं पर होती है। जल स्रोत सूखने पर उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और समय प्रभावित होते हैं। जल संरक्षण केवल पर्यावरण नहीं, लैंगिक समानता का भी प्रश्न है।

युवाओं की भूमिका : समाधान हमारी जड़ों में छिपा है, क्योंकि आज की युवा पीढ़ी ही कल के नागरिक हैं, इसलिए जल सरंक्षण के लिए विद्यालयों और युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि प्रत्येक छात्र एक स्थानीय स्रोत को गोद ले, सजावटी पौधों के स्थान पर स्थानीय / देशज वृक्ष लगाए और जल संरक्षण को जीवनशैली बनाए, तो परिवर्तन सौ प्रतिशत संभव है।

इसके लिए आवश्यक है कि विद्यालय और छात्र मिलकर किसी स्थानीय जल स्रोत को गोद लें, सजावटी पौधों के स्थान पर वान, उतिस , सहेजन जैसे स्थानीय वृक्ष लगाएं, कूहल और नौला को पुनर्जीवित करें, देववन की रक्षा करें तथा समुदाय आधारित प्रबंधन के साथ आधुनिक विज्ञान और प्राचीन ज्ञान का समन्वय स्थापित करें।

जल संरक्षण कोई परियोजना नहीं, यह संस्कृति है। हमारे पूर्वज इसे जीते थे, अब इसे पुनर्जीवित करना हमारी जिम्मेदारी है। प्रकृति की रक्षा करें, ताकि प्रकृति भ हमारी रक्षा करे।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

देवभूमि पर नशे का साया : व्यवस्था पर उठते गंभीर सवाल

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र लेखक, नूरपुर, जिला कांगड़ा

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

हिमाचल प्रदेश, जिसे देवभूमि के नाम से जाना जाता है, आज नशे की बढ़ती समस्या और उससे जुड़ी आपराधिक गतिविधियों के कारण गंभीर चिंताओं के दौर से गुजर रहा है। हाल ही में जिला कुल्लू में चार पुलिस कर्मियों का एलएसडी तस्करी में गिरफ्तार होना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े करता है।

इससे पहले भी चिट्टा तस्करी में 11 पुलिस कर्मचारियों का निलंबन यह संकेत देता है कि समस्या सतही नहीं, बल्कि गहरी जड़ें जमा चुकी है। पुलिस, जिसे समाज का रक्षक माना जाता है, यदि वही इस तरह के अपराधों में संलिप्त पाए जाएं तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो जाती है। जनता का भरोसा कानून व्यवस्था पर तभी टिका रहता है जब उसे लागू करने वाले लोग निष्पक्ष और ईमानदार हों। ऐसे मामलों से यह भरोसा कमजोर होता है और युवाओं में गलत संदेश जाता है। नशा तस्करी का नेटवर्क केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं है। केरल जैसे दूरस्थ राज्यों से जुड़े तस्करों का इसमें शामिल होना इस बात का संकेत है कि यह एक संगठित और व्यापक गिरोह है, जो वर्षों से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। ऐसे में केवल छोटे स्तर के आरोपियों को पकड़ने से समस्या का समाधान संभव नहीं है, बल्कि बड़े नेटवर्क और उसके संचालकों तक पहुंचना आवश्यक है। राज्य सरकार द्वारा नशा मुक्त हिमाचल के दावे किए जाते रहे हैं और हाल के वर्षों में पुलिस ने ड्रग्स माफिया के खिलाफ कई अभियान भी चलाए हैं। इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं, लेकिन साथ ही मामलों की संख्या में वृद्धि यह भी दर्शाती है कि समस्या कितनी व्यापक हो चुकी है। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस अवैध कारोबार में महिलाओं और युवतियों की संलिप्तता भी सामने आ रही है। सरकार द्वारा जागरूकता अभियान, स्कूलों में नशे के खिलाफ शिक्षा और सख्त कानून बनाने जैसे कदम सराहनीय हैं, लेकिन जब सरकारी तंत्र के भीतर ही कुछ लोग इस कारोबार में लिप्त पाए जाते हैं, तो इन प्रयासों की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक है। ऐसे में आवश्यक है कि सरकारी विभागों में तैनात कर्मचारियों का समय-समय पर रैंडम डोप टेस्ट किया जाए और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बाहरी राज्यों से आने वाले कुछ पर्यटक नशे और अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग, मारपीट और अश्लील हरकतें समाज के लिए खतरा बनती जा रही हैं। ऐसे में सरकार को पर्यटन नीति में संतुलन बनाते हुए सख्त नियम लागू करने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही जिस्मफरोशी और अवैध शराब जैसे अपराधों का बढ़ना भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। यह स्पष्ट है कि नशा केवल एक समस्या नहीं, बल्कि कई सामाजिक बुराइयों को जन्म देने वाला कारण बन चुका है। बेरोजगारी से जूझ रहे युवा भी तेजी से इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है। एक ही सिरिंज के उपयोग से एड्स जैसी गंभीर बीमारियों के मामले सामने आना स्थिति की भयावहता को दर्शाता है।

कानूनी प्रक्रिया की जटिलताएं भी इस समस्या के समाधान में बाधा बन रही हैं। गवाहों का सामने न आना, लंबी न्यायिक प्रक्रिया और सबूतों की कमी के कारण कई आरोपी बच निकलते हैं। ऐसे में कानून को अधिक प्रभावी और सरल बनाने की जरूरत है ताकि दोषियों को जल्द सजा मिल सके। हालांकि, यह भी सच है कि नशे पर नियंत्रण केवल पुलिस या सरकार का काम नहीं है। समाज, अभिभावकों और युवाओं को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

केवल छोटे अपराधियों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। बड़े नेटवर्क, भ्रष्ट तंत्र और सामाजिक उदासीनता पर एक साथ प्रहार करना होगा। यदि समय रहते ठोस और ईमानदार प्रयास नहीं किए गए, तो हिमाचल की पहचान और उसकी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य गंभीर संकट में पड़ सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

माता चामुंडा मंदिर : देवभूमि हिमाचल की अलौकिक धरोहर

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

हिमाचल प्रदेश अपनी पुरातन व समृद्ध संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्वविख्यात है। इस धरा में ऋषि-मुनियों ने घोर तपस्या की, वहीं देवी- देवताओं की भी यह कर्मस्थली रही। इसलिए इस राज्य ने देश-विदेश में देवभूमि के नाम से ख्याति अर्जित की। वास्तव में इस धरा में अनेकों धार्मिक व पावन पवित्र स्थल हैं, जो किसी न किसी पौराणिक किंवदंतियों अथवा जनश्रुति से जुड़े हुए हैं।

इसी शृंखला में पालमपुर-धर्मशाला से क्रमश: 25 और 15 किलोमीटर की दूरी और समुद्र तल से 800 मीटर ऊंचाई की धौलाधार वादियों से आच्छादित माता चामुंडा का अलौकिक मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था, श्रद्धा व विश्वास का केंद्र है। यह शिव व शक्ति अर्थात मां पार्वती का स्थान है व चामुंडा-नंदिकेश्वर धाम के नाम से प्रचलित है। मां चामुंडा का यह भव्य मंदिर वास्तव में भक्तजनों को दिव्यता की अनुभूति प्रदान करता है। धौलाधार पहाड़ी की कंदराओं में अवस्थित इस मंदिर की महिमा तो अपरंपार है। पौराणिक कथनानुसार, अर्थात दुर्गा सप्तशती के सप्तम अध्याय से उद्धृत है कि जब चंड-मुंड नामक दैत्य अपने राजा शुंभ-निशुंभ के आदेशानुसार अपनी चतुरंगिणी सेना के साथ अस्त्रों-शास्त्रों से सुसज्जित होकर जा रहे थे, तो मार्ग में उन्होंने हिमालय की ऊंची चोटी पर सिंह पर सवार एक देवी रूपी कन्या को बैठा देखा जो मंद-मंद हंस रही थी। चंड-मुंड अपने सैन्य बल और अस्त्र-शस्त्रों द्वारा उसे पकड़ने की चेष्टा करने लगे। देवी यह देखकर क्रोध से तन गई और उसके चेहरे व आंखों में दहकते अंगारों-सी लालिमा आ गई। भयानक मुख वाली देवी तलवार व पाश लिए साक्षात उनके समक्ष प्रकट हो गई। देवी ने अपना मुख पूरा खोला हुआ था और जिव्हा पूर्ण रूप से बाहर लटक रही तथा एक अद्भुत व विकराल रूप धारण किया हुआ था। अपनी भयानक गर्जना से उसने चारों दिशाओं को गुंजायमान कर दिया और बड़े ही आक्रमक रूप में आकर असुरों व दैत्य सेना पर टूट पड़ी जो भी उसके सामने आता गया उसका भक्षण करती गई। यहां तक की एक ही हाथ से वह उन राक्षसों, महावत, योद्धाओं व भारी-भरकम हाथियों को पकड़कर अपने मुंह में डालती गई।

दूसरी ओर, अपनी हुंकार से सामने आने वाले हर दैत्य एवं असुर को भस्म कर रही थी, ऐसा रौद्र व वीभत्स रूप धारण किया हुआ था भगवती मां ने। चंड-मुंड ने अपने वाणों और अस्त्रों से देवी को मारने की पूरी चेष्टा की, लेकिन वह अत्यंत क्रोध तथा भयानक गर्जना करते हुए चंड पर टूट पड़ी और उसी की तलवार से उसका सिर कलम कर दिया। चंड को मरते देख मुंड देवी के ऊपर प्रहार करने लगा, देवी ने उसका सिर भी धड़ से अलग कर दिया व चंड-मुंड के सिर हाथ में लिए काली देवी अपना भयानक अट्टहास करती हुई चंडिका के पास पहुंच कर बोली 'मैंने चंड-मुंड नामक महा-पशु आपको भेंट चढ़ा दिए, अब तो युद्ध में शुंभ-निशुंभ का आप स्वयं वध करना है।'

चंड-मुंड असुरों के वध के बाद देवी चंडिका ने काली से कहा कि अब वह 'चामुंडा' नाम से प्रसिद्ध होंगी, क्योंकि उन्होंने इन महा असुरों का संहार किया है। तभी से मां चामुंडा की पूजा-अर्चना निरंतर होती आ रही है। किंवदंतियों के अनुसार यह मंदिर 700 वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। प्रारंभ में यहां पिंडी की पूजा होती थी, बाद में देवी की भव्य मूर्ति स्थापित की गई। मंदिर परिसर में देवी के चरणों और शिवलिंग से चिन्हित प्राचीन शिला स्थित है। पास ही एक विशाल शिला के नीचे शिवलिंग होने के कारण इसे चामुंडा-नंदिकेश्वर धाम कहा जाता है। बाण गंगा के किनारे बने घाटों में स्नान और शतचंडी पाठ का विशेष महत्व है। यह स्थान प्राचीन काल से ही साधकों की तपस्थली रहा है।

नवरात्र में यहां विशेष भीड़ उमड़ती है। श्रद्धालु यहां कन्या पूजन, पूजा-अर्चना और मन्नतें पूरी होने पर आभार व्यक्त करते हैं। मंदिर परिसर में शिव, हनुमान सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां आध्यात्मिक वातावरण को और दिव्य बनाती हैं। बाण गंगा की कलकल धारा और लंगर व धर्मशाला की सुविधाएं इस पवित्र स्थल को भक्तों के लिए विशेष बनाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

राजनीति में ईमानदार और सादगीपूर्ण व्यक्तित्व आज भी समाज में बेहद लोकप्रिय

ठाकुर हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

आज के समय में राजनीति का प्रभाव समाज के लगभग हर क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। विकास, प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक संरचना-इन सभी पर राजनीतिक निर्णयों का सीधा असर पड़ता है। ऐसे में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजनीति में केवल प्रभाव और शक्ति का होना पर्याप्त है या फिर ईमानदारी और सादगी जैसे गुण भी उतने ही आवश्यक हैं।

वास्तव में, राजनीति में सच्ची लोकप्रियता केवल पद या शक्ति से नहीं, बल्कि चरित्र से मिलती है। समाज के बुद्धिजीवी और शिक्षाविद भी मानते हैं कि यदि कोई जनप्रतिनिधि ईमानदार और सादगीपूर्ण जीवन जीता है, तो वह लोगों के दिलों में स्थायी स्थान बना लेता है। आज के दौर में, जहां राजनीति पर भ्रष्टाचार और निजी स्वार्थ के आरोप अक्सर लगते रहते हैं, वहीं कुछ ऐसे उदाहरण भी हैं जो यह सिद्ध करते हैं कि सादगी और सत्यनिष्ठा आज भी सबसे बड़ी ताकत है। भारतीय राजनीति में लाल बहादुर शास्त्री, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, अटल बिहारी वाजपेयी और एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान नेताओं के जीवन से यह स्पष्ट होता है कि सादगी और ईमानदारी केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि नेतृत्व की पहचान हैं। इन नेताओं ने अपने कार्यकाल में न केवल देश का मार्गदर्शन किया, बल्कि अपने आचरण से जनता का विश्वास भी जीता। यही कारण है कि वर्षों बाद भी लोग उन्हें आदर्श के रूप में याद करते हैं।

हालांकि, वर्तमान समय में राजनीति की छवि कई बार नकारात्मक भी दिखाई देती है। कुछ नेता ईमानदारी का दिखावा करते हैं, लेकिन व्यवहार में उसके विपरीत आचरण करते हैं। ऐसे में जनता का विश्वास कमजोर होना स्वाभाविक है। जब जनप्रतिनिधि अपने अधिकारों का उपयोग निजी लाभ और प्रभाव बढ़ाने के लिए करते हैं, तो लोकतंत्र की मूल भावना प्रभावित होती है। फिर भी, यह पूरी तस्वीर नहीं है। आज भी देश के विभिन्न हिस्सों में कई ऐसे जनप्रतिनिधि मौजूद हैं जो राजनीति को सेवा का माध्यम मानते हैं। वे अपने क्षेत्र में जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझते हैं और समाधान के लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं।

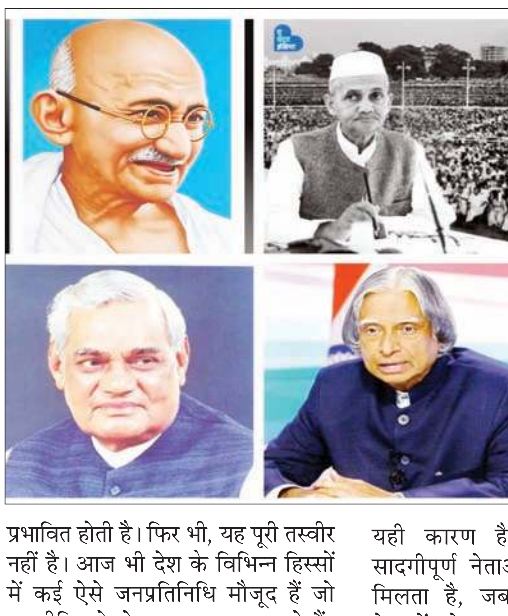

ऐसे नेता अपने व्यवहार, सादगी और समर्पण के कारण लोगों के दिलों में बस जाते हैं। वे केवल नेता नहीं, बल्कि समाज के सच्चे सेवक बन जाते हैं। आज का समाज पहले की तुलना में अधिक जागरूक और शिक्षित हो चुका है। जनता अब केवल भाषणों और वादों से प्रभावित नहीं होती, बल्कि नेताओं के कार्यों और जीवनशैली का भी मूल्यांकन करती है। यही कारण है कि ईमानदार और सादगीपूर्ण नेताओं को विशेष सम्मान मिलता है, जबकि भ्रष्ट और स्वार्थी नेताओं को जनता नकार देती है।

युवा पीढ़ी के लिए यह एक महत्वपूर्ण सीख है। राजनीति में आने वाले नए चेहरों को यह समझना होगा कि स्थायी सफलता केवल सत्ता से नहीं, बल्कि विश्वास से मिलती है। यदि वे सादगी, पारदर्शिता और सेवा भावना को अपनाते हैं, तो वे न केवल सफल नेता बन सकते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव भी ला सकते हैं।

बहरहाल, राजनीति का वास्तविक उद्देश्य जनता की सेवा और समाज का विकास है। यदि इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए ईमानदारी और सादगी को अपनाया जाए, तो लोकतंत्र और अधिक मजबूत हो सकता है। अन्यथा, यदि राजनीति केवल स्वार्थ और शक्ति का माध्यम बनकर रह गई, तो जनता का विश्वास धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा, जो किसी भी राष्ट्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

संतान प्राप्ति की कामना को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़

चैत्र नवरात्र में सिमसा मंदिर बना आस्था का केंद्र, मौसम खुलते ही मंदिर परिसर में जयकारों का गूंज

अनंत ज्ञान

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के लडभड़ोल उपमंडल में स्थित प्रसिद्ध संतान दात्री सिमसा मंदिर में चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन मौसम खुलते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों का आना लगातार जारी रहा, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला। मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा और श्रद्धालु श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना करते नजर आए।

मंदिर के पुजारी विनोद भट्ट ने बताया कि नवरात्र के पहले दो दिनों में क्षेत्र में हुई लगातार भारी बारिश के चलते श्रद्धालुओं की संख्या में कमी देखने को मिली थी। खराब मौसम के कारण दूर-दराज से आने वाले भक्त मंदिर तक नहीं पहुंच सके, लेकिन तीसरे दिन जैसे ही मौसम साफ हुआ, सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा। उन्होंने बताया कि सिमसा मंदिर में विशेष रूप से संतान प्राप्ति की मनोकामना लेकर महिलाएं दूर-दूर से यहां पहुंचती हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से माता के दरबार में मांगी गई संतान की इच्छा अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था के चलते नवरात्रों के दौरान यहां महिलाओं की विशेष भीड़ देखने को मिलती है। कई महिलाएं यहां व्रत रखकर और विधि-विधान से पूजा कर माता का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। मंदिर प्रबंधन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। दूर-दराज से आने वाली महिलाओं और अन्य भक्तों के ठहरने के लिए मंदिर परिसर में रहने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा स्वच्छता, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी ध्यान रखा जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

संतान दात्री सिमसा मंदिर में आए श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

नवरात्र के पावन अवसर पर प्रतिदिन सुबह और शाम माता की आरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। आरती के समय मंदिर में विशेष रूप से भक्तों की भीड़ उमड़ती है और पूरा वातावरण भक्ति में सराबोर हो जाता है। इसके साथ ही वे श्रद्धालु भी माता के दरबार में पहुंच रहे हैं जिनकी मनोकामनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। ऐसे श्रद्धालु माता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नारियल, चुनरी और प्रसाद अर्पित कर रहे हैं। कई परिवार अपने छोटे बच्चों के साथ भी मंदिर पहुंच रहे हैं और माता का आशीर्वाद ले रहे हैं। नवरात्र के इन पावन दिनों में सिमसा मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या मंदिर की धार्मिक मान्यता और लोगों की गहरी आस्था को दर्शाती है। आने वाले दिनों में भी यहां श्रद्धालुओं की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है।

खूनी नहर में कूदकर पूर्व प्रधान बालक राम कौशल ने बचाई युवक की जान

अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। जाको राखे साईंया, मार सके ना कोय यह कहावत एक बार फिर जिला मंडी के बल्ह क्षेत्र में उस समय साकार होती नजर आई, जब दयारगी पंचायत के पूर्व प्रधान बालक राम कौशल ने अपनी जान की परवाह किए बिना एक युवक को मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना बीएसएल परियोजना की उस तेज बहाव वाली नहर में हुई। जानकारी के अनुसार बीएसएल नहर में एक युवक अचानक नहर में गिरकर तेज धारा में बहने लगा। मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और चारों ओर मदद के लिए आवाज लगाई। हालांकि, नहर के तेज बहाव और खतरे को देखते हुए कोई भी व्यक्ति उसमें उतरने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था।

इसी दौरान वहां मौजूद पूर्व प्रधान बालक राम कौशल ने बिना एक पल गंवाए स्थिति को समझा और तुरंत नहर में छलांग लगा दी। उन्होंने तेज धारा से जूझते हुए युवक तक पहुंच बनाई और काफी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उनकी इस बहादुरी ने एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया और युवक की जान बच गई। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब बालक राम कौशल ने ऐसा साहसिक कार्य किया हो। क्षेत्र में वे जीवन रक्षक के नाम से प्रसिद्ध हैं और इससे पहले भी कई लोगों की जान बचा चुके हैं। उनकी निस्वार्थ सेवा भावना और मानवता के प्रति समर्पण उन्हें समाज में एक विशेष पहचान दिलाता है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उनके इस साहसिक कदम की जमकर सराहना की।

खूनी नहर में बहते युवक को बचाते हुए। अनंत ज्ञान

लोगों का कहना है कि आज के समय में जहां अधिकांश लोग अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं, वहीं बालक राम कौशल जैसे लोग दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान तक दांव पर लगा देते हैं। बालक राम कौशल की यह बहादुरी न केवल क्षेत्र के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। उनका यह कार्य एक संदेश देता है कि सच्ची मानवता वही है, जो बिना किसी स्वार्थ के दूसरों के लिए खड़ी होती है।

राज्य स्तरीय नलवाड़ मेले में 23 और 24 मार्च को होगी टेनिस बॉल क्रिकेट

अनंत ज्ञान

- सुंदरनगर में युवाओं और बच्चों के लिए विविध खेलकूद गतिविधियां
- कबड्डी, बॉक्सिंग, शतरंज सहित कई खेलों में आकर्षक नकद पुरस्कार

सुंदरनगर। 22 से 28 मार्च तक आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय नलवाड़ मेला 2026 के दौरान विभिन्न खेलकूद प्रतियोगितियों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी डीएसपी सुंदरनगर भारत भूषण ने दी। उन्होंने बताया कि 22 से 26 मार्च तक जवाहर पार्क में इन प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जिसमें सभी आयु वर्ग और श्रेणियों के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे।

प्रतियोगिताओं की रूपरेखा के अनुसार, 23 व 24 मार्च को राज्य स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट (पुरुष एवं महिला वर्ग) और बैडमिंटन (पुरुष वर्ग), 24 व 25 मार्च को कबड्डी और खो-खो (पुरुष एवं महिला वर्ग) तथा वॉलीबॉल और बास्केटबॉल (पुरुष वर्ग) आयोजित होंगे। इसके अलावा 21 व 22 मार्च को हैंडबॉल (पुरुष व महिला वर्ग) और 23 से 25 मार्च तक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 25 व 26 मार्च को शतरंज प्रतियोगिता, 26 मार्च को रस्साकशी, म्यूजिकल चेयर, घड़ा फोड़ और 8 वर्ष तक के बच्चों के लिए फन गेम्स आयोजित होंगे। इसी दिन प्रातः 7 बजे क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन होगा।

प्रतियोगिताओं में प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है। प्रमुख टीम खेलों में प्रथम पुरस्कार 15,000 रुपये और द्वितीय 11,000 रुपये हैं। अन्य खेलों जैसे बैडमिंटन, बॉक्सिंग, शतरंज, रस्साकशी व म्यूजिकल चेयर के लिए भी अलग-अलग श्रेणियों में नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। इच्छुक प्रतिभागी 22 मार्च तक अपनी एंट्री फीस कार्यालय उपमंडलीय पुलिस अधिकारी, सुंदरनगर में जमा करवा सकते हैं।

मूसलाधार बारिश भी नहीं रोक पाई देवलुओं के कदम

राज्य स्तरीय सुकेत देवता मेला बना श्रद्धा, परंपरा व चमत्कार का संगम, 23 से 27 मार्च तक जवाहर पार्क में होगा देव आस्था का महाकुंभ

अनंत ज्ञान

उमेश भारद्वाज, सुंदरनगर। हिमाचल की देवभूमि में एक बार फिर यह सिद्ध हो गया कि जहां आस्था अडिग होती है, वहां प्रकृति भी अपनी दिशा बदल देती है। पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश और कड़ाके की ठंड के बीच भी राज्यस्तरीय सुकेत देवता मेला में देवी-देवताओं की यात्रा निर्बाध रूप से जारी रही। देवलुओं के कदम न थमे, न डगमगाए बल्कि हर कदम के साथ श्रद्धा व भक्ति का प्रवाह और भी प्रबल होता गया। यह दृश्य केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि रियासकालीन सुकेत नगरी की जीवंत देव परंपरा का अद्भुत उदाहरण बनकर सामने आया है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों, ठंडी हवाओं व लगातार बरसती बारिश के बीच जब देवलु अपने आराध्य देवताओं को कंधों पर उठाकर आगे बढ़ते रहे। इस वर्ष का मेला कई मायनों में ऐतिहासिक बन गया है। करीब 180 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद गढ़पति श्री नाग चव्वासी महोग का सुंदरनगर आगमन हो रहा है। इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए लोगों में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है। बुजुर्गों की आंखें नम हैं तो युवा पीढ़ी इस परंपरा को पहली बार इतने करीब से देख खुद को सौभाग्यशाली मान रही है। देवता के आतिथ्य के लिए मनाली स्वीट्स रोपा और सुकेत प्राचीन देवता सेवा समिति सुपर बाजार भोजपुर द्वारा विशेष इंतजाम किया गया है।

देव आस्था के आगे झुकी प्रकृति

मंडी जनपद में वर्षा के देवता के रूप में प्रसिद्ध बड़ा देव कमरूनाग की महिमा इस दौरान विशेष रूप से देखने को मिली है। कमरूनाग के रोहांडा स्थित मझोठी कोठी से देव यात्रा का शुभारंभ शनिवार को हुआ, वैसे ही बीते दो दिनों से लगातार हो रही बारिश थम गई। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने इसे देव कृपा और चमत्कार के रूप में देखा। वहीं देव कमरूनाग आज शहर की सीमा चांबी पहुंच कर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करेंगे।

देवी-देवताओं के दर्शन के लिए उत्साह

सुंदरनगर शहर में देवताओं के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। शहर में लोग अपने-अपने तरीके से देव स्वागत की तैयारियों में जुटे हुए हैं। वहीं देव श्री मूल मांहुनाग, बड़ेयोगी महाराज, देव श्री माहुंनाग जयदेवी, देव श्री महासू भी सुंदरनगर की सीमा में पहुंच गए हैं। मेला के दौरान देवी-देवताओं द्वारा लोगों के घरों पर आतिथ्य स्वीकार किया जाएगा। देवी-देवताओं का काफिला आज सुंदरनगर शहर की सीमा चांबी में प्रवेश करेगा। हर वर्ष की भांति ग्राम पंचायत चांबी द्वारा देवी-देवताओं और भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

सुकेत मेले में पहली बार सजेगी 'देव आरती'

राज्यस्तरीय सुकेत देवता मेला-2026 में इस बार प्रशासन द्वारा एक सराहनीय और अभिनव पहल की जा रही है। मेले के इतिहास में पहली बार सुकेत मंच पर देवी-देवताओं को समर्पित 'देव आरती' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसका आयोजन 24 मार्च को किया जाएगा। इस विशेष आयोजन में फूलों की होली के साथ किन्नौर क्षेत्र के कल्पा का प्रसिद्ध पारंपरिक 'रौलाने' त्योहार की भी मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम में संगीत का रंग भी घुलेगा, जहां इंडियन आइडल फेम गायक नितिन अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे।

गढ़पति श्री नाग चव्वासी का भव्य स्वागत

गढ़पति श्री नाग चव्वासी का महोग मंदिर के बाद करसोग के पुराना बाजार, पांगणा, रोहांडा से लेकर जयदेवी तक स्वागत के लिए श्रद्धालुओं ने पलकें बिछा दीं। मार्ग में जगह-जगह बारिश और ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं ने देवता का जोरदार स्वागत किया। पांगणा मंदिर कमेटी, देव श्री कमरूनाग मंदिर कमेटी रोहांडा और माता कामाक्षा मंदिर जयदेवी में गढ़पति श्री नाग चव्वासी का विधिवत स्वागत किया गया। इस दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार देवता की आराधना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की गई।

न्यूज ब्रीफ

2.791 किलो चरस बरामद, युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, मंडी। मंडी से पुलिस थाना औट की टीम ने झलोगी स्थित आर्मी कैंप के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-03 पर नाकाबंदी के दौरान बस नंबर एचपी65-6444 की तलाशी में 26 वर्षीय अंकराज अधिकारी के कब्जे से 2.791 किलोग्राम चरस बरामद की। आरोपी जुमला, नेपाल का निवासी है और वर्तमान में गुशैणी, कुल्लू में रहता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक मंडी ने बताया कि मादक पदार्थ की आपूर्ति श्रृंखला और इसमें शामिल अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

रक्तदान शिविर में नहीं आई की गाड़ी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। मंडी से हिमालयन ब्लड डोनर संस्था को स्वास्थ्य विभाग मंडी की बेरूखी के कारण रक्तदान शिविर आयोजित करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। आज जिला के गुटकर में 107वां शिविर चल रहा है, लेकिन सीएमओ कार्यालय ने गाड़ी की सुविधा नहीं दी। संस्था के सदस्य सुरेश ठाकुर ने बताया कि 2018 से संस्था जिले में 20-25 शिविर सालाना आयोजित कर रही है और प्रदेश के हजारों स्वयंसेवक जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि विभाग की मदद न मिलने पर शिविरों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है और भविष्य में कैंप बंद होने का खतरा है।

मोदी-ट्रंप का समझौता देशहित के खिलाफ

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने 24 मार्च को दिल्ली में प्रदर्शन करने की घोषणा की है। पार्टी नेता भूपेंद्र सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुआ व्यापार समझौता देशहित के खिलाफ है और इससे भारत पर अमेरिकी दबाव बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि धर्मपुर से भी कार्यकर्ता इस रैली में भाग लेंगे। भूपेंद्र सिंह ने ईरान पर अमेरिका-इसरायल हमले को लेकर भारत सरकार के रुख की आलोचना की। उनका कहना है कि यह भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के विपरीत है। उन्होंने हमले में हुई जनहानि और आर्थिक नुकसान पर चिंता जताते हुए कहा कि ईरान की जनता कठिन हालात के बावजूद मजबूती से खड़ी है।

28 तक प्रस्तुत करें दावे-आपत्तियां: चौधरी

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। राज्य चुनाव आयोग ने नगर परिषद चुनावों के मद्देनजर 1 अप्रैल को आधार तिथि मानते हुए मतदाता सूचियों का प्रारूप पुनरीक्षण जारी कर दिया है। ये सूचियां नगर परिषद जोगिंद्रनगर और एसडीएम कार्यालय में आमजन के अवलोकन के लिए उपलब्ध हैं। एसडीएम एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनीश चौधरी ने बताया कि 28 मार्च तक दावे और आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकती हैं। उन्होंने बताया कि दावों का निपटारा 2 अप्रैल तक किया जाएगा। इसके बाद 10 अप्रैल तक अपील की जा सकेगी और 17 अप्रैल तक उनका निपटारा होगा। 20 अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। 18 वर्ष पूर्ण करने वाले पात्र नागरिकों के नाम भी जोड़े जाएंगे।

170 जरूरतमंदों को निःशुल्क बांटे चश्मे

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। स्वर्गीय रंझा राम राव वेलफेयर सोसायटी ने विकास खंड सरकाघाट की भद्रवाड़ पंचायत में चश्मा वितरण शिविर आयोजित कर 170 लाभार्थियों को निःशुल्क चश्मे प्रदान किए। यह आयोजन पिछले स्वास्थ्य शिविर की अनुवर्ती कार्रवाई था, जिसमें 980 मरीजों की जांच हुई थी व 170 को चश्मे की सलाह दी गई थी। सोसायटी ने सभी के चश्मे बनवाकर वितरित किए, जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी और उत्साह देखा गया। रांझा राम जनकल्याण समिति के संस्थापक सदस्य अनिल शर्मा ने कहा कि संस्था भविष्य में भी निर्धन बेटियों के विवाह, जरूरतमंदों की सहायता और समाज कल्याण कार्यों में अग्रणी रहेगी। आईजीएमसी के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल राव का मार्गदर्शन शिविरों की सफलता का मुख्य कारण रहा। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक बनांदर मेला 10 से 12 अप्रैल को

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर से तहसील लडभड़ोल का प्रसिद्ध तीन दिवसीय बनांदर मेला 10 से 12 अप्रैल तक धूमधाम से मनाया जाएगा। मेला कमेटी की बैठक की अध्यक्षता अनित कुमार ठाकुर ने की, जिसमें आयोजन की रूपरेखा और भव्यता पर चर्चा हुई। मेले का शुभारंभ अखिलेश्वर महादेव मंदिर में हवन और पूजा-अर्चना से होगा। युवाओं के लिए जूनियर और सीनियर वर्ग की खेलकूद प्रतियोगिताएं और महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दो सांस्कृतिक संध्याएं मेले का मुख्य आकर्षण रहेंगी। अनित कुमार ठाकुर ने सभी क्षेत्रवासियों से परिवार सहित भाग लेने और आयोजन की शोभा बढ़ाने का आह्वान किया।

नाचन क्षेत्र की सड़कें बेहाल, नालियां लबालब

घर-आंगन में पसरा गंदगी का अंबार, लोक निर्माण विभाग की खुली पोल

अनंत ज्ञान

भीम बसेड़ू राजपूत, महादेव। पिछले दिनों बदले मौसम के मिजाज और आए अंधड़ के बाद लगातार हो रही बारिश ने नाचन क्षेत्र में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। गत दिनों हुई मूसलाधार बारिश ने खेत-खलिहानों से लेकर घर-आंगन और सड़क-नालियों तक को पानी से लबालब कर दिया। हालत यह हो गई कि गड्ढों में तब्दील सड़कें तालाब का रूप लेती नजर आईं, जबकि लोक निर्माण विभाग के अधीन आने वाले अधिकांश सड़क मार्गों की स्थिति बद से बदतर हो गई। नालियों में जमा पानी और कचरे के कारण कई स्थानों पर जल निकासी पूरी तरह ठप हो गई, जिससे प्लास्टिक व अन्य कूड़ा-कचरा बहकर सड़कों, खेतों और घरों के आसपास फैल गया। ग्राम पंचायत महादेव सहित आसपास के क्षेत्रों में गंदगी और प्रदूषण का आलम फिर से पुरानी स्थिति में लौट आया है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश से सड़क पर पसरा गंदगी का अंबार। अनंत ज्ञान

गड्ढों में डाली मिट्टी बही, सड़कों पर फैला कीचड़

बारिश के कारण सड़कों के गहरे गड्ढों में डाली गई मटमैली बालू-मिट्टी पूरी तरह बह गई, जिससे सड़कें कीचड़ में तब्दील हो गईं। वाहन चालकों को फिसलन और खराब रास्तों के कारण खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर आवागमन तक प्रभावित रहा, जिससे ग्रामीणों की रोजमर्रा की गतिविधियां बाधित हुईं।

लोगों में रोष, विभागीय कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

बुद्धिजीवी लोगों का कहना है कि बरसात के हर मौसम में नालियों और सड़कों की ऐसी ही बदहाली सामने आती है, जिससे साफ जाहिर होता है कि हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग समय रहते उचित प्रबंध करने में विफल रहता है। उनका कहना है कि यदि नालियों की नियमित सफाई और सड़कों का वैज्ञानिक ढंग से निर्माण किया जाए तो ऐसी स्थिति से बचा जा सकता है। स्थानीय लोगों ने डीसी मंडी से मांग उठाई है कि घनी आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर स्वच्छता सुनिश्चित की जाए तथा सड़कों को मजबूत और टिकाऊ बनाया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या से राहत मिल सके।

एसपीएस इंटरनेशनल स्कूल तताहर का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। एसपीएस इंटरनेशनल स्कूल, तताहर सरकाघाट में कक्षा नर्सरी से 9वीं तक का वार्षिक परीक्षा परिणाम हर्षोल्लास के साथ घोषित किया गया तथा इसी अवसर पर विद्यालय परिसर में प्ले वे स्कूल का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन अधिवक्ता सुनील कुमार, सेना एवं पुलिस से सेवानिवृत्त बांका राम, जेई आईपीएच सतीश कुमार, सेवानिवृत्त एचआरटीसी इंस्पेक्टर पूरण चंद तथा आईटीआई इंस्ट्रक्टर दलीप कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन सुरेंद्र कुमार राणा, प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार गौतम, निदेशक पीसी ठाकुर तथा सामाजिक कार्यकर्ता पी. सी. जम्वाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। घोषित परिणाम के अनुसार बाल वाटिका-1 में समायरा शर्मा, अव्यान राणा, मिशिका, विरंगना ठाकुर एवं अन्विका ठाकुर (100%) प्रथम रहे, जबकि एलकेजी (ए) में शौर्य ठाकुर, प्रिशा, अवंतिका, अर्जुन सिंह ठाकुर एवं अंशिका शर्मा (100%) तथा एलकेजी (बी) में परव गुलरिया, अर्शित, शिवाय शर्मा, माहिरा ठाकुर, कियान्श कश्यप एवं प्रणव राज (100%) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यूकेजी में अर्शिया, गर्वीत, जतिन, प्रियंश कुमार एवं अनन्या शर्मा (100%) अव्वल रहे। कक्षा 1 (ए) में अवनी ठाकुर, प्रिशा शर्मा, इवान दरोच, चेरीशा शर्मा एवं मानवी (99.64%) तथा 1 (बी) में लक्ष्य ठाकुर, सुजॉय शर्मा एवं आस्था (99.8%) प्रथम रहे। कक्षा 2 में आयांश, शनवी एवं रित्विक (99.6%), कक्षा 3 में शिवांगी शर्मा (98.21%), कक्षा 4 में युवान शर्मा (98.75%), कक्षा 5 में मिवान सिंह ठाकुर (97.2%), कक्षा 6 में तनिष्का गुलेरिया (97.6%), कक्षा 7 में तनिषा जसवाल (97.7%), कक्षा 8 में अर्शिया एवं द्रविता (96.4%) तथा कक्षा 9 में राशि, अंशिका एवं सूर्यांश सोनी (98.5%) प्रथम स्थान पर रहे।

होनहार नौनिहालों को सम्मानित करने के दौरान। अनंत ज्ञान

अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अभिभावकों का आभार जताया तथा प्ले वे स्कूल को विद्यालय के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

परिचर्चा बजट में घोषित योजनाओं, सब्सिडी और विकास कार्यों को लेकर अलग-अलग वर्गों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

सतापक्ष के नेताओं ने बजट को सराहा तो विपक्ष ने उठाए कई सवाल

अनंत ज्ञान, मंडी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सूक्खू द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट को लेकर प्रदेशभर में राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न वर्गों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एक ओर जहां सत्तापक्ष से जुड़े नेताओं और कुछ संगठनों ने बजट को किसान, गरीब, महिलाओं और युवाओं के हित में बताते हुए सराहना की है, वहीं विपक्षी दलों व अन्य संगठनों ने इसे वित्तीय स्थिति के अनुरूप नहीं बताते हुए कई प्रावधानों पर सवाल उठाए हैं। बजट में घोषित योजनाओं, सब्सिडी और विकास कार्यों को लेकर अलग-अलग वर्ग अपनी-अपनी दृष्टि से प्रतिक्रिया दे रहे हैं, जिससे प्रदेश की राजनीति और जनमानस में इस बजट को लेकर व्यापक चर्चा का माहौल बना हुआ है।

दिशा और विकास की नीयत का अभाव: राकेश

मंडी से भाजपा के मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्बाल ने हिमाचल के बजट 2026-27 पर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि 54,928 करोड़ का बजट पिछले वर्ष के 58,514 करोड़ से लगभग 3,500 करोड़ कम है। राकेश जम्बाल ने इसे 'आंकड़ों की बाजीगरी और बढ़ते झूठ का बजट' करार दिया, जिसमें स्पष्टता, दिशा और विकास की नीयत का अभाव है। उनका कहना था कि यह बजट जनता को भ्रमित करने वाला है।

किसानों, ग्रामीण विकास पर केंद्रित बजट: चंपा

मंडी से कांग्रेस जिला अध्यक्ष चंपा ठाकुर ने मुख्यमंत्री सूक्खू के बजट की सराहना की। उन्होंने कहा कि गांवों में सीबीएसई पैटर्न के स्कूल, दूध के दामों में वृद्धि और हल्दी व अदरक के मूल्य बढ़ाने जैसे प्रावधान ग्रामीण आर्थिकी को मजबूत करेंगे। चंपा ठाकुर ने बजट को किसानों, बागवानों, विद्यार्थियों, युवाओं और कर्मचारियों सभी वर्गों के लिए लाभकारी बताते हुए मंडी में शिवधाम परियोजना के लिए आश्वासन को भी सराहनीय कदम करार दिया।

24 घंटे दुकानों खोलने के फैसले का स्वागत

जोगिंद्रनगर व्यापार मंडल ने प्रदेश सरकार द्वारा बजट में 24 घंटे दुकानों को खोलने की अनुमति देने के फैसले का स्वागत किया। मंडल अध्यक्ष भास्कर गुप्ता ने इसे व्यापारियों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। उनका कहना था कि इससे स्थानीय व्यापार में गति आएगी, रोजगार बढ़ेंगे और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। भास्कर गुप्ता ने सभी व्यापारियों से अपील की कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने व्यापार को बढ़ाएं।

आत्मनिर्भर हिमाचल का मास्टरप्लान: पवन ठाकुर

सरकाघाट से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव पवन ठाकुर ने मुख्यमंत्री के चौथे बजट को प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए ऐतिहासिक और दूरदर्शी दस्तावेज बताया। उन्होंने कहा कि बजट राज्य की वर्तमान आर्थिक स्थिति का सटीक प्रतिबिंब है और भविष्य की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने वाला रोडमैप है। पवन ठाकुर ने इसे 'आत्मनिर्भर हिमाचल' की दिशा में बड़ा कदम करार दिया और मुख्यमंत्री की प्रशासनिक दक्षता की सराहना की।

पूर्व सैनिकों की अनदेखी पर जताई नाराजगी

मंडी से सेवानिवृत्त कैप्टन जगदीश वर्मा, प्रदेशाध्यक्ष, संयुक्त मोर्चा ऑफ एक्स सर्विसमैन (जेसीओ एवं ओआर) ने बजट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मंत्रियों व सरकारी कर्मियों के वेतन स्थगित करना सराहनीय कदम है व मजदूर वर्ग एवं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बजट में किए गए प्रावधानों की सराहना की। हालांकि, उन्होंने नाराजगी जताई कि पूर्व सैनिकों की कल्याणकारी योजनाओं का कोई उल्लेख नहीं है।

पशुपालकों के लिए विशेष प्रावधान: अरुण प्रकाश

मंडी से पंडित अरुण प्रकाश आर्य, महासचिव, कांग्रेस कमेटी लीगल सेल ने प्रदेश सरकार के बजट की सराहना की। उन्होंने कहा कि भेड़पालकों के लिए समर्थन मूल्य, दूध के दाम में वृद्धि, गरीब महिलाओं को 1500 रुपए मासिक सहायता व गरीब परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली जैसे प्रावधान समाज के अंतिम पायदान पर बैठे लोगों के लिए राहतकारी हैं। उन्होंने इसे जनहितैषी व समावेशी बजट करार दिया, जो हर वर्ग तक लाभ पहुंचाता है।

न्यूज ब्रीफ

शिक्षा, कौशल पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना। राजकीय महाविद्यालय ऊना के अर्थशास्त्र विभाग ने 'समावेशी ग्रामीण विकास को गति देने के बहुआयामी दृष्टिकोण' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हाइब्रिड मोड में आयोजित की। यह आयोजन आईसीएसएसआर के प्रायोजन में हुआ। प्राचार्य डॉ. मीता शर्मा के संरक्षण में आयोजित कार्यक्रम का संचालन डॉ. शाम सिंह बैन्स व उनकी टीम ने किया। प्रथम दिन डॉ. जयंती दत्ता ने शिक्षा व कौशल विकास की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि दूसरे दिन डॉ. दीपक कुमार ने सामाजिक दृष्टिकोण से ग्रामीण संरचना पर चर्चा की। देशभर से 122 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 10 तकनीकी सत्रों में विभिन्न विषयों पर शोध प्रस्तुत हुए। संगोष्ठी में समावेशी, आत्मनिर्भर और सतत ग्रामीण विकास पर जोर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न व जानकारी छिपाने का मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, ऊना। महिला पुलिस थाना ऊना में दहेज उत्पीड़न व वैवाहिक जानकारी छिपाने का एक गंभीर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, 20 मार्च को एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसकी शादी वर्ष 2024 में चंडीगढ़ निवासी जगतजीत सिंह कोहली से हुई थी। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि शादी के कुछ समय बाद ही उसके पति ने छोटी-छोटी बातों को लेकर उससे झगड़ा करना शुरू कर दिया व दहेज की मांग को लेकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इसके अलावा, पति द्वारा अपनी पिछली शादी व तलाक की जानकारी छिपाने का भी आरोप लगाया गया है। महिला ने यह भी बताया कि वह फरवरी 2026 से अपने मायके में रह रही है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी के भतीजे अंगद सिंह व उसकी पत्नी गुरजोत कोहली, निवासी चंडीगढ़, पति को उकसाने का कार्य करते रहे। पुलिस अधीक्षक सचिन हिरेमठ ने बताया कि इस मामले में जगतजीत सिंह, अंगद सिंह व गुरजोत कोहली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

नवोदय विद्यालय परीक्षा में गुंजन ने पाई सफलता

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा के अंतर्गत गांव भलेत की होनहार छात्रा गुंजन ने जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गुंजन की इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी का माहौल है व परिजनों को लगातार बधाइयां मिल रही हैं। गुंजन के पिता सुमेश व माता कमलेश ने बेटी की सफलता पर गर्व जताते हुए कहा कि यह उसकी कड़ी मेहनत, लगन व अनुशासन का परिणाम है। गुंजन शुरू से ही पढ़ाई में तेज रही है व भविष्य में भी वह इसी तरह मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य को हासिल करेगी। गांव के लोगों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी गुंजन को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बिलासपुर में ईद उल फितर धूमधाम से मनाई

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। रोजेदारों ने शहर के रौड़ा सेक्टर स्थित जामा मस्जिद में एकत्रित होकर नमाज अदा की व विश्व शांति की कामना की। बरठीं, घुमारवीं, टकरेहड़ा, चकली, झंडूता, कोठीपुरा, स्वारघाट, इल्लेहवाल व नोआ-राजपुरा सहित विभिन्न मस्जिदों में भी बड़ी संख्या में नमाजियों ने विशेष नमाज अदा की। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोग मस्जिदों में पहुंचने लगे थे। युवा व बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। नमाज से पहले ईद का महत्त्व बताया गया व देश में अमन-शांति, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआएं की गईं। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। जामा मस्जिद के प्रधान हारून मोहम्मद और मोहम्मद रफी ने भी सभी को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर हिंदू-मुस्लिम एकता की सुंदर मिसाल देखने को मिली।

रवि पाल ठाकुर को सर्वसम्मति से चुना अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में पूर्व छात्र विकास संघ का अधिवेशन आयोजित किया गया, जिसमें पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से रवि पाल ठाकुर को अध्यक्ष चुना गया। उपस्थित सदस्यों ने नई टीम से संगठन को मजबूत बनाने और महाविद्यालय के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपेक्षा जताई।

कबड्डी में रचा इतिहास, अंतिम चार में पहुंची टीम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। सीनियर फेडरेशन कबड्डी कप-2026 में हिमाचल प्रदेश की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीन मुकाबलों में जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने शुरुआती मैचों से ही शानदार तालमेल, मजबूत डिफेंस और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की फिटनेस और रणनीति ने जीत में अहम भूमिका निभाई। इस उपलब्धि से प्रदेश में खुशी की लहर है और अब टीम से फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

प्रवेश शुल्क बढ़ाने से बढ़ेगा बोझ : रणधीर शर्मा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। नयना देवी के विधायक रणधीर शर्मा ने बाहरी वाहनों पर प्रवेश शुल्क बढ़ाने के सरकारी फैसले की आलोचना की और इसे जनविरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय आम जनता और तीर्थ यात्रियों पर आर्थिक बोझ बढ़ाएगा। शर्मा ने अपील की कि इसे तत्काल पुनर्विचार किया जाए व स्थानीय लोगों तथा पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उचित नीति अपनाई जाए। उन्होंने सरकार से संवाद के माध्यम से समाधान निकालने का सुझाव भी दिया।

कोटधार नलवाड़ मेला समिति की बैठक आज

अनंत ज्ञान, झंडूता। कोटधार नलवाड़ मेला समिति की बैठक 22 मार्च रविवार को प्राचीन शिव मंदिर लग दयो के प्रांगण में प्रातः 10:30 बजे रखी गई है। बैठक में मेले के शुभारंभ तथा समापन समारोह के लिए मुख्यातिथि को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा, साथ ही इस तीन दिवसीय मेले में 28 मार्च व 29 मार्च को स्टार नाइट का आयोजन भी किया जाएगा। इसके लिए कलाकारों के नाम को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। कोटधार नलवाड़ मेला के संस्थापक व महासचिव अमरनाथ धीमान ने समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों से आग्रह किया है कि वह 22 मार्च रविवार को प्रातः 10:30 बजे शिव मंदिर के प्रांगण में पहुंच जाएं, ताकि निर्धारित समय पर मेले की गतिविधियों को अंतिम रूप दिया जा सके, साथ ही तमाम इलाका निवासियों से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी इस मेले में बढ़ चढ़कर तन मन धन से पूर्ण सहयोग कर इस मेले को सफल बनाने का आह्वान भी किया है।

हिमाचल में संगठन विस्तार को लेकर 'आप' गंभीर

अनंत ज्ञान, बंगाणा। आम आदमी पार्टी द्वारा 22 मार्च को व्यास सदन, मंडी में एक अत्यंत महत्वपूर्ण संगठनात्मक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री, पूर्व शिक्षा मंत्री व पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उनकी उपस्थिति इस बैठक को अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है, जहां वे प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से सीधा संवाद कर संगठन को नई दिशा देने का कार्य करेंगे व आगामी चुनावी रणनीति को प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष चर्चा की जाएगी। प्रदेश के विभिन्न जिला व विधानसभा स्तर के प्रभारी, जिलों से आए पदाधिकारी व सक्रिय कार्यकर्ता इस बैठक में भाग लेंगे। डॉ. सुमित पुन्याल ने कहा कि यह बैठक हिमाचल में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने व आने वाले समय की रणनीति तय करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री व पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया की उपस्थिति इस बैठक को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बना रही है।

संघ की सौ साल की यात्रा पर आधारित फिल्म 'शतक', मौन साधना व राष्ट्रभाव की कहानी

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की लगभग सौ वर्षों की यात्रा को सिनेमा के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली फिल्म 'शतक' इन दिनों चर्चा में है। यह फिल्म केवल एक संगठन की कहानी नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में विचार, संस्कार व सेवा की परंपरा को समझाने का प्रयास करती है।

फिल्म में दिखाया गया है कि वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किस प्रकार धीरे-धीरे समाज में एक व्यापक संगठन के रूप में विकसित हुआ। शाखाओं की परंपरा, भगवा ध्वज को गुरु मानने की भावना और स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों को फिल्म में विशेष रूप से दर्शाया गया है। कहानी की शुरुआत उस दौर से होती है, जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। उस समय की सामाजिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों ने हेडगेवार को गहराई से प्रभावित किया। फिल्म उनके जीवन, राष्ट्रभक्ति व संगठन निर्माण की दूरदर्शी सोच को प्रभावी ढंग से सामने लाती है। फिल्म में यह भी दिखाया गया है कि प्रारंभिक वर्षों में संघ को कई स्थानों पर विरोध व संदेह का सामना करना पड़ा, लेकिन अनुशासन, सेवा व सामाजिक समरसता के प्रयासों से संगठन ने धीरे-धीरे समाज में अपनी पहचान स्थापित की। कथानक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर के नेतृत्व से जुड़ा है। अभिनेता अजय देवगन की आवाज में दिया गया वॉयसओवर फिल्म को गंभीरता प्रदान करता है, वहीं गायक सुखविंदर सिंह का गीत 'भगवा है अपनी पहचान' दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ता है। समग्र रूप से 'शतक' आधुनिक भारत के सामाजिक-राजनीतिक इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय को समझने का एक सिनेमाई प्रयास है।

चिंतपूर्णी मंदिर में श्रद्धालुओं पर बरसी माता की कृपा, प्रसाद में चुनरी पाकर खिले भक्तों के चेहरे

अनंत ज्ञान

चिंतपूर्णी दरबार में चुनरी प्रसाद पाकर प्रसन्न भक्त। अनंत ज्ञान

चिंतपूर्णी। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर माता के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है।

मेले के तीसरे दिन भारी भीड़ उमड़ी डबल लाइन पुराना बस स्टैंड क्रॉस कर गई। वहीं, मंदिर न्यास चिंतपूर्णी से मिली जानकारी के अनुसार दो दिनों में भक्तों ने माता रानी के दरबार में 1507209 रुपए का चढ़ावा अर्पित किया। पहले दिन मंदिर न्यास में 10000 के लगभग श्रद्धालुओं ने 784452 और दूसरे दिन 8000 श्रद्धालुओं ने 722757 रुपए का नगद चढ़ावा अर्पित किया। मेले के तीसरे दिन मंदिर प्रशासन द्वारा एक विशेष और सराहनीय पहल की गई। मंदिर अधिकारी संजीव प्रभाकर ने स्वयं उपस्थित होकर दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को माता रानी की चुनरियां प्रसाद के रूप में वितरित कीं। मीडिया को जानकारी देते हुए मंदिर अधिकारी संजीव प्रभाकर ने बताया कि पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड जैसे राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी गहरी आस्था के साथ यहां पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की यह विशेष इच्छा रहती है कि उन्हें माता के आशीर्वाद के रूप में दरबार से कोई स्मृति या प्रसाद प्राप्त हो।

उनकी इसी श्रद्धा व भावनाओं का सम्मान करते हुए, मंदिर प्रशासन ने निर्णय लिया कि जो चुनरियां भक्त मंदिर में अर्पित करते हैं, उन्हें पुनः प्रसाद के रूप में अन्य श्रद्धालुओं को भेंट किया जाए। इस पहल से श्रद्धालुओं व स्थानीय निवासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। लोगों का कहना है कि पहले माता की चुनरी प्राप्त करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी, लेकिन मंदिर अधिकारी के इस व्यक्तिगत प्रयास से अब यह प्रक्रिया सुगम व गरिमापूर्ण हो गई है। भक्तों ने प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए इसे आस्था को और सुदृढ़ करने वाला बताया है।

नयना देवी शक्तिपीठ में उमड़ा आस्था का सैलाब

अनंत ज्ञान

माता के दर्शनों को उमड़ी भीड़ । अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री नयना देवी मंदिर में चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन श्रद्धा व भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

तीसरे नवरात्र के अवसर पर श्रद्धालुओं ने माता रानी के चंद्रघंटा स्वरूप की विधिवत पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। 'जय माता दी' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। चैत्र नवरात्र के दौरान मंदिर प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक और पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता व दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, जिससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित विभिन्न राज्यों से भारी संख्या में श्रद्धालु माता के दरबार में शीश नवाने पहुंच रहे हैं। भक्तजन न केवल दर्शन कर रहे हैं, बल्कि मंदिर स्थित प्राचीन हवन कुंड में आहुतियां देकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव भी कर रहे हैं। मंदिर के पुजारी लकी शर्मा ने बताया कि नवरात्र के दौरान यहां पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु निरंतर माता के दरबार में पहुंच रहे हैं और माता रानी से अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। नवरात्र के इस पावन अवसर पर मां चंद्रघंटा की आराधना से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था देखने को मिल रही है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया है।

बजट में बिलासपुर की अनदेखी विकास की दौड़ में फिर पीछे छूटा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट ने जहां प्रदेश के कई जिलों को नई योजनाओं और बड़े प्रोजेक्ट्स की सौगात दी। वहीं बिलासपुर एक बार फिर उम्मीदों के बावजूद खाली हाथ नजर आया।

जिला वासियों को इस बार भी किसी बड़े औद्योगिक, पर्यटन या आधारभूत ढांचे से जुड़े विशेष प्रोजेक्ट की घोषणा का इंतजार ही रह गया। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का मानना है कि बिलासपुर, जो कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है, उसे हर बार बजट में केवल सामान्य घोषणाओं तक ही सीमित कर दिया जाता है। सड़कों, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में जो घोषणाएं की गई हैं, वे पूरे प्रदेश के लिए हैं, लेकिन बिलासपुर के लिए कोई विशेष योजना या अलग से बजट प्रावधान नहीं किया गया। विशेष रूप से पर्यटन के क्षेत्र में, जहां बिलासपुर में गोबिंद सागर झील, नलवाड़ी मेला और धार्मिक स्थल जैसी अपार संभावनाएं हैं, वहां भी सरकार की ओर से कोई ठोस पहल नजर नहीं आई। औद्योगिक विकास की बात करें तो भी जिले को कोई नया उद्योग या निवेश प्रस्ताव नहीं मिला, जिससे स्थानीय युवाओं में निराशा का माहौल है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी इस बजट को लेकर खासे मायूस दिखे। उनका कहना है कि रोजगार, पेयजल और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए उन्हें अब भी संघर्ष करना पड़ रहा है, लेकिन बजट में इन समस्याओं के समाधान के लिए कोई विशेष योजना सामने नहीं आई। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह लगातार दूसरी या तीसरी बार है, जब बिलासपुर को बजट में अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पाई है। इससे यह सवाल उठने लगा है कि आखिर विकास की इस दौड़ में बिलासपुर कब तक पिछड़ता रहेगा। कुल मिलाकर, इस बार का बजट बिलासपुर के लिए 'सामान्य घोषणाओं' तक ही सीमित रहा, जबकि जिला वासियों को उम्मीद थी कि इस बार उन्हें कुछ विशेष मिलेगा, अब देखना यह होगा कि सरकार आने वाले समय में इस उपेक्षा को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम उठाती है या नहीं।

बजट : आम जनता में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत हालिया बजट को लेकर आम जनता में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। 'अनंत ज्ञान' की टीम द्वारा आम आदमी से की गई बातचीत में लोगों ने इस बजट को संतुलित, जनहितैषी व विकासोन्मुखी बताया। लोगों का कहना है कि बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं को रोजगार देने और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस प्रावधान किए गए हैं।

बजट पर प्रतिक्रिया

मछुआरों व अन्य वर्गों को राहत

विजय पाठक ने कहा कि बजट में मछुआरों को बड़ी राहत दी गई है। रॉयल्टी को घटाकर मात्र 1% करना एक ऐतिहासिक निर्णय है, जिससे इस वर्ग को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। इसके अलावा बजट में किसान, बागवान, महिलाओं और युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए कई कल्याणकारी प्रावधान शामिल किए गए हैं।

किसान, बागवान, महिला और युवाओं को केंद्र में रखा गया

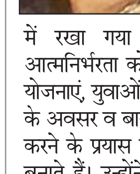

शालिनी ने कहा कि इस बजट में किसान, बागवान, महिलाओं व युवाओं को विकास के केंद्र में रखा गया है। महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं, युवाओं के लिए रोजगार सृजन के अवसर व बागवानी क्षेत्र को मजबूत करने के प्रयास इस बजट को व्यापक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।

प्राकृतिक खेती व एमएसपी में बढ़ोतरी

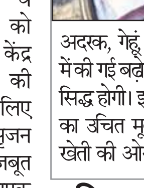

विष्णु ने बजट में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के निर्णय को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अदरक, गेहूं, मक्की व हल्दी के एमएसपी में की गई बढ़ोतरी किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। इससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और वे प्राकृतिक खेती की ओर अधिक प्रेरित होंगे।

बजट सराहनीय और संतुलित

मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा प्रस्तुत बजट को विशाल नड्डा ने एक संतुलित और जनहितैषी बजट बताया। उन्होंने कहा कि इस बजट में समाज के हर वर्ग किसान, युवा, महिला, कर्मचारी और गरीब वर्ग-के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई गई हैं, जिससे प्रदेश के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर फोकस

सुभाष मिन्हास ने कहा कि बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ाने, स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहन देने व किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रावधान किए गए हैं, जो प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगे।

शिक्षा, स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

मधु ने कहा कि बजट में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने व सड़कों सहित बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इससे प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और विकास की गति तेज होगी।

सुक्खू सरकार का बजट कांग्रेस को भाया, भाजपा ने जुमला बताया

अनंत ज्ञान

ऊना/बंगाणा। प्रदेश सरकार की ओर से पेश किए गए बजट को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। कुटलैहड़ भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे तीन वर्ष पूर्व के बजट की जेरॉक्स कॉपी करार दिया है। उधर कुछ लोगों ने बजट की तारीफ भी की है।

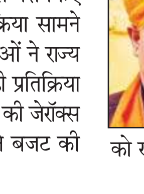

पूर्व विधायक दविंदर कुमार भुट्टो ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट केवल दिखावे व औपचारिकताओं तक सीमित है। बजट में न तो किसानों की आर्थिकी मजबूत करने के लिए कोई प्रभावी प्रावधान किया गया है और न ही युवाओं के लिए रोजगार सृजन से संबंधित कोई नई पहल की गई है। यह बजट केवल कुछ खास लोगों व मित्रों को खुश करने वाला बजट प्रतीत होता है।

पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि यह बजट सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है और जनता के साथ किए गए वादों को नजरअंदाज करने जैसा है। जनता ने जिन उम्मीदों के साथ इस सरकार को सत्ता सौंपी थी, उन उम्मीदों पर यह बजट पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया है। किसानों की स्थिति को मजबूत करने के लिए कृषि क्षेत्र में विशेष योजनाओं और राहत पैकेज की आवश्यकता थी, लेकिन बजट में इस दिशा में कोई उल्लेखनीय पहल नहीं दिखाई दी।

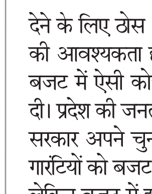

भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र मलांगड़ ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए ठोस और दूरदर्शी नीतियों की आवश्यकता होती है, लेकिन इस बजट में ऐसी कोई दिशा दिखाई नहीं दी। प्रदेश की जनता को उम्मीद थी कि सरकार अपने चुनावी वादों और दस गारंटियों को बजट में प्राथमिकता देगी, लेकिन बजट में इन गारंटियों का कहीं भी स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया।

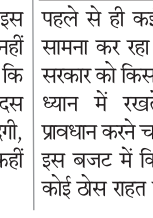

गगरेट के पूर्व विधायक राजेश ठाकुर का कहना है कि प्रदेश का किसान पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और ऐसे में सरकार को किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रावधान करने चाहिए थे, लेकिन इस बजट में किसानों के लिए कोई ठोस राहत नहीं दी गई।

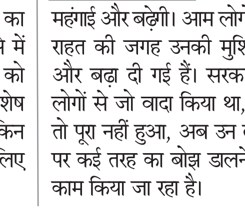

कुटलैहड़ के समाजसेवी अजय ठाकुर ने कहा कि पेट्रोल और डीजल पर सेस लगाने से राज्य में महंगाई और बढ़ेगी। आम लोगों को राहत की जगह उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी गई हैं। सरकार ने लोगों से जो वादा किया था, वह तो पूरा नहीं हुआ, अब उन लोगों पर कई तरह का बोझ डालने का काम किया जा रहा है।

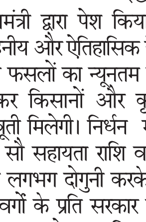

जिला कांग्रेस अध्यक्ष देसराज गौतम ने कहा कि राज्य में वित्तीय स्थिति के सुधार को मध्यनजर रखते हुए मुख्यमंत्री द्वारा पेश किया गया बजट सराहनीय और ऐतिहासिक है। हल्दी और अन्य फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर किसानों और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। निर्धन महिलाओं को पंद्रह सौ सहायता राशि व दिव्यांगों की पेंशन लगभग दोगुनी करके मुख्यमंत्री ने ऐसे वर्गों के प्रति सरकार की उदारवादी विचारधारा को प्रकट किया है।

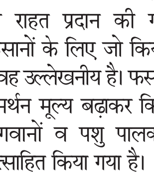

इंटक नेता कामरेड जगत राम ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बजट में दूरदर्शिता का प्रमाण दिया है। आम व गरीब जनता को राहत प्रदान की गई है। किसानों के लिए जो किया गया है वह उल्लेखनीय है। फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाकर किसानों, बागवानों व पशु पालकों को प्रोत्साहित किया गया है।

कुटलैहड़ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राम आसरा शर्मा ने कहा कि बजट में दूरदर्शिता नजर आई है। इससे हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य के लोगों को राहत मिलेगी। गरीब परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का फैसला राहत भरा है।

सरकार का चौथा बजट एक संतुलित बजट : सांख्यान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मीडिया को-ऑर्डिनेटर संदीप सांख्यान ने कहा कि हिमाचल सरकार का 54,928 करोड़ का चौथा बजट एक संतुलित बजट है, जो हर वर्ग और क्षेत्र को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बजट में किसानों के लिए समर्थन मूल्य बढ़ाने, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन, उद्योग, पर्यटन व इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है। सांख्यान ने मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में सीमित संसाधनों के बावजूद आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने बताया कि राज्य की अर्थव्यवस्था में लगभग 8.3% वृद्धि का अनुमान है व जीएसडीपी में भी संतोषजनक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बजट में ऊर्जा व परिवहन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।

नलवाड़ी मेला 2026 : सांस्कृतिक संध्या से जागरूकता व आत्मनिर्भरता तक की झलक

अनंत ज्ञान

बिलासपुर। राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेला-2026 की पहली सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने बतौर मुख्य अतिथि किया। मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष व उपायुक्त राहुल कुमार ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक तिलक राज शर्मा, एडीसी ओम कांत ठाकुर, एसडीएम डॉ. राजदीप सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मेले में जहां एक ओर सांस्कृतिक रंग बिखर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर आत्मनिर्भरता और परंपरा का भी सुंदर संगम देखने को मिल रहा है।

एनआरएलएम के अंतर्गत विकास खंड सदर की 'लक्ष्मी-2' स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाए गए पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल पर मक्की की रोटी, सरसों का साग और कढ़ी लोगों को खूब भा रहे हैं। इस पहल से जुड़ी महिलाओं को रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर मिल रहा है। इसके साथ ही मेला केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि जागरूकता का भी महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा साइबर सेफ्टी और सीपीआर पर विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई है, जहां लोगों को डिजिटल सुरक्षा और आपातकालीन जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। 23 मार्च को युवाओं के लिए साइबर सुरक्षा दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुधार कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं, ब्रह्माकुमारी केंद्र बिलासपुर का स्टॉल मेले में आध्यात्मिकता का संदेश दे रहा है। यहां ध्यान और सकारात्मक सोच के माध्यम से मानसिक शांति, नशा मुक्ति और नैतिक मूल्यों के प्रति लोगों को प्रेरित किया जा रहा है।

'कहलूर दर्शन' प्रदर्शनी का शुभारंभ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले में जिला प्रशासन द्वारा स्थापित 'कहलूर दर्शन' प्रदर्शनी का शुभारंभ डीसी व मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष राहुल कुमार ने किया। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर भी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने बताया कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से पुराने बिलासपुर और कहलूर रियासत के इतिहास, संस्कृति और पारंपरिक जीवनशैली को प्रदर्शित किया गया है। इसमें बढ़ईगीरी, मूर्तिकला और चित्रकला जैसी पारंपरिक कलाओं के साथ विभिन्न कलाकृतियों की जानकारी भी दी गई है। साथ ही ऋषि व्यास की आकर्षक मूर्ति भी दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी विशेषकर युवाओं को बिलासपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर का प्रशिक्षण 23 मार्च से

अनंत ज्ञान, ऊना। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) ऊना में 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर (ब्यूटी पार्लर मैनेजमेंट) प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार 23 मार्च से आरंभ होने जा रहा है।

इस प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए जिला ऊना के किसी भी गांव से संबंधित इच्छुक प्रतिभागी अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। कार्यक्रम संचालक आकाश भारद्वाज ने बताया कि प्रशिक्षण पूरी तरह निशुल्क होगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रहने और खाने की सुविधा के साथ साथ बैंक ऋण की जानकारी और सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को ड्रेस, कॉपी, पेन तथा प्रशिक्षण से संबंधित आवश्यक सामग्री भी बैंक द्वारा निशुल्क प्रदान की जाएगी, ताकि वे प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रतिभागियों को सरकारी प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान थ्रेडिंग, फेशियल, ब्राइडल मेकअप, मैनीक्योर, पेडीक्योर, ब्लीचिंग सहित अन्य आधुनिक ब्यूटी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विवेक शर्मा ने विपक्ष के पुराने वादों पर सवाल उठाए, जनता से जुड़े मुद्दों को दी गई प्रमुखता

अनंत ज्ञान

बंगाणा। कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा द्वारा विधानसभा सत्र के दौरान दिया गया संबोधन इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद हुई चर्चा में विधायक विवेक शर्मा ने राज्य सरकार व विपक्ष से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया, जिन पर जनता की भी सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

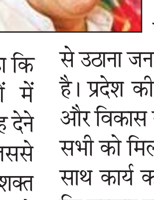

विधानसभा में अपने संबोधन के दौरान विधायक ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कई जिलों में महिलाओं को 1500 रुपए प्रति माह देने की योजना लागू की गई है, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना से प्रदेश की हजारों महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है व उनके जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। उन्होंने इस योजना को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। विधायक ने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को पहले अपने पुराने वादों का हिसाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रत्येक परिवार को 15 लाख रुपए देने की जो घोषणा की गई थी, विपक्ष को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह वादा कितना पूरा हुआ व अब तक कितने परिवारों को 15 लाख रुपए प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि जनता को सच्चाई जानने का पूरा अधिकार है व विपक्ष को इस विषय पर खुलकर जवाब देना चाहिए। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण मंच पर जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। प्रदेश की जनता के हितों की रक्षा और विकास कार्यों को गति देने के लिए सभी को मिलकर सकारात्मक सोच के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। विधायक के इस संबोधन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बड़ी संख्या में लोग इस वीडियो को साझा कर रहे हैं और विधायक के विचारों की सराहना कर रहे हैं। कई लोगों ने उनके संबोधन को स्पष्ट और प्रभावशाली बताते हुए कहा कि उन्होंने विधानसभा में जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाया है।

किसी ने सराहा, तो किसी ने नकारा बजट

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, कुल्लू। प्रदेश सरकार की ओर से पेश किए गए बजट को लेकर कुल्लू जिले में मिली जुली प्रतिक्रिया सामने आई हैं। भाजपा ने जहां इसे पूरी तरह से निराशाजनक बताते हुए नकारा है। वहीं, पेंशनर्स ने भी इसे आश्वासन का झुनझुना बताया है। इसके अलावा कांग्रेस ने बजट की सराहना की है और कहा है कि बजट में हर वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। लिहाजा, बजट को लेकर मिली जुली प्रतिक्रिया रही है।

बजट में हर वर्ग का रखा ध्यान: संजय

प्रदेश के मुख्यमंत्री की ओर से पेश किया गया चौथा बजट सराहनीय है। बजट में दूध के दामों में वृद्धि से पशुपालन को लाभ मिलेगा। इस वृद्धि से सीधे तौर पर उन हजारों परिवारों को लाभ मिलेगा, जिनकी आजीविका डेयरी फार्मिंग पर टिकी है। इससे न केवल पशुपालकों की आय बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण युवाओं का रुझान फिर से पशुपालन की ओर बढ़ेगा। इसके अलावा प्रदेश के इतिहास में पहली बार अदरक पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा की गई है। एमएसपी 30 रुपए तय किया गया है। इसके अतिरिक्त, हल्दी का खरीद मूल्य 90 रुपए से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलो कर दिया गया है। यह बजट हर वर्ग का ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया गया है।

संजय गुप्ता, मीडिया प्रभारी जिला कांग्रेस एवं पूर्व महासचिव।

बजट में कुल्लू को एक बार फिर दिखाया ठेंगा: रोशन

बजट में मुख्यमंत्री ने जिला कुल्लू को एक बार फिर ठेंगा दिखा दिया है। हिमाचल में पर्यटन को बढ़ावा देने में मनाली का नाम अहम है। मनाली के नाम से ही पर्यटक हिमाचल आता है और वह मनाली के साथ शिमला, धर्मशाला और कांगड़ा भी जाता है। मुख्यमंत्री ने पर्यटन पर 15 मिनट का भाषण दिया लेकिन उनकी जुबान पर मनाली का नाम भी नहीं आया। कुल्लू मनाली हवाई अड्डे के विस्तार पर एक शब्द नहीं बोला। हिमाचल के अनेक जिलों में हेलीपोर्ट की घोषणा मुख्य मंत्री ने की लेकिन मनाली का नाम लेना भूल गए। मनाली के साथ जिस तरह का भेदभाव मुख्यमंत्री ने किया है उससे साफ जाहिर होता है कि मनाली में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार बिल्कुल इच्छुक नहीं है।

रोशन ठाकुर, अध्यक्ष होटलियर एसोसिएशन मनाली

हिमाचल आने वाले पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा: मकरध्वज

सरकार ने गाड़ियों के प्रदेश में एंट्री टैक्स को ढाई गुना तक बढ़ा दिया है। जो छोटी गाड़ियों पर पहले 70 रुपये एंट्री टैक्स लगता था अब सरकार ने इसे 170 रुपये कर दिया है। सरकार के इस फैसले से हिमाचल आने वाले पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ तो पड़ेगा ही साथ ही जो हमारा पड़ोसी राज्य सरकार है वह भी हिमाचल सरकार के इस फैसले से नाराज है। अब तो पंजाब सरकार के एक मंत्री ने भी कह दिया है कि वह भी हिमाचल की गाड़ियों पर टैक्स लगेंगे। कुल मिलाकर सुख की सरकार ने प्रदेश वासियों को आगे कुंआ और पीछे खाई वाली हालत में लाकर खड़ा कर दिया है।

मकरध्वज शर्मा, कोषाध्यक्ष होटलियर एसोसिएशन मनाली।

आश्वासन का झुनझुना थमाया : गुलशन

मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा पेश किया गया बजट को पेंशनर्स व कर्मचारियों के लिये बेहद निराशाजनक है। बजट भाषण में मुख्यमंत्री सुक्खू ने पेंशनरों और कर्मचारियों के लिये वित्तीय देनदारियों की घोषणा तो दूर, उनका जिक्र तक नहीं किया। उल्टे अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन में आगामी छह महीनों तक 20 से 30 प्रतिशत कटौती कर दी जो कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदेश के पेंशनरों और कर्मचारियों को आस थी कि इस बजट में मुख्यमंत्री जनवरी 2016 से संशोधित वेतनमान के एरियर, महंगाई भत्ता और अन्य वित्तीय देनदारियों के भुगतान की अपने बजट भाषण में घोषणा करेंगे। लेकिन मुख्यमंत्री ने पेंशनरों को सिर्फ चरणबद्ध तरीके से भुगतान करने के आश्वासन का झुनझुना थमाकर पेंशनरों और कर्मचारियों को पूरी तरह से निराश किया। हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन ने 21 मार्च को पेश किए गए आगामी वित्त वर्ष के बजट में पेंशनरों और कर्मचारियों की लंबित वित्तीय देनदारियों के एकमुश्त भुगतान के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान करने की प्रदेश सरकार से मांग की है। अन्यथा सभी पेंशनर संगठन प्रदेश सरकार के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजा देंगे।

बजट में विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर फोकस : महिमन चंद्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश का बजट 2026–27 राज्य के समग्र विकास, सामाजिक कल्याण और आर्थिक संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। इंटक फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिमन चंद्र ने इसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रस्तुत जनहितकारी बजट बताया। उन्होंने कहा कि बजट का मुख्य फोकस ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है, जिससे दूरदराज क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। बजट में वृद्धावस्था पेंशन को 1500 से बढ़ाकर 3000 रुपए करना सराहनीय कदम बताया गया है। इसके अलावा गरीब परिवारों को 1500 रुपए की सहायता और 300 यूनिट मुफ्त बिजली की घोषणा से आम जनता को राहत मिलेगी। गद्दी समुदाय के लिए 300 करोड़ का विशेष प्रावधान सामाजिक समावेशन की दिशा में सकारात्मक पहल माना गया है। कृषि क्षेत्र में अदरक पर पहली बार एमएसपी लागू करने, दूध के दाम बढ़ाने व बागवानी को बढ़ावा देने जैसे निर्णय किसानों के हित में बताए गए हैं। रोजगार के लिए कौशल विकास व स्टार्टअप को बढ़ावा देने की बात भी बजट में शामिल है। हालांकि, स्थायी रोजगार के लिए और प्रयास जरूरी बताए गए। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं व हरित ऊर्जा पर जोर राज्य को आगे बढ़ाने में मदद करेगा, लेकिन बढ़ते कर्ज और महंगाई जैसी चुनौतियों पर ध्यान देना भी आवश्यक है।

सरकार का बजट निराशाजनक जनहित की अनदेखी: सुरेंद्र शौरी

अनंत ज्ञान, बंजार। बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी ने विधानसभा में प्रस्तुत हिमाचल प्रदेश सरकार के बजट को पूर्णतः निराशाजनक, दिशाहीन व जनविरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश की वास्तविक समस्याओं से कोसों दूर है व आम जनता, किसानों, युवाओं तथा कर्मचारियों की उम्मीदों पर खरा उतरने में पूरी तरह विफल रहा है। शौरी ने कहा कि बंजार विधानसभा क्षेत्र सहित प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों की मूलभूत समस्याओं जैसे सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवहन इस बजट में कहीं भी प्राथमिकता में नजर नहीं आईं। विशेषकर बंजार क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़े बस रूट, स्वास्थ्य संस्थानों में स्टाफ की कमी, तथा महाविद्यालयों में रिक्त पदों जैसे गंभीर मुद्दों पर सरकार ने कोई ठोस घोषणा नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने केवल आंकड़ों और खोखले वादों के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास किया है, जबकि धरातल पर विकास के लिए कोई स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत नहीं किया गया। यह बजट न तो रोजगार सृजन की दिशा में ठोस कदम उठाता है और न ही प्रदेश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए कोई दूरदर्शी योजना प्रस्तुत करता है। लोक निर्माण व जल शक्ति जैसे बड़े विभागों में प्रदेश सरकार केंद्र द्वारा दी गई स्वीकृतियों का ही पिष्टपेषण कर आंकड़ों का ही जिक्र किया गया है। जबकि अपने स्तर पर प्रदेश सरकार ने कोई प्रयास नहीं किया है। शौरी ने कहा कि प्रदेश की जनता इस बजट से राहत और विकास की उम्मीद कर रही थी, लेकिन उन्हें केवल निराशा हाथ लगी है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह जनहित को प्राथमिकता देते हुए विशेषकर ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों के विकास के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस जनविरोधी बजट के खिलाफ जनता की आवाज को बुलंद करेगी और सरकार को उसकी जिम्मेदारियों का एहसास करवाएगी।

लाहौल-स्पीति में जिला परिषद वार्डों का अंतिम परिसीमन जारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। जिला प्रशासन लाहौल-स्पीति ने हिमाचल प्रदेश पंचायतीराज अधिनियम, 1994 के अंतर्गत जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) के परिसीमन का अंतिम आदेश जारी कर दिया है। यह निर्णय पंचायतीराज चुनावों को निष्पक्ष, पारदर्शी व सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

डीसी किरण भड़ाना ने बताया कि प्रस्तावित परिसीमन पर पूर्व में अधिसूचना जारी कर आम जनता से आपत्तियां व सुझाव आमंत्रित किए गए थे। निर्धारित समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने के कारण परिसीमन प्रस्ताव को अंतिम रूप प्रदान कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि, 'जिला परिषद वार्डों का यह परिसीमन लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला प्रशासन पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जिले में जिला परिषद के 10 वार्ड निर्धारित किए गए हैं, जिनके अंतर्गत निम्नलिखित ग्राम शामिल किए गए हैं। उदयपुर वार्ड: तिंदी, सलग्रां, मडग्रां, उदयपुर, चिमरेट व तिंगरट। त्रिलोकिनाथ वार्ड: त्रिलोकिनाथ, शकोली, किशोरी, थिरोट, मुरिंग। जहालमा वार्ड: जहालमा, जुण्डा, नालडा, जोबरंग, गोहरमा। वारपा वार्ड: शांशा, रानिका, वारपा, तांदी, मालंग। केलांग वार्ड: गोशाल, मुलिंग, कारदंग, केलांग। सिस्सू वार्ड: गोंधला, खंगसर, सिस्सू, कोकसर, शूलिंग। कोलोंग वार्ड: दारचा, कोलोंग, युरनाथ, बरबोग। लोसर वार्ड: लोसर, खुरिक, हल, किब्बर। काजा वार्ड: काजा, लंगचा डैमूल, लालूंग, डंखर, लारा। सगनम वार्ड: ताबो, गियू, कुंगरी, सगनम।

मनाली में हुई बर्फबारी फसलों सहित पर्यटन के लिए फायदेमंद

अनंत ज्ञान

मनाली। मनाली सहित आसपास के क्षेत्र में बीते तीन दिनों से हो रही बारिश और बर्फबारी का दौर आखिरकार आज थम गया है। इसके बाद अब यहां के लोगों ने भी राहत की सांस ली है।

घाटी में आज खिली गुनगुनी धूप के बाद पहाड़ों पर बिछी बर्फ की सफेद चादर ने यहां की सुंदरता को और बढ़ा दिया है। मार्च के महीने में मनाली की ऊपरी क्षेत्रों में हुई इस बर्फबारी ने एक बार फिर से घाटी में ठंड बढ़ गई है। मनाली व आस-पास के इलाकों में हुई यह बर्फबारी यहां के फसलों सहित पर्यटन के लिए फायदेमंद मानी जा रही है। घाटी के प्रसिद्ध बागवान सतपाल ठाकुर, गोपाल भार्गव का कहना है कि हाल ही में हुई बर्फबारी से सेब की फसल के साथ-साथ पलम, नाशपाती की फसल अच्छी होने की उम्मीद है। मनाली के ऊपरी इलाकों में हुई बर्फबारी के बाद सैलानी भी मनाली का रुख कर रहे हैं। मनाली घूमने आए रूचि, हरभजन व प्रयुष सैलानियों का कहना है कि मनाली का मौसम आज काफी सुहावना बना हुआ है व धूप भी अच्छी खिली हुई है।

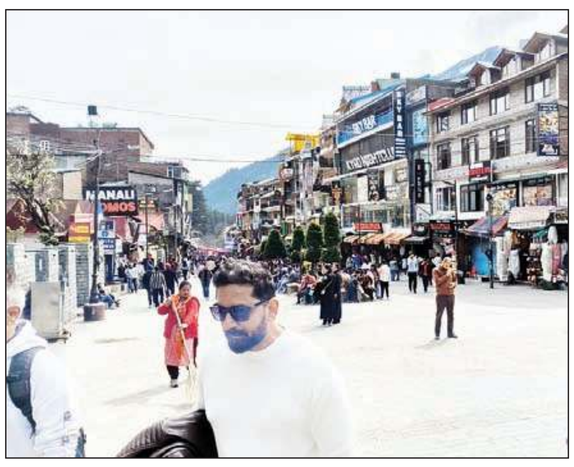

मनाली के मालरोड में पर्यटक चहलकदमी करते हुए। अनंत ज्ञान

उनका कहना है कि बीते दिनों से मनाली व आसपास के क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही थी, जिससे ठंड भी काफी ज्यादा हो गई थी, लेकिन आज यहां पर धूप खिली हुई है। उन्होंने कहा कि उन्हें मार्च के महीने में भी मनाली व आसपास के इलाकों में बर्फ देखने को मिली है, जिसकी उन्होंने उम्मीद भी नहीं की थी।

भूस्खलन व पेड़ गिरने से अलेऊ चचोगा जल आपूर्ति प्रभावित

अनंत ज्ञान, मनाली। मनाली घाटी में भारी बारिश होने से जल शक्ति विभाग की भी दिक्कत बढ़ गई है। मनालसु नदी में बारिश के कारण पानी मटमेला होने से विभाग की दिक्कत बढ़ी है।साथ ही पेड़ों के लगातार गिरने से अलेऊ चचोगा जल आपूर्ति भी बाधित हो गई थी। विभाग द्वारा श्रमिकों को तैनात किया गया। हालांकि जल आपूर्ति बहाल होने में समय लगा लेकिन अब आशिंक रूप से आपूर्ति सुचारु हो गई है। जल शक्ति विभाग मनाली के एसडीओ दीक्षांत शर्मा ने बताया कि अलेऊ क्षेत्र में पानी की आपूर्ति आंशिक रूप से बहाल कर दी गई है। जेएसवी के कर्मचारी इसे पूरी तरह से बहाल करने के लिए अभी भी काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि लाइन खुली है क्योंकि जहां से लाइन पहले ले जानी थी, वहां भूस्खलन हो चुका है। इसलिए तत्काल बहाली के लिए लाइन खोल दी गई है। जेएसवी कर्मचारी उपभोक्ताओं को पानी की आपूर्ति करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की है।

नमाज अदा कर अल्लाह से मांगी अमन चैन की दुआएं

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कुल्लू जिले में शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिले के अखाड़ा बाजार, बंजार, मनाली, जगतसुख सहित जिया गांव में वार्ड नंबर एक में रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने गले मिल कर ईद के त्योहार को मनाया। इस ईद को मीठी ईद व ईद-अल-फितर के नाम से भी जाना जाता है, रमजान उपवास के इस्लामी पवित्र महीने के अंत का प्रतीक है।

मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा कर अल्लाह से अमन चैन की दुआएं मांगी। जिला कुल्लू के विभिन्न स्थानों पर बनी मस्जिदों में ईद उल फितर का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा करने के लिए उमड़ पड़े। जिया की मस्जिद में सुबह से ही खूब भीड़ उमड़ पड़ी थी। जिया के पूर्व पंच हसनदीन, इब्राहीम, यूसफ, अल्ली, सुलेमान, नूर अली, शफी व जुसफ ने बताया कि ईद का त्योहार आपसी भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिया की मस्जिद में बड़े ही हर्षोल्लास व भाईचारे के बीच ईद मनाई गई, सभी ने गले मिलकर एक-दूसरे को मुबारकबाद दी।

लगघाटी के तियुन में बर्फबारी से सेब के पौधों को हुआ नुकसान : रामलाल ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू की लगघाटी की मानगढ़ पंचायत के तियुन क्षेत्र में बर्फबारी ने बागवानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारी बर्फबारी के चलते सेब के बगीचों में लगे पौधों को काफी नुकसान पहुंचा है। बर्फ के अधिक भार के कारण पौधों को सहारा देने के लिए लगाई गई जालियां कई स्थानों पर टूट गई हैं, जिससे सेब के पौधों की टहनियां भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। स्थानीय बागवानों का कहना है कि इस समय पौधों की देखभाल बेहद जरूरी होती है, लेकिन अचानक हुई बर्फबारी ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया है। कई बगीचों में छोटे पौधों को ज्यादा नुकसान हुआ है, जिससे आने वाले सीजन की पैदावार पर भी असर पड़ने की आशंका है। फुंगनी माता के कारदार राम लाल ठाकुर ने सरकार व प्रशासन से आग्रह किया है कि प्रभावित क्षेत्रों का जल्द सर्वे करवाया जाए, ताकि नुकसान का सही आकलन हो सके। उन्होंने कहा कि बागवानों की आर्थिक स्थिति पहले ही कई चुनौतियों से गुजर रही है, ऐसे में इस नुकसान की भरपाई के लिए उचित मुआवजा दिया जाना बेहद जरूरी है। बागवानों ने प्रशासन से यह भी मांग की है कि भविष्य में इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि किसानों व बागवानों को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

निरत सिंह ठाकुर को तीसरी बार कुल्लू इकाई अध्यक्ष की कमान

अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति हिमाचल प्रदेश कुल्लू इकाई के चुनाव के दौरान गणमान्य लोग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति हिमाचल प्रदेश के प्रांत अध्यक्ष डॉ. सूरत ठाकुर की देखरेख में मौहल के नेचर पार्क में समिति की कुल्लू इकाई का चुनाव संपन्न हुआ।

इसमें सर्वसम्मति से निरत सिंह ठाकुर को तीसरी बार अध्यक्ष चुना गया। निरत सिंह ठाकुर ने कार्यकारिणी का विस्तार भी किया। इसमें हेम राज ठाकुर व सुभाष शर्मा को उपाध्यक्ष, राम प्रशाद ठाकुर को महासचिव, धर्मेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष, भूपेंद्र सिंह को संगठन सचिव, कुबेर सिंह को सह सचिव, विजय सिंह को लेखक प्रमुख, देवेंद्र गौड़ को विद्वत प्रमुख, नोविंदर सिंह को प्रचार प्रमुख, दिशा गुलेरिया को महिला संयोजक बनाया गया। कार्यकारिणी में भागे राम राणा, नरेंद्र पाल, वीर विक्रम, रामनाथ, खेमदास महंत को शामिल किया गया। यह कार्यकारिणी आगामी तीन वर्ष के लिए चुनी गई। इस अवसर पर प्रांत कार्यकारिणी सदस्य हीरा लाल ठाकुर भी उपस्थित रहे।

ऊझी घाटी के सरसई गांव में 'जवाड़ी मेले' का भव्य आगाज

मोहन कपूर, अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। जिला कुल्लू की ऊझी घाटी के ऐतिहासिक सरसई गांव में नव संवत के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले पारंपरिक 'जवाड़ी मेले' का शुभारंभ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ हो गया है। शनिवार सायं को क्षेत्र के विभिन्न शक्तिपीठों से आए देवी-देवताओं के आगमन के साथ ही मेले की रौनक बढ़ गई है। तीन दिनों तक चलने वाले इस देव समागम में देवताओं का आशीर्वाद लेने के लिए ऊझी घाटी सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। मेले के मुख्य आकर्षण का केंद्र शनिवार शाम को हुआ देवताओं का भव्य मिलन रहा।

◆ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रहेगी धूम

इस वर्ष मेले की शोभा बढ़ाने और श्रद्धालुओं को अपना दिव्य आशीर्वाद देने के लिए घाटी के प्रतिष्ठित देवी-देवता यहां पहुंचे हैं। जवाड़ी मेले में भगवान विष्णु सजला, देवता वासुकी नाग हलाण-1, माता खंडासनी भाड़का, देवता वीर नाथ (गौहरी) भोष, देवता पिउली नाग बटाहर, माता नीला सूरी हरिपुर और माता कोटली सोयल (दशाल) विशेष रूप से शिरकत कर रहे हैं। जैसे ही इन देवी-देवताओं के रथ ढोल-नगाड़ों और नरसिंगों की थाप पर सरसई पहुंचे, पूरा क्षेत्र देव-ध्वनियों से गूंज उठा और भक्तों ने पुष्प वर्षा के साथ अपने आराध्य देवों का स्वागत किया। मेला कमेटी के अनुसार, इस वर्ष मेले को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ मेले के दौरान भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें स्थानीय कलाकार कुल्लवी संस्कृति की झलक पेश करेंगे। कमेटी ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुख्ता प्रबंध किए हैं ताकि तीन दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में किसी को असुविधा न हो। आगामी दो दिनों तक यहां देव नृत्य और पारंपरिक नाटी का दौर जारी रहेगा।

राजकीय अर्ध चालक व परिचालक महासंघ जिला कुल्लू की बैठक आयोजित

हरवंश ठाकुर को वाइस चेयरमैन की कमान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू में राजकीय अर्ध चालक व परिचालक महासंघ की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को जिला अध्यक्ष तुले राम की अध्यक्षता में आयोजित हुई। महासंघ के महामंत्री वेद राम ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में जिले के सभी खंडों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया और संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

हाल ही में संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के सेवानिवृत्त होने, वाइस चेयरमैन के तबादले तथा कोषाध्यक्ष पद के रिक्त होने के कारण तीनों पदों पर चुनाव करवाए गए। सर्वसम्मति से खीमी राम ठाकुर को उपाध्यक्ष, हरवंश ठाकुर को वाइस चेयरमैन तथा टेकराम ठाकुर को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक के दौरान चालक साथियों ने विभिन्न विभागों में चल रही टैक्सी प्रथा से संबंधित अनियमितताओं को प्रमुखता से उठाया। प्रतिनिधियों ने बताया कि कई विभागों में हायर की गई टैक्सियां बिना उपयोग के खड़ी रहती हैं, जबकि उनके ड्राइवरों की जगह सरकारी वाहनों को अन्य लोग चला रहे हैं, जो नियमों के खिलाफ है। इसके अलावा कुछ मामलों में अधिकारी स्वयं हायर की गई गाड़ियों को चला रहे हैं, जो कि नियमों का उल्लंघन है।

टैक्सियों पर 'हिमाचल प्रदेश सरकार' लिखे जाने को भी गलत बताया गया, क्योंकि ये वाहन निजी स्वामित्व के होते हैं और केवल विभाग द्वारा किराए पर लिए जाते हैं। महासंघ ने इन सभी मामलों को गंभीर मानते हुए निर्णय लिया कि इन्हें प्रदेश कार्यकारिणी के माध्यम से सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा। बैठक में लोक निर्माण विभाग में कार्यरत बेलदारों की स्थिति पर भी विशेष चर्चा की गई। महासंघ ने मांग रखी कि जो बेलदार मशीनों और वाहनों के साथ हेल्पर के रूप में कार्य कर रहे हैं, उन्हें परिचालक के पद पर पदोन्नत किया जाए। इसके साथ ही जो बेलदार वाहन चला रहे हैं, उन्हें चालक के पद पर प्रोन्नत करने की मांग भी रखी गई। महासंघ का कहना है कि इससे सरकार पर कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा, क्योंकि संबंधित कर्मचारी पहले से ही चतुर्थ श्रेणी में कार्यरत हैं और केवल उनके पदनाम में परिवर्तन किया जाएगा। बैठक में जिला चेयरमैन खयाल चंद ठाकुर सहित विभिन्न ब्लॉकों के पदाधिकारियों भुंतर-मणिकर्ण, कटराईं-मनाली और कुल्लू ब्लॉक के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। अंत में महासचिव वेद राम ठाकुर ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और भरोसा दिलाया कि महासंघ जल्द ही मुख्यमंत्री व हिमाचल सरकार से मिलकर इन मांगों को प्राथमिकता से उठाएगा।

पंचायतीराज संस्थाओं की मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। पुनरीक्षण अधिकारी व खंड विकास अधिकारी नग्गर, मुकेश कुमार ने जानकारी दी है कि पंचायतीराज संस्थाओं की मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू हो चुका है। इसके तहत जो नागरिक 1 अप्रैल, 2026 तक 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के हो रहे हैं (जिनका जन्म 1 अप्रैल 2008 या उससे पहले हुआ है), वे अपने नाम का पंजीकरण, संशोधन या आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दावे व आपत्तियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 28 मार्च है। प्राप्त आवेदनों का निस्तारण 2 अप्रैल तक किया जाएगा। इसके उपरांत, यदि कोई अपील करनी हो तो वह 10 अप्रैल तक की जा सकेगी, जिसका निपटारा 17 अप्रैल तक होगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 20 अप्रैल को किया जाएगा। नग्गर खंड की सभी पंचायतों के ग्राम वासियों से विशेष अनुरोध है कि वे समय रहते मतदाता सूची में अपनी व अपने परिवार की जानकारी भली-भांति जांच लें।

एकजुट | ट्राइडेंट ऑटो मोबाइल्स हुंडई और एचवीटी संस्था से मिला एक लाख का आर्थिक सहयोग

तीर्थन घाटी में जनसहयोग से तैयार हुआ हामनी पुल

अनंत ज्ञान

तीर्थन। जिला कुल्लू के उपमंडल बंजार की तीर्थन घाटी स्थित ग्राम पंचायत कंडीधार के छामणी गांव के लिए हामनी पुल का निर्माण कार्य अब पूर्ण होने के कगार पर पहुंच गया है।

यह पुल सामुदायिक एकजुटता, सामाजिक संस्थाओं और कॉर्पोरेट सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है। इस पुल का निर्माण कार्य काफी समय से लंबित था, जिसे गांव के लोगों ने स्वयं अपने स्तर पर शुरू किया। भूतपूर्व सैनिक हरी सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एकजुट होकर धन एकत्रित किया और निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया। इस दौरान अंकित सूद द्वारा सनशाइन हिमालयन कॉटेज की ओर से भूमि उपलब्ध करवाई गई, जिससे पुल निर्माण का रास्ता साफ हुआ। स्थानीय निवासी धनी राम, लाल सिंह, टेक सिंह, पंकी सूद सहित अन्य ग्रामीणों ने भी आर्थिक सहयोग देकर इस कार्य को गति दी।

ट्राइडेंट ऑटो मोबाइल्स हुंडई और एचवीटी संस्था के सदस्यों के साथ ग्रामीण। अनंत ज्ञान

स्थानीय निवासी भूतपूर्व सैनिक हरी सिंह ने बताया कि इस कार्य के लिए शुरुआत में सरकार से करीब चार लाख रुपए मिला थे, जो पर्याप्त न होने के कारण ग्रामीणों ने खुद आगे आकर करीब 9 लाख रुपए जुटाए व पुल निर्माण को अंतिम चरण तक पहुंचाया। हालांकि, बीच में धनराशि की कमी के चलते कार्य रुकने की स्थिति बन गई थी। ऐसे में गांववासियों ने ट्राइडेंट ऑटोमोबाइल्स, बैंगलोर और एचवीटी फाउंडेशन को पत्र लिखकर आर्थिक सहायता की अपील की। इस अपील के बाद एचवीटी फाउंडेशन ने पहल करते हुए ट्राइडेंट ऑटोमोबाइल्स हुंडई ने हिमालयन वालंटियर्स टूरिज्म के सहयोग से सीएसआर के तहत सहयोग सुनिश्चित किया। हिमाचल से जुड़े समीर चौधरी के प्रयासों से एक लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई। यह राशि दीपिका और सोनू सूद द्वारा स्थानीय नारसिंह जल उपभोक्ता संग्रह स्वयं सहायता समूह छामनी को चैक द्वारा प्रदान की गई, जिससे पुल का अधूरा पड़ा निर्माण कार्य पूरा किया जा सके। इस हामिनी पुल के बनने से अब क्षेत्र के लोगों को आने-जाने में काफी सुविधा मिलेगी। खासकर स्कूली बच्चों को स्कूल पहुंचने में आसानी होगी और ग्रामीणों को अस्पताल व आपातकालीन सेवाओं तक पहुंचने में मदद मिलेगी। बरसात और बर्फबारी के दौरान भी यह पुल मुख्य सड़क से संपर्क बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ग्रामीणों ने सभी सहयोगकर्ताओं, संस्थाओं व कंपनियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुल पूरे क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। यह पहल एक बार फिर साबित करती है कि जब समुदाय, संस्थाएं और कॉर्पोरेट क्षेत्र मिलकर काम करते हैं, तो दूरदराज के क्षेत्रों में भी बड़े विकास कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए जा सकते हैं।

नगर निकायों में पदों के आरक्षण के निर्धारण के लिए 'ड्रॉ ऑफ लॉट्स' के लिए समितियां गठित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला निर्वाचन अधिकारी (नगर निकाय) व डीसी कुल्लू, अनुराग चंद्र शर्मा ने हिमाचल प्रदेश नगरपालिका निर्वाचन नियम, 2015 के नियम 10 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

इस आदेश के माध्यम से जिले के नगर परिषदों व नगर पंचायतों में सदस्यों के पदों के आरक्षण व रोटेशन के निर्धारण के लिए प्रमुख नागरिकों व राजपत्रित अधिकारियों को नामित किया गया है। नगर निकायों में महिलाओं के लिए वार्डों के आरक्षण का निर्धारण कुल्लू स्थित मल्टीपर्पज भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में राजपत्रित अधिकारियों व प्रतिष्ठित नागरिकों की उपस्थिति में 'ड्रॉ ऑफ लॉट्स' (पर्ची निकालकर) के माध्यम से किया जाएगा। इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए नगर परिषद कुल्लू, मनाली व नगर पंचायत भुंतर, बंजार व निरमंड के लिए अलग-अलग समितियां बनाई गई हैं। नगर परिषद कुल्लू के लिए एडीसी कुल्लू अश्वनी कुमार, एसडीएम कुल्लू निशांत ठाकुर, एसी-टू-डीसी जयवंती ठाकुर, ईओ (नगर परिषद) और पूर्व अध्यक्ष गोपाल कृष्ण महंत। नगर परिषद मनाली के लिए एडीसी कुल्लू, एसडीएम मनाली, एसी-टू-डीसी, ईओ (नगर परिषद) और पूर्व अध्यक्ष मनोज कुमार। नगर पंचायत भुंतर एडीसी कुल्लू, एसडीएम कुल्लू, सचिव (नगर पंचायत) व पूर्व अध्यक्ष रविंद्र डोगरा। नगर पंचायत बंजार के लिए एडीसी कुल्लू, एसडीएम बंजार, सचिव (नगर पंचायत) व पूर्व अध्यक्ष आशा शर्मा। नगर पंचायत निरमंड के लिए एडीसी कुल्लू, एसडीएम निरमंड, सचिव (नगर पंचायत) और पूर्व अध्यक्ष ममता रानी को नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी विशेष रूप से नामित किया है। इनमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सेस राम आजाद व भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमित सूद शामिल हैं।

बंजार कॉलेज ने धूमधाम से मनाया 27वां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

अनंत ज्ञान, बंजार। राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय बंजार में 27वां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना से हुई। मुख्यातिथि डॉक्टर जोगिंदर ठाकुर का प्रो. राजेश कुमार सिंह प्राचार्य व कॉलेज टीम ने गर्मजोशी से स्वागत किया। अध्यक्ष अनित द्विवेदी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम में कॉलेज की उपलब्धियों, छात्रवृत्ति और विकास कार्यों का वार्षिक प्रतिवेदन पेश किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि ने कॉलेज को बधाई दी और छात्रों को वार्षिक पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने कॉलेज परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री से मिली प्रतिक्रिया का उल्लेख किया। छात्रों ने नाटी, फिल्मी गाने, भजन और डांस प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगाए। मुख्यातिथि ने उपस्थित अभिभावकों, गणमान्य व्यक्तियों और कॉलेज प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। समारोह में शिक्षकों, छात्रों और स्थानीय समाज के प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे।

दुर्गा के तीसरे स्वरूप देवी चंद्रघंटा की पूजा कर घर में सुख, शांति और समृद्धि की कामना

मां शूलिनी के दरबार में शीश नवाने पहुंचे श्रद्धालु

अनंत ज्ञान

सोलन। चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन जिलेभर के मंदिरों में माता के दर्शनों के लिए शनिवार को भी लंबी कतारें लगी रहीं। तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की विधि विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिरों में सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। शनिवार को धूप खिलने से मां शूलिनी मंदिर, मां शूलिनी पीठम और मां दुर्गा मंदिर में भी दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। लोग माता के दर्शन करने के लिए दूर-दूर से मंदिरों में पहुंच रहे हैं। नवरात्र को लेकर लोगों में खासा जोश और उत्साह देखा जा रहा है। मां दुर्गा की तीसरी शक्ति का उपासना की जाती है। शनिवार को मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप देवी चंद्रघंटा की पूजा की गई। मां चंद्रघंटा की आराधना करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

माता शूलिनी मंदिर में तीसरे दिन शीश नवाने पहुंचे श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

मां चंद्रघंटा का स्वरूप

मां चंद्रघंटा का वाहन सिंह है और उनके दस हाथों में से चार दाहिनी हाथों में कमल का फूल, धनुष, जप माला और तीर है और पांचवां हाथ अभय मुद्रा में रहता है, जबकि चार बाएं हाथों में त्रिशूल, गदा, कमंडल और तलवार है और पांचवां हाथ वरद मुद्रा में रहता है। मां चंद्रघंटा का यह स्वरूप भक्तों के लिए बड़ा ही कल्याणकारी है। ये सदैव अपने भक्तों की रक्षा के लिए तैयार रहती हैं। इनके घंटे की ध्वनि के आगे बड़े से बड़ा शत्रु भी नहीं टिक पाता है। नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा को गाय के दूध से बनी खीर का भोग लगाया गया। खीर का भोग लगाने से जातक को सभी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

न्यूज ब्रीफ

31 मार्च तक करें आवेदन, पीएम-अजय योजना के तहत निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण का अवसर

अनंत ज्ञान, सोलन। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा पीएम-अजय योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं के लिए निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। जिला कल्याण अधिकारी विवेक अरोड़ा ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 31 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑफिस ऑटोमेशन, अकाउंटिंग व पब्लिशिंग असिस्टेंट जैसे दो पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुल 30 सीटें निर्धारित हैं, जिन्हें आवश्यकता अनुसार बढ़ाया जा सकता है। 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के हिमाचल निवासी अनुसूचित जाति के युवा आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण निःशुल्क होगा तथा पूर्ण होने पर 2000 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड भी दिया जाएगा।

24 व 25 मार्च को होंगे कैंपस इंटरव्यू

अनंत ज्ञान, सोलन। मैसर्ज बीटा ड्रग्स लि. बद्दी में ऑफिसर आरएफ, जूनियर ऑफिसर, सीनियर ऑफिसर व अन्य के 7 पद तथा मैसर्ज माइक्रोटेक न्यू टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. बद्दी में एग्जीक्यूटिव, वायर कट ऑपरेटर, क्वालिटी इंस्पेक्टर, ऑपरेटर व अप्रेंटिस के 35 पदों पर भर्ती के लिए 24 को उपरोजगार कार्यालय बद्दी में कैंपस इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। मैसर्ज एसआईएस लि. आरटीए हमीरपुर में सिक्योरिटी गार्ड व सिक्योरिटी सुपरवाईजर के 70 पदों पर भर्ती के लिए 25 को उपरोजगार कार्यालय अर्की में कैंपस इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी जिला रोजगार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी। जगदीश कुमार ने कहा कि उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, आईटीआई, फिटर, बी.फार्मा, बी.टेक इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, एमबीए. एचआर, बीएससी., एमएससी, माइक्रोबायोलॉजी व आयु 19 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल ईईएमआईएस पर कैंडिडेट लॉगइन टैब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपनी रेजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन करने से पूर्व प्रत्येक आवेदक का नाम रोजगार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह संपन्न

अनंत ज्ञान, राजगढ़। राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त इंजीनियर-इन-चीफ ई. जोगिन्द्र सिंह चौहान द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जबकि छात्राओं की सरस्वती वंदना ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। प्रधानाचार्य राजेंद्र वर्मा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि महाविद्यालय में करीब 548 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। उन्होंने बताया कि बी.ए. और बी.कॉम तृतीय वर्ष का परीक्षा परिणाम 93 प्रतिशत तथा बीएससी तृतीय वर्ष का परिणाम 95 प्रतिशत रहा, जो संस्थान की बेहतर शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने ग़ज़ल, हरियाणवी लोकगीत, गिद्धा और पहाड़ी नाटी जैसी रंगारंग प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान मुख्य अतिथि और प्रधानाचार्य भी विद्यार्थियों के साथ झूमते नजर आए, जिससे कार्यक्रम और भी आकर्षक बन गया। कार्यक्रम में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विभिन्न संकायों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा छात्र परिषद, एचपीयू युवा उत्सव, एनएसएस और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ई. जोगिंद्र सिंह चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में सफलता के लिए परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश भी दिया।

सीवरेज का खुला ढक्कन बना हादसे का कारण, मशरूम चौक पर नाली में फंसी कार

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन के मशरूम चौक पर नगर निगम की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। कुछ दिन पहले यहां सीवरेज लाइन बिछाने और सफाई का कार्य किया गया था, लेकिन काम पूरा होने के बाद नाली पर ढक्कन नहीं लगाए गए। खुली नाली के कारण लगातार हादसे का खतरा बना हुआ था। स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार बच्चे और बुजुर्ग इन गड्ढों में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की गई। शनिवार को इसी खुले सीवरेज गड्ढे में एक कार का पहिया फंस गया, जिससे वाहन बीच सड़क पर अटक गया। काफी देर तक मशक्कत के बाद गाड़ी को बाहर निकाला गया। घटना के दौरान मशरूम चौक व्यस्त होने के कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हिमाचल बजट में गरीब वर्ग पर विशेष फोकस किसानों की बल्ले-बल्ले, कारीगरों को राहत

कांग्रेस ने बताया जनहितैषी, भाजपा ने कहा-विकास पर लगी ब्रेक

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। प्रदेश की सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार की तरफ से 2026-27 वित्तीय वर्ष के लिए प्रस्तुत आम बजट को लेकर लोगों और राजनितिक दलों की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई। बजट को कुलमिलाकर आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग सहित दूध उत्पादकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी को सराहा गया है।

सोलन और सिरमौर जिला की बात करें, तो बजट में कोई विशेष प्रावधान नहीं है। हालांकि जिला सोलन के बद्दी में मिनी चंडीगढ़ और सिरमौर के सराहां के साथ लगते क्षेत्र में मिनी पंचकूला शहर बसाने के घोषणा चर्चा का विषय जरूर है। पर यह योजना इतनी जल्दी जमीन पर उतरती नहीं दिख रही। बजट में मछली पालकों, दुधारू पशुपालकों, छोटे कारीगरों, किसानों के लिए विशेष प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होने की उम्मीद लगाई जा रही है।

सरकारी खजाना वेंटिलेटर पर: रावत

सिरमौर भाजपा जिला प्रवक्ता प्रताप सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस सरकार का खजाना इस समय बिलकुल खाली है। प्रदेश के लोगों को बजट से बहुत सारी उम्मीदें थी, लेकिन प्रदेश सरकार की अर्थव्यवस्था वर्तमान समय में वेंटिलेटर पर है। रावत ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने अपने तीन साल के कार्यकाल में चालीस हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया है, लेकिन उसके उपरांत भी प्रदेश में विकास के पहिए पूरी तरह से थम गए हैं।

संतुलित, दूरदर्शी और जन केंद्रित बजट : मुकेश

कांग्रेस के युवा नेता और जोगिन्द्रा सेंट्रल बैंक के चेयरमैन मुकेश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत 54,928 करोड़ का बजट हिमाचल प्रदेश की आर्थिक चुनौतियों के बीच एक संतुलित, दूरदर्शी और जन केंद्रित बजट करार दिया। रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट के बंद होने जैसी गंभीर परिस्थिति के बावजूद यह बजट विकास, सामाजिक न्याय और ग्रामीण सशक्तिकरण की स्पष्ट दिशा तय करता है।

अपेक्षाओं पर खरा उतरने में असफल : अभिषेक

भारतीय जनता पार्टी जिला प्रवक्ता सोलन अभिषेक ठाकुर ने कहा कि यह बजट प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में पूरी तरह असफल साबित हुआ है। बजट केवल घोषणाओं और कागजी वादों तक सीमित है। युवाओं को रोजगार देने के लिए कोई ठोस योजना प्रस्तुत नहीं की गई। अभिषेक ठाकुर ने यह भी कहा कि किसानों और बागवानों के हितों की अनदेखी की गई है।

जनहितैषी और संतुलित बजट: सुभाष वर्मानी

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुभाष वर्मानी ने हिमाचल प्रदेश के बजट का स्वागत करते हुए इसे जनहितैषी और संतुलित बजट बताया। सरकार ने सीमित संसाधनों के बावजूद किसानों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और गरीब वर्ग के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा, मुफ्त बिजली और कृषि क्षेत्र में बढ़े समर्थन मूल्य को सराहनीय कदम बताया।

प्रदेश की दृष्टि से बजट निराशाजनक: रत्नपाल

भारतीय जनता पार्टी सोलन जिला अध्यक्ष रतन सिंह पाल ने प्रदेश सरकार के बजट को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि बजट में विकास के ठोस प्रावधानों का अभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं को रोजगार देने, महंगाई पर नियंत्रण और किसानों-बागवानों को राहत देने के लिए कोई प्रभावी योजना नहीं लाई गई।

बजट ऐतिहासिक, विकासोन्मुखी : मुसाफिर

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खु द्वारा प्रस्तुत बजट को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जीआर मुसाफिर ने ऐतिहासिक एवं विकासोन्मुखी करार दिया है। उन्होंने कहा कि इस बजट को लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसमें गरीब, मजदूर, किसान, बागवान, कर्मचारी सहित सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा है।

मतदाता सूचियों को अद्यतन करने का कार्यक्रम घोषित

अनंत ज्ञान, सोलन। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायती राज निर्वाचन के दृष्टिगत उन ग्राम पंचायतों में मतदाता सूचियों को अद्यतन करने के कार्य का कार्यक्रम घोषित किया है जो सृजन, पुर्नगठन एवं निकायों में समावेश से संबंधित हैं। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार पार्ट-1 से मतदाताओं का स्थानांतरण एवं सत्यापन कार्य ग्राम पंचायत के परिसीमन के अंतिम प्रकाशन के तीन दिवस के उपरांत पूर्ण किया जाएगा। मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन मतदाताओं के स्थानांतरण के एक दिवस के भीतर किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूचियों के प्रकाशन के एक दिवस के भीतर ग्राम सभा की विशेष बैठक का आयोजन किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूचियों का प्रकाशन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा। आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि जिला सोलन के सभी खंड विकास अधिकारी विशेष ग्राम सभा की बैठक बुलाने से पूर्व तीन दिन का नोटिस जारी करेंगे।

कैंसर से जूझ रहे उम्रकैदी की नाहन मेडिकल कॉलेज में मौत

अनंत ज्ञान

नाहन। केंद्रीय कारागार नाहन में उम्रकैद की सजा काट रहे एक कैदी की शुक्रवार शाम नाहन मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। मृतक की पहचान हरभजन सिंह पुत्र प्रीतम सिंह, जो पिछले करीब 13 वर्षों से हत्या के मामले में सजा काट रहा था। जानकारी के अनुसार कैदी गले के कैंसर से पीड़ित था और उसका इलाज पीजीआई चंडीगढ़ में चल रहा था। दो-तीन दिन पहले ही उसे उपचार के लिए पीजीआई ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने कीमोथेरेपी की सलाह दी थी। शुक्रवार को कैदी को दांत निकालने के लिए नाहन मेडिकल कॉलेज लाया गया था, जहां उसे वापस जेल लाया गया। जेल पहुंचने के कुछ समय बाद ही उसके मुंह से खून आने लगा। जेल प्रशासन ने तुरंत उसे नाहन मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां शाम करीब 6:30 से 7 बजे के बीच चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। शव को मेडिकल कॉलेज में सुरक्षित रखा गया है।

◆ **पिछले 13 सालों से हत्या के आरोप में काट रहा था सजा**

> **कैदी** गंभीर बीमारी से ग्रस्त था और उसका उपचार चल रहा था। परिजनों को भी सूचना दे दी गई है और आगामी कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है।
>
> **भानु प्रकाश शर्मा, जेल अधीक्षक**

शूलिनी विवि में ग्लिच टेक फेस्ट 2026 का आगाज

ग्लिच टेक फेस्ट में छात्रों ने दिखाया टेक्नोलॉजी का दम

अनंत ज्ञान, सोलन। शूलिनी विश्वविद्यालय में आयोजित ग्लिच टेक फेस्ट 2026 ने प्रौद्योगिकी, नवाचार और प्रतिस्पर्धी गेमिंग का एक शानदार संगम प्रस्तुत किया। विवि के स्प्रिंग फेस्ट के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में उद्योग जगत के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों व छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवाचार व विपणन अध्यक्ष प्रोफेसर आशीष खोसला ने गया। इस अवसर पर निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड की वरिष्ठ उपाध्यक्ष शीबा संथा, उद्यमी एवं लेखक सुशांत जुन्नारकर, सोशल मीडिया टेक इन्फ्लुएंसर मोहम्मद इमरान और यश भारद्वाज सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रोफेसर खोसला ने कहा कि ग्लिच जैसे मंच छात्रों को तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में कौशल को परखने व निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। छात्रों को वैलोरेंट, फीफा, बैटलग्राउंड्स मोबाइल इंडिया (बीजीएमआई) और फ्री फायर जैसी ई-स्पोर्ट्स प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

शिवधाम लखदाता मंदिर में हवन यज्ञ, विशाल भंडारे का आयोजन

दासोमाजरा में आयोजित बाबा बालक नाथ जी के वार्षिकोत्सव के दौरान एसडीएम बद्दी को सम्मानित करते बाबा प्रेमचंद जी महाराज व ट्रस्ट के पदाधिकारी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

बद्दी। शिवधाम लखदाता मंदिर ट्रस्ट दासोमाजरा द्वारा बाबा प्रेम चंद के तत्वावधान में शनिवार को बाबा बालक नाथ जी के वार्षिकोत्सव पर हवन यज्ञ व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर एसडीएम बद्दी डॉक्टर संजीव धीमान ने विशेषतौर पर शिरकत कर हवन कुंड में आहुति डाली व प्रसाद ग्रहण किया। वहीं उन्होंने मंदिर के साथ बन रही गौशाला का भी निरीक्षण किया व प्रशासन की तरफ से गौशाला को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इससे पहले बाबा प्रेम चंद व ट्रस्ट के प्रधान हरनेक ठाकुर द्वारा एसडीएम संजीव धीमान को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉक्टर संजीव धीमान ने कहा के मंदिर हमारी आस्था व धर्म के प्रतीक हैं और हवन यज्ञ व भंडारों के आयोजन से धर्म के प्रचार प्रसार के साथ साथ आपसी सौहार्द व एकता को बढ़ाते हैं। शिवधाम लखदाता मंदिर ट्रस्ट के प्रधान हरनेक ठाकुर ने बताया कि बाबा बालक नाथ जी के वार्षिकोत्सव पर हवन यज्ञ व भंडारे के साथ-साथ शाम के समय डॉक्टर अंशु शर्मा की अगुवाई में फ्री मेडिकल चेकअप कैंप भी लगाया जाएगा।

इस मौके पर एसडीएम डॉक्टर संजीव धीमान के साथ बाबा प्रेम चंद जी महाराज, ट्रस्ट के प्रधान हरनेक ठाकुर प्रधान, भगत राम, बालक राम, सूरज, केहर सिंह, सरदार जागर सिंह, राधे चौधरी, रजनीश ठाकुर, प्रभजीत कोली, अमर नाथ, मोहित ठाकुर समेत भारी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

चूड़ेश्वर सेवा समिति की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

अनंत ज्ञान, सोलन। चूड़ेश्वर सेवा समिति की केंद्रीय प्रचार-प्रसार और साहित्य प्रकाशन उपसमिति की बैठक शनिवार को सोलन में केंद्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष बीएम नांटा की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन डॉ. सुनील कमल ने किया। बैठक में चूड़ेश्वर सेवासमिति की स्मारिका, टेलीफोन डॉयरेक्ट्री के प्रकाशन पर विस्तार से चर्चा की गई। बीएम नांटा ने कहा कि एक माह के भीतर स्मारिक और टेलीफोन डायरेक्ट्री का कार्य पूरा करें। इसके लिए शीघ्र ही सदस्य अपने-अपने शिरगुल महाराज से संबंधित लेख भेज सकते हैं। इस मौके पर उन्होंने यूनिट वाइज डाटा पर भी चर्चा की। बैठक में केंद्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष व महासचिव के अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप मंमगाई, प्रचार प्रसार समिति के अध्यक्ष कुंदन चौहान, साहित्य प्रकाशन उपसमिति के अध्यक्ष डॉ. गोपाल चौहान,, उपाध्यक्ष डॉ. शिव भारद्वाज, केंद्रीय कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष भानू चौहान के अलावा जोगिंद्र चौहान, बृजमोहन चौहान, यशपाल कपूर, सत्यपाल ठाकुर समेत अन्य मौजूद रहे।

जाइका प्रोजेक्ट से किसानों को राहत, नई सिंचाई योजना से 100 परिवारों को लाभ

‘जोक से राजौली पनेवटा’ योजना शुरू 12.91 हेक्टेयर कृषि भूमि होगी सिंचित

अनंत ज्ञान

एसपी जैरथ, नाहन। जाइका के सहयोग से ‘जोक से राजौली पनेवटा’ प्रवाह सिंचाई योजना शुरू कर दी गई है, जिससे क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था मजबूत हुई है इस योजना के शुरू होने से अब 12.91 हेक्टेयर कृषि भूमि को पानी उपलब्ध होगा। पहले किसान केवल करीब 5 हेक्टेयर क्षेत्र में ही खेती कर पाते थे, लेकिन अब पूरे क्षेत्र में खेती संभव हो सकेगी। इससे लगभग 100 किसान परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। परियोजना के तहत मुख्य नहर, शाखा नहर, पाइपलाइन, रिटेनिंग वॉल और निरीक्षण कक्ष बनाए गए हैं। इसके अलावा खेतों की सुरक्षा के लिए सोलर फेंसिंग भी लगाई गई है। पूरी योजना पर करीब 45 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। कूहल के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ‘महासू कृषक विकास एसोसिएशन’ को दी गई है, जिससे योजना का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जा सके। जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. राजेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि इस योजना से किसानों को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलेगी और उनकी आय बढ़ाने में मदद होगी।

स्थानीय किसानों का कहना है कि पहले पानी की कमी के कारण खेती प्रभावित होती थी, लेकिन अब सिंचाई व्यवस्था सुधारने से उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है।

जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. राजेंद्र सिंह ठाकुर से मिलते किसान। अनंत ज्ञान

कैडेट्स राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में चयन को बनाएं प्रथम लक्ष्य

प्रेम कुमार, कंडाघाट। राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल चायल का वार्षिक तकनीकी निरीक्षण का किया गया। इस अवसर पर मेजर जनरल डॉ. तमोजीत बिस्वास, एडीजी एई सेवा प्रमुख एवं कर्नल कमांडेंट, सैन्य शिक्षा कोर बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। निरीक्षण दौरान प्रात:कालीन सभा में मुख्य अतिथि ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए अनुशासन, आत्म प्रेरणा एवं समय के सदुपयोग का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि ये गुण जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता की आधारशिला हैं। साथ ही उन्होंने कैडेट्स को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में चयन को अपना प्रथम लक्ष्य बनाने हेतु प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विद्यालय परिसर का विस्तृत अवलोकन किया, जिसमें छात्रावास, खेल मैदान, स्मार्ट कक्षाएं, पुस्तकालय एवं विज्ञान प्रयोगशालाएं शामिल रही।

शिलाई में 300 से अधिक चीड़ के पेड़ों के अवैध कटान पर भाजपा का राज्यपाल को ज्ञापन

वन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग

अनंत ज्ञान

शिलाई। शिलाई में वन माफियाओं द्वारा 300 से अधिक चीड़ के पेड़ों की अवैध कटान मामले में कार्रवाई को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष धीरज गुप्ता के नेतृत्व में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेंद्र हिंदुस्तानी, जिला महामंत्री रणवीर ठाकुर, जिला प्रवक्ता प्रताप सिंह रावत, मंडल अध्यक्ष शिलाई इंद्र सिंह ठाकुर नेडा पार भाजपा मंडंको भेजे ज्ञापन में अवगत करवाया कि उपमंडल कार्यालय शिलाई जिला सिरमौर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर वन माफियाओं द्वारा लगभग 300 से अधिक चीड़ के पेड़ों की अवैध कटान दिन-दिहाड़े किया गया, जोकि गैर कानूनी होने के साथ-साथ पर्यावरण के भी विरुद्ध है। वन माफियाओं के द्वारा उपरोक्त अवैध कटान के बाद एक प्रेस वार्ता बुलाई गई और इसमें बेझिझक यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि ये चीड़ के पेड़ हमने काटे हैं अर्थात बिना किसी भय/बेखौफ मीडिया में बयानबाजी करते भी नजर आ रहे हैं। यह कि प्रशासन भी इस गैर कानूनी कार्य से पूरी तरह वाकिफ है परंतु आज दिन तक प्रशासन द्वारा इन वन माफियाओं के खिलाफ बोर्ड भी कागजी कार्यवाही अमल लाई गई।

उन्होंने कहा कि जिन सैकड़ों चीड़ के पेड़ों पर इन वन माफियाओं द्वारा आरी चलाई गई है, उन पेड़ों को पर्यावरण को बचाने के लिए सरकार द्वारा रोपे गए थे। उन्होंने कहा कि वन माफियाओं के खिलाफ शीघ्र कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए और इन्हें जेल के सलाखों के अंदर रखा जाए।

◆ **मामले में सिरमौर भाजपा उग्र, कहा, कटान गैरकानूनी**

एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजते भाजपा नेता। अनंत ज्ञान

ईरान का हिंद महासागर में अमेरिकी बेस पर हमला

3810 किमी दूर डिएगो गार्सिया पर 2 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, टारगेट से चूकीं

एजेंसी, तेल अवीव

ईरान ने हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के ज्वॉइंट सैन्य बेस डिएगो गार्सिया पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। सीएनएन के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

ईरान ने 2 मिसाइलें दागीं, लेकिन कोई भी बेस को निशाना नहीं बना सकी। यह बेस ईरान के तट से लगभग 3810 किलोमीटर दूर है। तेहरान से इसकी दूरी 5 हजार किमी से भी ज्यादा है। डिएगो गार्सिया अमेरिका के लिए बेहद अहम सैन्य ठिकाना है। इस बेस से अमेरिका अपने बॉम्बर प्लेन का इस्तेमाल करता है। यहां बड़े टैंकर विमान (जैसे केसी-135) और निगरानी करने वाले विमान भी काम कर सकते हैं। (अनंत ज्ञान)

ट्रंप ने नाटो देशों को कायर बताया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान युद्ध में साथ न देने पर नाटो सहयोगी देशों पर नाराजगी जताई है। ट्रंप ने कहा कि नाटो देश कायर हैं और अमेरिका के बिना यह गठबंधन सिर्फ कागजी शेर है। ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट का जिक्र करते हुए कहा कि इसे खुला रखने के लिए सैन्य मदद देना आसान है, लेकिन सहयोगी देश इसमें भी पीछे हट रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'यह बहुत आसान सैन्य कदम है, जिसमें बहुत कम जोखिम है, लेकिन वे मदद नहीं करना चाहते। कायर हैं और हम इसे याद रखेंगे।

पुतिन बोले- रूस हर मुश्किल में ईरान के साथ खड़ा

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान को भरोसा दिलाया है कि रूस उसके साथ खड़ा है। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन ने फारसी नववर्ष 'नवरोज' के मौके पर ईरानी नेताओं को बधाई दी और कहा कि मॉस्को तेहरान का वफादार दोस्त और भरोसेमंद साझेदार बना रहेगा। पुतिन ने अपने संदेश में कहा कि मौजूदा मुश्किल हालात में ईरान के लोगों को मजबूती से डटे रहना चाहिए और रूस इस कठिन समय में उनका साथ देगा। रूस ने कहा कि अमेरिका और इसराइल के हमलों से मिडिल ईस्ट में हालात और बिगड़े हैं और इसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ा है।

ईरान बोला- जंग खत्म होने की गारंटी चाहिए

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका और इसराइल के साथ चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए सिर्फ सीजफायर काफी नहीं है, बल्कि इसका पूरी तरह अंत होना चाहिए। जापान की क्योडो न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि यह युद्ध हमारा नहीं है, इसे हम पर थोपा गया है। जब हम अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे थे, तभी हम पर हमला किया गया, जो पूरी तरह गैरकानूनी और बिना उकसावे के था। उन्होंने कहा कि ईरान जो भी कर रहा है, वह आत्मरक्षा के तहत कर रहा है और वह जरूरत पड़ने पर और जितने समय तक जरूरी होगा, अपनी रक्षा करता रहेगा।

अमेरिका की ईरानी तेल खरीद पर 30 दिन की छूट

एजेंसी, वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने ईरानी तेल की खरीद पर प्रतिबंधों में 30 दिन की छूट दी है। ये छूट केवल समुद्र में मौजूद ईरानी तेल के टैंकरों की खरीद के लिए है। अमेरिकी ट्रेजरी मिनिस्टर स्कॉट बेसेंट ने इसकी घोषणा की। ट्रेजरी विभाग की वेबसाइट के मुताबिक यह छूट 20 मार्च से 19 अप्रैल के लिए है। ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई बढ़ाने और कीमतों को काबू में रखने के लिए ऐसा किया गया है। अमेरिका-इसराइल की ईरान के साथ चल रही जंग की वजह से क्रूड की कीमतें 110 डॉलर के पार निकल गई है। 28 फरवरी को जंग शुरू होने से पहले ये 70 डॉलर के करीब थी। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि दुनिया के लिए इस मौजूदा सप्लाई को अस्थायी रूप से खोलकर ग्लोबल मार्केट में लगभग 14 करोड़ बैरल तेल तेजी से आएगा। इससे दुनियाभर में ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ेगी और सप्लाई पर जो अस्थायी दबाव बना है, उसे कम करने में मदद मिलेगी।

ग्लोबल मार्केट में 14 करोड़ बैरल तेल आएगा

भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहेंगे

ईरान ने यूएई को चेताया - हम पर हमला हुआ तो रास-अल-खैमाह शहर को तबाह कर देंगे

एजेंसी, तेहरान । ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को गंभीर चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अमीरात की धरती से ईरान के द्वीपों अबू मूसा और ग्रेटर तुन्ब पर हमला किया गया तो ईरान, यूएई के रास अल खैमाह शहर पर भारी हमले कर उसे तबाह कर देगा। तेहरान ने कहा कि ईरान अपनी संप्रभुता के खिलाफ किसी भी 'लॉन्चिंग प्वॉइंट' को निशाना बनाएगा और ऐसी कार्रवाई पहले घोषित की जा चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने हिजबुल्ला से जुड़े वैश्विक वित्तीय नेटवर्क पर लगाए प्रतिबंध

एजेंसी, वाशिंगटन। अमेरिका ने हिजबुल्ला से जुड़े एक वैश्विक वित्तीय नेटवर्क पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका हिजबुल्ला को पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप प्रधान प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने एक बयान में कहा कि 'अमेरिका ने हिजबुल्ला को आर्थिक मदद पहुंचाने वाले एक वैश्विक वित्तीय नेटवर्क की कमर तोड़ने के लिए प्रतिबंध लगाए हैं। इस कार्रवाई के तहत उन लोगों और संस्थाओं को लक्षित किया गया है जो पश्चिम एशिया, यूरोप और उत्तर अमेरिका में संचालित विभिन्न कंपनियों और परियोजनाओं के जरिए हिजबुल्ला की वित्तीय टीम के लिए धन जुटाने और धन शोधन में शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

60 साल में पहली बार अल-अक्सा मस्जिद ईद पर बंद

तेल अवीव/तेहरान। दुनियाभर में आज ईद मनाई जा रही है। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इसराइल और ईरान के बीच पिछले 22 दिनों से जंग चल रही है। ऐसे में 60 साल में पहली बार इसराइल के यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को ईद की नमाज के लिए बंद कर दिया गया है। 1967 के अरब-इसराइल युद्ध के बाद पहली बार है, जब अल-अक्सा को पूरी तरह बंद किया गया है। यह मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना के बाद तीसरा सबसे पवित्र स्थल है। ईरान में शुक्रवार को ईद मनाया गया। इस मौके पर बाजार वीरान नजर आए। वहीं कतर,यूएई और कुवैत जैसे खाड़ी देशों में ईद मनाई। जंग की वजह से इन देशों में खुले मैदानों में नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी गई है। (अनंत ज्ञान)

केंद्रीय मंत्री जयंत को जान से मारने की धमकी

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। जांच में पुलिस को पता चला कि कॉल पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से की गई है। पुलिस टेक्निकल सर्विलांस की मदद से कॉल करने वाले का पता लगाने की कोशिश कर रही है। कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी को 18 मार्च को सुबह करीब 11 बजे एक अज्ञात नंबर से धमकी भरा कॉल आया था। तुगलक रोड थाने में उनकी तरफ से दी गई शिकायत के अनुसार, फोन करने वाले ने मंत्री को जान से मारने की धमकी दी और एमपी 5 जैसी बंदूकों का जिक्र किया। (अनंत ज्ञान)

एयरलाइंस बढ़ा सकती हैं हवाई किराया

एजेंसी, नई दिल्ली। इंडिगो, एअर इंडिया और स्पाइस जेट ने फ्लाइट्स की 60% सीटों पर एक्स्ट्रा चार्ज न वसूलने के सरकार के फैसले विरोध किया है। एयरलाइंस का कहना है कि इस कदम से उन्हें अपनी खोई हुई कमाई की भरपाई के लिए हवाई किराया बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ेगा। तीनों एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाली फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री से इस फैसले को वापस लेने का आग्रह किया है। फेडरेशन ने कहा कि इस निर्देश से एयरलाइंस की वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित होगी। इसके परिणामस्वरूप सभी यात्रियों को, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो शायद पहले से सीटें नहीं चुनना चाहते, उन्हें भी अधिक किराया देना पड़ेगा। (अनंत ज्ञान)

रेप केस में महिला आयोग अध्यक्ष का इस्तीफा

एजेंसी, मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने मीडिया को एक तस्वीर दिखाई। दावा किया कि महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने तांत्रिक अनुष्ठान के लिए तीसरी उंगली काट ली थी। महाराष्ट्र में रेप के आरोपी ज्योतिषी अशोक खरात मामले में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने शुक्रवार देर रात इस्तीफा दे दिया। विपक्ष ने चाकणकर पर आरोपी खरात से संबंध के आरोप लगाए थे। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का इस्तीफा मांगा था। शिवसेना की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने दावा किया है कि खरात के प्रभाव में आकर चाकणकर ने तांत्रिक अनुष्ठान के लिए अपनी अनामिका या तीसरी अंगुली काट ली थी। अंधारे ने ऐसी तस्वीरें भी दिखाईं जिनमें चाकणकर की तीसरी उंगली पर पट्टी बंधी हुई दिख रही है। (अनंत ज्ञान)

यूएई के राजदूत बोले- भारतीय की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हमलों के बीच भी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भारत के साथ अपने मजबूत रिश्ते का संदेश दिया है। भारत में यूएई के राजदूत अब्दुल नासिर अलशाली ने ईद के मौके पर एक खुला पत्र लिखकर भारत और यूएई के मजबूत रिश्तों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा तनाव और हमलों के बावजूद यूएई पूरी तरह सुरक्षित, स्थिर और सामान्य रूप से काम कर रहा है। उन्होंने भारतीय समुदाय को भरोसा दिलाया कि हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और सुरक्षा, सेवाएं व व्यापार बिना रुकावट जारी हैं।

अब्दुल नासिर अलशाली के इस संदेश के जरिए यूएई ने न सिर्फ अपनी तैयारियों का संकेत दिया, बल्कि भारत-यूएई साझेदारी की मजबूती और भरोसे को भी फिर से रेखांकित किया। पत्र में राजदूत ने बताया कि ईरान ने यूएई पर 2000 से ज्यादा मिसाइल और ड्रोन से हमले किए, लेकिन ज्यादातर को देश की रक्षा प्रणाली ने रोक लिया। इसके बावजूद देश में बिजली, पानी, स्वास्थ्य, संचार और खाने-पीने जैसी सभी जरूरी सेवाएं बिना किसी रुकावट के चल रही हैं। होटल, मॉल, पर्यटन स्थल और बैंकिंग व्यवस्था भी सामान्य रूप से काम कर रही है। नासिर अलशाली ने कहा कि यूएई में रहने वाले 40 लाख से ज्यादा भारतीय पूरी सुरक्षा और विश्वास के साथ अपना जीवन जी रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

केरल विधानसभा चुनाव
भाजपा ने जारी की तीसरी सूची, 11 उम्मीदवारों का ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच भाजपा ने अपनी तीसरी उम्मीदवार सूची जारी कर चुनावी मुकाबले को और तेज कर दिया है। इस सूची में 11 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं, जिससे साफ है कि पार्टी अब पूरे जोर से चुनावी मैदान में उतर चुकी है। भाजपा ने अपनी तीसरी सूची में मुख्य रूप से दक्षिण के जिलों पर फोकस किया है। पार्टी ने तिरुवनंतपुरम, कोवलम, पुथुप्पल्ली और चवारा जैसी सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। इसके साथ ही पार्टी ने अनुसूचित जाति (स्ट) की सीटों पर भी उम्मीदवार घोषित किए हैं, जिससे सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश साफ दिखती है। आरक्षित सीटों पर भी दांव भाजपा ने आरक्षित सीटों पर भी उम्मीदवार उतारकर संतुलन बनाने की कोशिश की है। (अनंत ज्ञान)

सोना इस हफ्ते 11 हजार सस्ता, 1.47 लाख पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही। सोना हफ्तेभर में 11 हजार रुपए गिरकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 13 मार्च को 1.58 लाख रुपए पर था।

वहीं, चांदी 2.60 लाख किलो से गिरकर 2.32 लाख रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 28 हजार रुपए कम हुई। अमेरिका-इसराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से निवेशक अपनी 'गोल्ड होल्डिंग्स' बेचकर कैश (डॉलर) इकट्ठा कर रहे हैं, ताकि बाजार की अस्थिरता से निपट सकें। इससे डॉलर डिमांड बढ़ रही है और सोने-चांदी के दाम गिर रहे हैं। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

तब से अब तक सोना 28,903 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। (अनंत ज्ञान)

मणिपुर में उग्रवादी गिरफ्तार भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

अनंत ज्ञान, इंफाल। मणिपुर के विभिन्न जिलों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए व्यापक तलाशी अभियानों में भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया गया है। थौबल जिले के खोंगजोम और नोंगपोक सेक्मई थाना क्षेत्रों के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर कई सिंगल बैरल बंदूकें, कार्बाइन, पिस्तौल, मोर्टार, हैंड ग्रेनेड और विभिन्न कैलिबर के जिंदा कारतूस बरामद किए।

टेंथा मारोंगबंद और आसपास के इलाकों से भी अतिरिक्त हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए। इंफाल पश्चिम जिले के लामदेंग और कामेंग क्षेत्र में एक एसएलआर, मॉडिफाइड स्नाइपर राइफल, कई पिस्टल, बड़ी मात्रा में कारतूस, कैमोफ्लाज उपकरण और अन्य सामरिक सामग्री बरामद की। (अनंत ज्ञान)

व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। पंजाब ट्रेडर्स कमीशन द्वारा विधानसभा हलका खरड़ के अंतर्गत मेन बाजार, नया गांव में व्यापारियों व दुकानदारों की समस्याओं को सुनने के लिए एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में रणजीत पाल सिंह, चेयरमैन जिला ट्रेडर्स कमीशन मोहाली, तरलोचन सिंह बैदवान, वाइस चेयरमैन जिला ट्रेडर्स कमीशन मोहाली, यशपाल बंसल, चेयरमैन विधानसभा ट्रेडर्स कमीशन खरड़ तथा अन्य सदस्यों ने विशेष रूप से भाग लिया व व्यापारियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों में मनीष नायर, सहायक आयुक्त राज्य कर, गुरशेर सिंह सहायक राज्य कर अधिकारी, सतवीर कौर व जस्मीत कौर निरीक्षक राज्य कर, मनजीत कौर फूड सप्लाई अधिकारी, दीपक कुमार निरीक्षक एमसी खरड़, दलजीत सिंह सुपरिटेंडेंट एमसी खरड़, सुरिंदर सिंह (कार्यालय एमसी खरड़), राजवीर सिंह तहसीलदार माजरी, राजविंदर सिंह बीडीपीओ माजरी, डॉ. मनोज शर्मा सिविल अस्पताल कुराली, डॉ. राजेश एसएमओ सिविल अस्पताल खरड़, अमनदीप शर्मा (कार्यालय एमसी नया गांव), अशोक कुमार (कार्यालय एमसी कुराली), वरिंदर कुमार (श्रम विभाग), अश्वनी कुमार सैनिटरी इंस्पेक्टर नया गांव, एएसआई हरदीप सिंह खरड़, इकबाल सिंह जेई लोक निर्माण विभाग तथा दीपांशु गुप्ता जेई जल सप्लाई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं एवं सुझाव लिखित रूप में प्रस्तुत किए। संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा मौके पर ही उनके प्रश्नों के उत्तर दिए गए तथा कई मुद्दों के त्वरित समाधान के लिए निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर चेयरमैन रणजीत पाल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार व्यापारियों के लिए पारदर्शी और सुगम व्यापारिक माहौल प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि ट्रेडर्स कमीशन द्वारा व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आज उठाए गए मुद्दों का चार सप्ताह के भीतर समाधान किया जाएगा।

'मिस एपीएस' मीत लूथरा 'मिस्टर एपीएस' बने चिरायु

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। आदर्श पब्लिक स्कूल, सेक्टर-20 बी, चंडीगढ़ में छात्रों के लिए एक रंगारंग विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत केक काटने की रस्म के साथ हुई।

इसमें सभी छात्र और शिक्षक शामिल हुए। इसके बाद छात्रों ने नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने कला कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे माहौल और भी जीवंत हो गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'टाइटल' की घोषणा थी। इसमें 'मिस एपीएस' के लिए मीत लूथरा और 'मिस्टर एपीएस' के लिए चिरायु को चुना गया। विजेताओं को सम्मानित करते हुए स्कूल प्रशासन ने उनकी उपलब्धियों की सराहना की। प्रधानाचार्य सुनीता ठाकुर ने सभी छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी जीवन में सफलता की शुभकामनाएं दी।

विदाई समारोह का उद्देश्य न केवल छात्रों को सम्मानित करना था, बल्कि उन्हें यादगार पल भी प्रदान करना था। कार्यक्रम में शिक्षकों, कर्मचारियों और अभिभावकों की उपस्थिति ने इसे और भी खास बना दिया। छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और भविष्य में उच्च शिक्षा व करियर के लिए प्रेरित होने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय ने छात्रों के लिए उत्साहवर्धक और प्रेरणादायक माहौल सुनिश्चित किया, जो उनकी यादों में हमेशा अमिट रहेगा।

लोंगेवाला सेक्टर के छात्रों को अध्ययन सामग्री का वितरण

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। ट्राइसिटी की कॉम्पिटेंट फाउंडेशन ने जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र, सीमा जन कल्याण समिति व अभ्युदय के सहयोग से लोंगेवाला सेक्टर के अग्रिम क्षेत्रों में छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री का बड़े पैमाने पर वितरण किया। लोंगेवाला क्षेत्र का अत्यंत ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि यह 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ लड़ी गई लोंगेवाला की लड़ाई का स्थल रहा है और यह युद्ध नायक मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी से जुड़ा हुआ है, जिन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

संजय टंडन ने कहा कि सीमा (बॉर्डर) पर रहने वाले छात्र देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वह 'पहली पंक्ति की रक्षा' (फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस) का हिस्सा होते हैं। इसीलिए उन्हें पढ़ाई का सामान दिया गया, ताकि वे अपनी पढ़ाई बिना रुकावट जारी रख सकें और आत्मविश्वास के साथ अपने सपने पूरे कर सकें। टंडन ने आगे कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के छात्रों को बुनियादी शैक्षणिक संसाधनों तक पहुंच देकर हम जागरूक और सक्षम नागरिक तैयार कर रहे हैं, जो देश की रक्षा व सेवा करेंगे। उन्होंने भारतीय सेना की 16 डोगरा रेजिमेंट के उन जवानों की सराहना भी की, जिन्होंने इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग दिया। यह अभियान दूरदराज के सीमावर्ती स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को समान अवसर सुनिश्चित करने पर केंद्रित था। इस सामाजिक प्रयास के प्रभाव को समुदाय के नेताओं और साझेदार संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने और भी बढ़ाया। इस अवसर पर अभ्युदय से पनींद्र वेलुर, सीमा जन कल्याण समिति के संगठन सचिव वासुदेव और जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के राम कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित थे। दौरे पर आए दल का छात्रों और ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिससे सामाजिक विकास के लिए निरंतर सहयोग की साझा प्रतिबद्धता मजबूत हुई। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि कॉम्पिटेंट फाउंडेशन का मिशन 'हेल्प एवर, हर्ट नेवर' के आदर्श वाक्य से प्रेरित है।

ऑल इंडिया सर्विसेज योगा प्रतियोगिता में यशोदा ने जीते दो गोल्ड मेडल

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। चंडीगढ़ में आयोजित हो रही ऑल इंडिया सर्विसेज योगासन प्रतियोगिता में जींद की कैमिस्ट्री प्राध्यापिका यशोदा ने ट्रेडिशनल और रिदमिक इवेंट में दो गोल्ड मेडल जीते हैं।

यशोदा पिछले तीन साल से इस इवेंट में गोल्ड मेडल जीत रही हैं। प्रतियोगिता में हरियाणा की टीम ओवरऑल चैंपियन रही। खेल विभाग द्वारा चंडीगढ़ के सेक्टर 23 में 17 से 21 मार्च तक टेबल टेनिस हाल में ऑल इंडिया सर्विसेज योगासन प्रतियोगिता पुरुष व महिला का आयोजन किया गया। इसमें देश भर के 250 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया। हरियाणा के 36 खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता की। जींद की कैमिस्ट्री टीचर यशोदा ने 40 से 50 आयु वर्ग में ट्रेडिशनल इवेंट में भाग लेते हुए गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद रिदमिक पेयर 40 से 50 आयु वर्ग में गुरुग्राम की निधि और यशोदा का गोल्ड मेडल रहा।

दो पक्षों के बीच लाठी-डंडे व पथराव

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा के नूंह जिले के पिनगवा थाना क्षेत्र के गांव लाहबास में एक मामूली कहासुनी ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। छोटी सी बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि दो पक्ष आमने-सामने आ गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी बहस हुई, जो जल्द ही हाथापाई में बदल गई। इसके बाद हालात और बिगड़ गए जब दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कुछ लोग अपने-अपने घरों की छतों पर चढ़ गए और एक-दूसरे पर पत्थर बरसाने लगे। इस दौरान पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना से भयभीत होकर महिलाएं और बच्चे अपने-अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पिनगवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस के हस्तक्षेप से दोनों पक्षों को अलग किया गया और स्थिति को शांत कराया गया। थाना प्रभारी के अनुसार, इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, जो राहत की बात है।

सीजीसी यूनिवर्सिटी ने 'एमबीए प्लस' प्रोग्राम लॉन्च किया

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। सीजीसी यूनिवर्सिटी, मोहाली ने उद्योग जगत की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक विशेष 'एमबीए प्लस' प्रोग्राम लॉन्च किया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली के प्राइड प्लाजा होटल, एरोसिटी में उद्योग क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति में किया गया। इस नवाचारी पहल का उद्देश्य छात्रों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें कॉर्पोरेट जगत के वास्तविक अनुभवों और चुनौतियों से जोड़ना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सीजीसी यूनिवर्सिटी के संस्थापक चांसलर रशपाल सिंह धालीवाल ने की। उनके साथ मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अरश धालीवाल, ईवीपी डॉ. सुशील पराशर तथा एचआर सक्सेस टॉक के सीईओ गोविंद नेगी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता यह है कि दो वर्षीय पाठ्यक्रम के दौरान प्रत्येक छात्र को चार अलग-अलग उद्योग विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। प्रत्येक सेमेस्टर में एक विशेषज्ञ 15 छात्रों के समूह को गाइड करेगा। इसके अलावा, छात्र कॉर्पोरेट बोर्डरूम चर्चाओं, रणनीतिक सिमुलेशन व लाइव केस स्टडी के माध्यम से निर्णय लेने की क्षमता विकसित करेंगे।

वे बाजार विस्तार, वित्तीय विश्लेषण व तकनीकी बदलाव जैसे वास्तविक व्यावसायिक मुद्दों पर भी कार्य करेंगे। साथ ही, छात्र अपनी पढ़ाई के दौरान बड़े कॉर्पोरेट प्रोजेक्ट्स व कंसल्टिंग असाइनमेंट्स से भी जुड़े रहेंगे। इस अवसर पर चांसलर रशपाल सिंह धालीवाल ने कहा कि आज की शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो युवाओं को जटिल संगठनात्मक वातावरण के लिए तैयार कर सके। मैनेजिंग डायरेक्टर अरश धालीवाल ने कहा कि 'एमबीए प्लस' अनुभवी विशेषज्ञों और उभरते प्रबंधकों के बीच सार्थक संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। डॉ. सुशील पराशर और गोविंद नेगी ने भी इस कार्यक्रम को अकादमिक और व्यावहारिक ज्ञान का उत्कृष्ट समन्वय बताते हुए छात्रों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस लॉन्च के साथ सीजीसी यूनिवर्सिटी ने मैनेजमेंट शिक्षा के क्षेत्र में एक नया मानदंड स्थापित किया है।

खाद्य आपूर्ति विभाग की छापेमारी, 36 सिलेंडर किए जब्त

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। जिले में एलपीजी गैस की किल्लत के बाद लोगों में सिलेंडरों को लेकर हा-हाकार मचा हुआ है। गैस एजेंसियों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं गैस की जमकर कालाबाजारी भी हो रही है। कमर्शियल गैस न मिलने पर दुकानदार ब्लैक में घरेलू सिलैंडरों को खरीदकर उनका प्रयोग रहे हैं। गैस की कालाबाजारी रोकने को लेकर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है। विभाग की टीमों ने शनिवार को विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण करते हुए अनुचित तरीके से उपयोग किए जा रहे 36 सिलेंडर जब्त कर कार्रवाई की। डीएफएससी कुशल बूरा ने बताया कि विवाह-शादियों के लिए भी गैस की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। विभाग को अब तक कमर्शियल सिलेंडर के लिए 62 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 12 स्थानों पर 56 सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा चुके हैं। शेष स्थानों पर भी आवश्यकता के अनुसार आपूर्ति की जा रही है।

मान सरकार किसानों की मांगों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध : विधायक कुलवंत

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। विधायक कुलवंत सिंह एरोपोलिस प्रोजेक्ट ए एफ जी एच आई और जे के लिए जमीन एक्वायर करने के लिए प्रभावित किसानों की मांगों को मानने के बाद ही जमीन एक्वायर करने के बारे में एक मेमोरेंडम देने आए थे।

उन्होंने भारतीय किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा मोहाली के डेलीगेशन को भरोसा दिलाया कि वह इस बारे में पंजाब के मुख्यमंत्री व संबंधित विभाग के मंत्री से बात करेंगे व इस मुद्दे को इलाके के किसानों की जरूरतों और मांगों के अनुसार हल किया जाएगा। डेलीगेशन में शामिल पट्टो, बड़ी, कुरडी, कुरडा, किशनपुरा, चाऊ माजरा, राय माजरा वगैरह गांवों के किसान नेताओं ने विधायक कुलवंत सिंह के ध्यान में लाया कि गांवों बाकरपुर, छत, किशनपुरा, बड़ी, मटरां, सियाऊ, करडी, पट्टो की पंचायतों और किसानों ने एक प्रस्ताव पास किया है कि अगर उनके सामने रखी गई 19 शर्तें पूरी हो जाती हैं, तो वे सभी अपने ऑफिस कलेक्टर, अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट, पंजाब को देने को तैयार हैं। अगर ये मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो जमीनों को एक्वायर की जाने वाली जमीनों के दायरे से बाहर रखा जाए। डेलीगेशन ने कहा कि एक एकड़ जमीन के पीछे किसानों को 1500 गज के रेजिडेंशियल और 300 गज के कमर्शियल प्लॉट दिए जाएं और 25 एकड़ प्रति एकड़ का कैश अवॉर्ड रखा जाए। दूसरा जमीन के मालिक को एक एकड़ के लिए हर साल 1 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए व मुआवजे की रकम में हर साल 10% की बढ़ोतरी की जाए।

मुआवजा मिलने का समय डेवलप किए जाने वाले प्लॉट के अलॉटमेंट तक होना चाहिए, तीन साल के लिए नहीं। तीसरा, जिन किसानों का गुजारा खेती के साथ-साथ पशुपालन और दूसरे बिजनेस से जुड़ा है, उन्हें दो कनाल पशुपालन क्लस्टर प्लॉट और दूसरे कामों के लिए भी इतने ही क्लस्टर प्लॉट दिए जाने चाहिए। इसी तरह, लैंड पूलिंग लेने वाले किसानों को रिहैबिलिटेशन और री-सेटलमेंट का अमाउंट दिया जाना चाहिए। रिहैबिलिटेशन और री-सेटलमेंट के लिए हर परिवार के हर सदस्य को कम से कम 25 लाख रुपए दिए जाने चाहिए, क्योंकि इस पॉलिसी के बाद परिवार के हर सदस्य का रिहैबिलिटेशन करना होगा। हर किसान को आस्ती (जमीन से बेदखल) प्लॉट दिए जाने चाहिए, चाहे वह लैंड पूलिंग स्वीकार करे या कैश अवॉर्ड स्वीकार करे। डेलीगेशन ने यह भी मांग की कि एलओआई में दिए गए प्लॉट की बिक्री से किसानों को मिलने वाली रकम को इनकम टैक्स के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। सभी पंचायतों और ज़मीन मालिकों की रिक्वेस्ट मानने के लिए पहले एक मीटिंग की जाए और इन रिक्वेस्ट को माना जाए और ज़मीन मालिकों के साथ एग्रीमेंट होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाए।

स्पोर्ट्स विंडो

गुरुग्राम में गोल्फ का महासंग्राम टॉप-100 के 5 खिलाड़ी मैदान में

एजेंसी, गुरुग्राम। दुनिया के शीर्ष सौ खिलाड़ियों में से पांच और विश्व टूर के कई पूर्व चैंपियन हीरो इंडियन ओपन 2026 में भाग लेंगे जो 26 से 29 मार्च तक डीएलएफ गोल्फ और कंट्री क्लब पर खेला जाएगा। इनमें विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर काबिज और पीजीए टूर पर हाल ही में जीत दर्ज करने वाले अक्षय भाटिया और 2018 ओपन चैम्पियन और तीन बार के राइडर कप विजेता इटली के फ्रांसिस्को मोलिनारी शामिल हैं। भाटिया के अलावा शीर्ष 100 में शामिल खिलाड़ियों में कासे जार्विस (69), एल्विस स्माइली (74), डेविड पुइग (85) और ट्रिस्टन लॉरेंस (89) शामिल हैं। भारतीयों में दो बार के डीपी विश्व टूर विजेता शुभंकर शर्मा, 2025 पीजीटीआई आर्डर आफ मेरिट विजेता युवराज संधू, मनु गंडास, ओमप्रकाश चौहान और वीर अहलावत शामिल हैं।

सौरव घोषाल बोले- ओलंपिक में स्क्वाश की एंट्री ऐतिहासिक

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरव घोषाल ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वाश को शामिल किये जाने को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि खेल के विकास के लिये बेहतर कोचिंग और 'इकोसिस्टम' को मजबूत बनाने की जरूरत है। हाल ही में विश्व प्रीमियर स्क्वाश के खेल कमिश्नर नियुक्त किये गए घोषाल ने कहा कि मैं खुशकिस्मत रहा हूं कि मैंने भारत के लिये 20 साल से ज्यादा पेशेवर स्क्वाश खेला है। यह उस सारे अनुभव को साथ लाने का दौर है और मुझे खुशी है कि वैश्विक स्तर पर योगदान दे पा रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैंने दबाव के हालात को हमेशा मौके की तरह देखा है। यह खेल के लिये कुछ खास करने का मौका है। स्क्वाश में भारत के बढते ग्राफ के बारे में घोषाल ने कहा कि ताकत आंकड़ों में दिखती है। ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी खेलेंगे तो चैंपियन निकलेंगे। भविष्य भी उज्जवल दिख रहा है।

मियामी ओपन 2026: अल्कराज और सबालेंका ने जीते शुरुआती मुकाबले

एजेंसी, मियामी। मियामी ओपन 2026 में शुक्रवार को पुरुष और महिला वर्ग के शीर्ष खिलाड़ियों ने जीत के साथ शुरुआत की, जबकि नॉर्वे के कैस्पर रुड को हार का सामना करना पड़ा। विश्व नंबर एक कार्लोस अल्कराज ने ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। महिला वर्ग में विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने अमेरिका की ऐन ली को 7-6, 6-4 से हराया। अमेरिकी खिलाड़ी ईथन क्विन ने कैस्पर रुड को 6-4, 7-6 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। जापान के रेई साकामोटो ने अलेक्जेंडर कोवासेविच को हराकर करियर की पहली बड़ी जीत दर्ज की। अब क्विन और साकामोटो अगले दौर में चुनौतीपूर्ण मुकाबलों के लिए तैयार हैं।

तुमकुरू में पहला आईटीएफ महिला डब्ल्यू35 टूर्नामेंट 4 मई से

एजेंसी, बेंगलुरू। कर्नाटक के टेनिस में बढते कद को बढावा देने के लिए तुमकुरू में चार से दस मई तक पहला आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर डब्ल्यू35 टूर्नामेंट खेला जाएगा। टूर्नामेंट तुमकुर यूनिवर्सिटी परिसर स्थित जिला टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले यहां दो दशक से पूर्व एक आईटीएफ महिला टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था। इस टूर्नामेंट में उदीयमान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारत के शीर्ष पेशेवर 32 खिलाड़ियों के एकल मुख्य ड्रॉ और क्वालीफाइंग दौर में भाग लेंगे।

एना के आगे मॉडल्स भी फेल

सर्बिया। सर्बिया की टेनिस खिलाड़ी एना इवानोविक भी खूबसूरती में किसी से पीछे नहीं हैं। वह दुनिया की नंबर वन टेनिस खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। उनकी सुंदरता के आगे कई मॉडल्स फेल हैं। वह अपने आक्रामक खेल के लिए जानी जाती हैं।

विराट कोहली ने आरसीबी को किया सतर्क बोले–इस बार चुनौतियां होंगी और कठिन

कहा– आईपीएल का खिताब बचाना आसान नहीं, हर मैच में देना होगा 120 प्रतिशत

एजेंसी, बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से पहले डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने साथियों को आगाह किया है कि इस सीजन में टीम के सामने चुनौतियां और ज्यादा कठिन होने वाली हैं।

आरसीबी, जिसने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था, 28 मार्च को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 5 अप्रैल को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स से घरेलू मैदान पर भिड़ेगी।

शनिवार को आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपना पहला अभ्यास सत्र किया। इस दौरान कोहली ने खिलाड़ियों के एक छोटे समूह से बातचीत करते हुए कहा कि पिछले दो–तीन सीजन की कड़ी मेहनत के बाद टीम ने जो हासिल किया, उसे बनाए

रखना अब और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें उन्हें हराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी। कोहली ने खिलाड़ियों से अपील की कि वे शुरुआत से ही पूरी गंभीरता दिखाएं। उन्होंने कहा, 'हम इन दिनों को बेकार नहीं जाने दे सकते। हमें हर सत्र में अपना 120 प्रतिशत देना होगा और एक भी मिनट की बर्बादी नहीं करनी चाहिए।' टीम के नए खिलाड़ियों का स्वागत हेड कोच एंडी

- आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में किया अपना पहला सत्र अभ्यास
- 28 को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने अभियान की करेगी शुरुआत

फ्लावर ने किया, जिसके बाद कोहली ने सभी को प्रेरित किया। नीलामी में आरसीबी ने वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल और सात्विक देसवाल जैसे खिलाड़ियों को शामिल कर टीम को और मजबूत किया है। कोच फ्लावर ने टीम संयोजन पर संतोष जताते हुए कहा कि इस बार स्क्वाड पहले से ज्यादा संतुलित है। उन्होंने कहा कि हमारे पास अब जर्सी पर स्टार है, जो गर्व की बात है, लेकिन पिछला सीजन खत्म हो चुका है। अब हमारे सामने नई चुनौती है और हम इसे जीतने के इरादे से मैदान में उतरेंगे। (अनंत ज्ञान)

केकेआर को झटका, तेज गेंदबाज आकाश दीप आईपीएल से हुए बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आईपीएस 2026 से पहले एक और झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। शनिवार को क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज को फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। 29 साल के बंगाल के इस गेंदबाज को पिछले साल

अबू धाबी में हुए मेगा ऑक्शन में 1 करोड़ रुपए के बेस प्राइस पर टीम ने खरीदा था। हालांकि, वह अब तक टीम कैंप से नहीं जुड़े हैं। आकाश दीप बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब कर रहे हैं। उनकी चोट किस तरह की है, यह साफ नहीं हो सका है, लेकिन मैनेजमेंट और फ्रेंचाइजी के बीच इसको लेकर बातचीत हुई है। (अनंत ज्ञान)

हर्षित राणा भी हुए बाहर

केकेआर के लिए यह चिंता बढ़ाने वाली खबर है, क्योंकि इससे पहले हर्षित राणा और मथीशा पथिराना को लेकर भी टीम को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से क्लियरेंस मिलना बाकी है। टीम ने 18 मार्च से कोलकाता में कैंप शुरू किया है, लेकिन आकाश दीप इसमें शामिल नहीं हो पाए।

केकेआर को पथिराना के फिट होने की उम्मीद

श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी चोट के कारण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि केकेआर उन्हें रिप्लेस नहीं करना चाहती क्योंकि फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वे आईपीएस के दौरान किसी समय टीम से जुड़ सकते हैं। केकेआर ने मेगा ऑक्शन में पथिराना को 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। सोमवार को उनके मैनेजर ने केकेआर जर्सी में उनकी तस्वीर साझा की, जिससे उनके टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद बढ़ गई है।

ब्राजील के गोलकीपर एलिसन बेकर अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों से हुए बाहर

एजेंसी, रियो डी जेनेरियो

ब्राजील फुटबॉल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार गोलकीपर एलिसन बेकर चोट के कारण मार्च में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों से बाहर हो गए हैं। इस बात की पुष्टि ब्राजीलियन फुटबॉल फेडरेशन ने की। ब्राजील को 26 मार्च को फ्रांस फुटबॉल टीम और 31 मार्च को क्रोएशिया फुटबॉल टीम के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं, जो क्रमश: बोस्टन और ऑरलैंडो में आयोजित होंगे।

ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने गुरुवार को घोषित टीम में एलिसन को शामिल किया था, लेकिन अब उनकी जगह ह्यूगो सूजा को टीम में शामिल किया गया है। 33 वर्षीय एलिसन अपने क्लब लिवरपूल एफसी के लिए भी अगला मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। शनिवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ होने वाले मैच में उनकी जगह जॉर्जी मामार्दाशविली के गोलकीपिंग करने की संभावना है। इस सीजन में एलिसन

लगातार चोटों से जूझते रहे हैं। वह 10 मार्च को यूईएफए चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ–16 के पहले लेग में गालतासराय के खिलाफ मुकाबला भी नहीं खेल पाए थे, हालांकि उससे पहले के दो मैचों में उन्होंने हिस्सा लिया था। इसके अलावा हैमस्ट्रिंग चोट के चलते वह अक्तूबर से नवंबर के बीच लिवरपूल के आठ मैचों से भी बाहर रहे थे। फिलहाल प्रीमियर लीग में लिवरपूल 49 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और टॉप–4 में जगह बनाने की जंग लड़ रहा है। (अनंत ज्ञान)

आयरलैंड में भिड़ेगी भारतीय टीम, जून में दो मुकाबले तय

भारतीय क्रिकेट टीम जून माह में करेगी आयरलैंड का दौरा, खेलेगी दो टी–20 मैच

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को घोषणा की कि ट्वेंटी–20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम जून में आयरलैंड दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की ट्वेंटी–20 सीरीज खेली जाएगी। यह सीरीज विश्व कप जीत के बाद भारत की पहली ट्वेंटी–20 श्रृंखला होगी। भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। भारत ने पिछले आठ वर्षों में (2018, 2022 और 2023) तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है। वहीं, 2007 के बाद यह पहला मौका होगा जब भारतीय टीम बेलफास्ट में मुकाबला खेलेगी। दूसरी ओर, आयरलैंड के लिए यह दौरा व्यस्त 2026 कार्यक्रम का हिस्सा है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मुकाबला और अफगानिस्तान के खिलाफ पांच एकदिवसीय मुकाबले भी खेलने हैं। (अनंत ज्ञान)

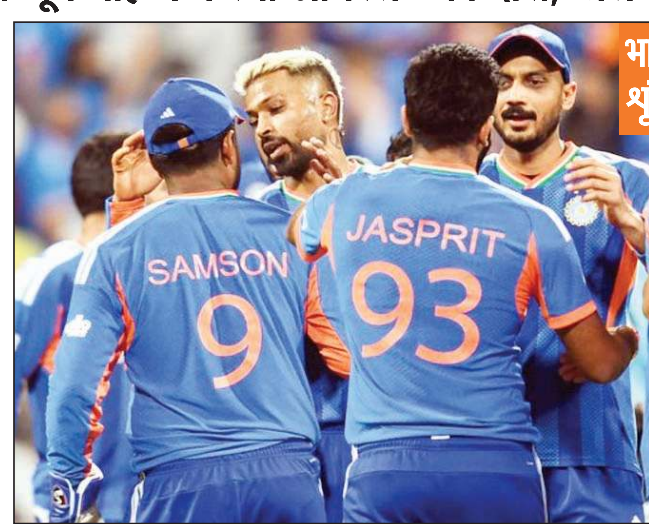

भारत बनाम आयरलैंड श्रृंखला का कार्यक्रम

पहला ट्वेंटी–20 मुकाबला: 26 जून, दोपहर 3:00 बजे (स्थानीय समय), स्टॉर्मोंट क्रिकेट मैदान, बेलफास्ट।

दूसरा ट्वेंटी–20 मुकाबला: 28 जून, दोपहर 3:00 बजे (स्थानीय समय), स्टॉर्मोंट क्रिकेट मैदान, बेलफास्ट।

ऊना में राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए चयनित हुई टीमें

खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान

बड़ूही (ऊना)। जिला जूनियर बालक एवं बालिका तथा यूथ बालक एवं बालिका बॉक्सिंग चैंपियनशिप का सफल आयोजन उपमंडल अंब के तहत हंबोली पंचायत स्थित सक्षम बॉक्सिंग क्लब, ऊना में किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले भर से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का आयोजन हिमाचल बॉक्सिंग एसोसिएशन एवं बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के नियमों एवं दिशा–निर्देशों के अनुसार किया गया। मुकाबले बेहद रोमांचक रहे, जहां खिलाड़ियों ने अनुशासन, तकनीक और जुझारूपन का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

जिला ऊना बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बलवंत ठाकुर और ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी सरोज शर्मा ने सभी चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का यह चयन उनके कठोर परिश्रम और समर्पण का परिणाम है तथा उन्हें विश्वास है कि ये खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में जिला ऊना का नाम रोशन करेंगे। प्रतियोगिता के आधार पर दो टीमों का चयन किया गया है, जो आगामी राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भाग लेंगी। जूनियर बालक एवं बालिका टीम 25 मार्च को शिमला में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी, जबकि यूथ बालक एवं बालिका टीम 30 मार्च को हमीरपुर में आयोजित चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर आयोजकों ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहन मिलता है और जिले में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच मिलता है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों, कोचों एवं अभिभावकों का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

बॉक्सिंग चैंपियनशिप की चयन प्रक्रिया में शामिल प्रतिभागी। अनंत ज्ञान

हमानो के गोल से जापान ने महिला एशियाई कप जीता

एजेंसी, सिडनी। जापान ने महिला एशियाई कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 1–0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। सिडनी में खेले गए इस मुकाबले में जापान की जीत का एकमात्र गोल माइका हमानो ने पहले हाफ में किया। हमानो, जो चेल्सी से टोटेनहम के लिए लोन पर खेलती हैं, ने 17वें मिनट में बाएं फ्लैंक से पास प्राप्त कर पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शानदार शॉट दागा, जो सीधे गोल में गया। ऑस्ट्रेलिया ने मैच के अंतिम 10 मिनटों में बराबरी के लिए जोरदार दबाव डाला, लेकिन जापान की मजबूत रक्षा ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ जापान ने महिला एशियाई कप में लगातार तीसरी बार खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। याद रहे कि जापान ने 2014 व 2018 में भी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर यह रिकॉर्ड बनाया था। जापान की टीम ने पिछले चार महाद्वीपीय टूर्नामेंटों में तीन बार खिताब जीतने का शानदार प्रदर्शन किया है। इस मैच में हमानो की तेज़ और सटीक शॉटिंग, साथ ही टीम की मजबूती व रणनीति, निर्णायक साबित हुई। (अनंत ज्ञान)

अर्जेंटीना फीफा विश्व कप से पहले 31 को जाम्बिया से खेलेगा फ्रेंडली मैच

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के तहत मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने घोषणा करते हुए बताया कि टीम जाम्बिया से भिड़ेगी, जबकि पहले यह मैच ग्वाटेमाला के खिलाफ प्रस्तावित था। पहले अर्जेंटीना को इस महीने कतर में स्पेन के खिलाफ 'फाइनलिसिमा' और मेजबान टीम के खिलाफ मुकाबला खेलना था। ये दोनों मुकाबले कतर फुटबॉल उत्सव का हिस्सा थे और फाइनलिसिमा मैच लुसैल स्टेडियम में आयोजित होना था, जहां लियोनेल मेसी ने पिछला विश्व कप जीता था।

हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया, जिसके बाद अर्जेंटीना को अपनी योजना में बदलाव करना पड़ा। इसके बाद विश्व चैंपियन टीम ने तय किया कि वह अपने दोनों मैत्री मुकाबले घरेलू मैदान पर ही खेलेगी। ये मुकाबले 27 और 31 मार्च को ब्यूनस आयर्स में आयोजित होंगे। फीफा के नियमों

के अनुसार, कोई भी टीम एक ही अंतरराष्ट्रीय अवधि में दो अलग–अलग महाद्वीपों में मुकाबले नहीं खेल सकती।

इसी वजह से ग्वाटेमाला की जगह अब जाम्बिया को शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अनुसार, मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी के मार्गदर्शन में टीम 31 मार्च को रात 8:15 बजे ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में जाम्बिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी। साथ ही संघ ने ग्वाटेमाला फुटबॉल महासंघ का आभार व्यक्त किया, जिसने नियमों की बाधाओं के बावजूद सहयोग की इच्छा जताई। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका का विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में दबदबा

एजेंसी, कुजावी–पोमोर्जे। विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप कुजावी–पोमोर्जे 2026 के पहले दिन (शुक्रवार) चार रोमांचक फाइनल मुकाबलों में खिताबों का फैसला हुआ। उद्घाटन दिवस पर खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता को शानदार शुरुआत दी। अमेरिका के 21 वर्षीय धावक जॉर्डन एंथनी ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 60 मीटर दौड़ 6.41 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अनुभवी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। अमेरिका की चेस जैक्सन ने गोला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश को दिन का दूसरा स्वर्ण दिलाया। बाहरी प्रतियोगिताओं की दो बार की विश्व विजेता जैक्सन का यह पहला इंडोर वैश्विक खिताब है।

ओलंपिक चैंपियन यारोस्लावा महुचिख ने 2.01 मीटर की छलांग लगाकर ऊंची कूद का खिताब अपने नाम किया। इस स्पर्धा में तीन खिलाड़ियों ने संयुक्त रूप से रजत पदक जीता। तिहरी कूद में एंडी डियाज ने 17.47 मीटर की शानदार छलांग लगाकर अपना खिताब बचाया। वह 2004 के बाद लगातार दो बार यह खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। पहले दिन के मुकाबलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि इस प्रतियोगिता में आगे भी कड़े और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। (अनंत ज्ञान)

घोषणा विंबलडन में पहली बार लागू होगी वीडियो रिव्यू तकनीक

अंपायर के फैसले पर अब नहीं होगा विवाद

एजेंसी, नई दिल्ली

दुनिया के सबसे पुराने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट विंबलडन में इस साल से पहली बार वीडियो रिव्यू तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। यह घोषणा आयोजक संस्था ऑल इंग्लैंड क्लब ने शनिवार को की। इस नई तकनीक का उपयोग सेंटर कोर्ट और नंबर–1 कोर्ट सहित कुल छह कोर्ट पर किया जाएगा। इसके अलावा नंबर–2 कोर्ट, नंबर–3 कोर्ट, कोर्ट 12 और कोर्ट 18 पर भी सिंगल्स मैचों के दौरान वीडियो रिव्यू उपलब्ध रहेगा।

खिलाड़ियों को चेयर अंपायर के कुछ खास फैसलों जैसे डबल बाउंस को चुनौती देने के लिए वीडियो रिव्यू लेने की अनुमति होगी। खास बात यह है कि खिलाड़ियों के लिए रिव्यू की संख्या पर कोई सीमा नहीं रखी गई है। ग्रैंड स्लैम स्तर पर वीडियो रिव्यू की शुरुआत यूएस ओपन 2023 में हुई थी, जबकि

- रिव्यू की संख्या पर कोई सीमा तय नहीं
- 29 जून से शुरू होगा विंबलडन

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी यह तकनीक पहले से इस्तेमाल हो रही है।

यह वीडियो रिव्यू सिस्टम इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग से अलग है, जिसका इस्तेमाल गेंद के अंदर या बाहर होने का फैसला करने के लिए किया जाता है। पिछले साल विंबलडन में लाइन जजों की जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग लागू की गई थी, हालांकि शुरुआत में इसमें कुछ दिक्कतें भी सामने आई थीं। इस साल का विंबलडन टूर्नामेंट 29 जून से शुरू होगा। (अनंत ज्ञान)

रवांडा की 15 वर्षीय फैंनी ने रचा इतिहास

एजेंसी, लागोस। रवांडा महिला क्रिकेट टीम की युवा बल्लेबाज फैंनी उतागुशिमानिन्डे ने इतिहास रचते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू मैच पर शतक जड़ दिया। उन्होंने यह उपलब्धि नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी20आई टूर्नामेंट के तहत घाना के खिलाफ मैच में हासिल की। महज 15 साल और 223 दिन की उम्र में फैंनी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने प्रोस्कोविया अलाको का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 16 साल 233 दिन की उम्र में 116 रन बनाए थे। वहीं पुरुष क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड गुस्ताव मॅकिऑन के नाम है, जिन्होंने 18 साल 280 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था। ओपनिंग करते हुए फैंनी ने नाबाद 111 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 65 गेंदों पर 17 चौके शामिल रहे। इसके साथ ही उन्होंने कैरन रोल्टन के टी20आई डेब्यू पर नाबाद 96 रन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। उनकी इस बेहतरीन पारी की बदौलत रवांडा ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में घाना महिला क्रिकेट टीम की टीम 8 विकेट पर सिर्फ 88 रन ही बना सकी। रवांडा ने यह मुकाबला 122 रनों के बड़े अंतर से जीतकर टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की। (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र
'अनंत ज्ञान' की प्रति प्राप्त करने
समाचार, विज्ञापन, शुभकामना संदेश
एवं निविदा प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें।
"अनंत ज्ञान – आपकी आवाज, आपका समाचार पत्र"

शिमला	सत्यदेव भारद्वाज, ब्यूरो चीफ, मो. 70181-60595
धर्मशाला	राजेश कुमार, जिला प्रभारी, मो. 98164-48474
सोलन	मोहन चौहान, जिला प्रभारी, मो. 94181-57519
मंडी	अनिल शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 94189-80288
हमीरपुर	विक्रम ढटवालिया, ब्यूरो चीफ, मो. 94180-03422
बिलासपुर	अरुण डोगरा, जिला प्रभारी, मो. 90159-09310
चंबा	राहुल सहगल, वरिष्ठ संवाददाता, मो. 78278-66759
ऊना	राजेश शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 98163-96500
कुल्लू एवं लाहौल/स्पीति	कमलेश वर्मा, जिला प्रभारी, मो. 86298-97600
पठानकोट	अशोक ठाकुर, विशेष संवाददाता, मो. 94184-85666
चंडीगढ़/मोहाली	गुरनाम सागर, स्टाफ रिपोर्टर, मो. 99153-26615

Head Office:- Plot No.8, Phase-II, Ind. Area
Nagrota Bagwan, Distt. Kangra (H. P.)- 176047
Contact: 01892-299098, 98168-75517
Email: anantgyaanmedia@gmail.com